IASBABA

One Stop Destination for UPSC/IAS Preparation

60 Days Final Compilation

DELHI

5B, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi –110005. Landmark: Just 50m from Karol Bagh Metro Station, GATE No. 8 (Next to Croma Store)

Ph:0114167500

BANGALORE

#1737/37, MRCR Layout, Vijaynagar Service Road, Vijaynagar, Bangalore 560040. PH: 09035077800 / 7353277800

Q.1) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

भूमि राजस्व प्रणाली	प्रस्तुतकर्ता
1. रैयतवाड़ी	अलेक्जेंडर रीड
2. महालवाड़ी	थॉमस मुनरो
3. स्थायी बंदोबस्त	लॉर्ड वैलेज़ली

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.1) Solution (c)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
सत्य	**असत्य**	**असत्य**
1820 में थॉमस मुनरो और अलेक्जेंडर रीड द्वारा रैयतवाड़ी प्रणाली की शुरुआत की गई थी। आरंभ में ब्रिटिश भारत के प्रमुख क्षेत्रों में मद्रास, बॉम्बे, असम के कुछ भाग और कुर्ग प्रांत शामिल हैं।	1833 में उत्तर-पश्चिम सीमांत, आगरा, केंद्रीय प्रांत, गंगा घाटी, पंजाब इत्यादि में हॉल्ट मैकेंज़ी और रॉबर्ट मेर्टिंस बर्ड द्वारा महालवाड़ी प्रणाली की शुरुआत की गई थी। विलियम बेंटिक के कार्यकाल में इसे प्रस्तुत किया गया था।	1793 में लॉर्ड कॉर्नवालिस द्वारा स्थायी बंदोबस्त अधिनियम के माध्यम से ज़मींदारी प्रणाली या स्थायी बंदोबस्त आरंभ किया गया था। इसे बंगाल, बिहार, उड़ीसा तथा वाराणसी के प्रांतों में प्रस्तुत किया गया था।

Q.2) बोमलीपट्टम, चिनसुरा, बालासोर और कासिम बाजार जैसे स्थानों पर फैक्ट्रियों की स्थापना किसके द्वारा आरंभ में की गई थी?

a) डच
b) अंग्रेजी
c) पुर्तगाली
d) फ्रांसीसी

Q.2) Solution (a)

पुर्तगाली फैक्ट्री	कालीकट (कोझिकोड), कोचीन, कैनानोर (कन्नूर), गोवा, दमन।
अंग्रेजी	सूरत (1613), आगरा, अहमदाबाद और भड़ौच, बॉम्बे, मद्रास और कलकत्ता।

फैक्ट्री	
फ्रांसीसी फैक्ट्री	सूरत, मसूलीपट्टनम, पांडिचेरी।
डच फैक्ट्री	मूसलीपट्टनम (1605), पुलिकट (1610), सूरत (1616), बिमलीपट्टम (1641), करैकल (1645), चिनसुरा (1653), कासिम बाजार (कासिम बाजार, बारानागोर, पटना, बालासोर, नागापट्टम (1658) और कोचीन (1663) ।

Q.3) इलाहाबाद संधि के साथ, ईस्ट इंडिया कंपनी को भारत में एक सुदृढ़ राजनीतिक लाभ मिला। निम्नलिखित में से कौन सा कथन इलाहाबाद संधि के बारे में सही है / हैं?

1. प्लासी की लड़ाई के परिणामस्वरूप मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय और रॉबर्ट क्लाइव के बीच संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे।
2. मुगल को प्रतिवर्ष दी जाने वाली 26 लाख रुपये की पेंशन के बदले में ब्रिटिश सीधे कर वसूलने के हकदार थे।
3. नवाब के साथ मद्रास में सरकार की दोहरी प्रणाली स्थापित की गई थी, जिसमें नवाब के पास न्यायिक कार्यों को बरकरार रखा गया था, लेकिन कंपनी के पास राजस्व एकत्र करने की शक्ति थी।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 1 और 3
d) केवल 2 और 3

Q.3) Solution (b)

- इलाहाबाद संधि ने भारत में राजनीतिक और संवैधानिक हस्तक्षेप तथा ब्रिटिश शासन की शुरुआत को चिह्नित किया।
- इस संधि के साथ, ईस्ट इंडिया कंपनी को भारत में एक सुदृढ़ राजनीतिक लाभ मिला। संधि से पहले, ब्रिटिशों का केवल भारतीय शासकों के साथ एक मजबूत व्यापारिक संबंध था।
- यह संधि उन कारकों में से एक थी, जिन्होंने यह सुनिश्चित किया कि वे अगली दो शताब्दियों तक भारत पर शासन करेंगे।

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
असत्य	**सत्य**	**असत्य**
बक्सर की लड़ाई के परिणाम स्वरूप मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय और रॉबर्ट क्लाइव के बीच 12 अगस्त 1765 को इलाहाबाद की संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे।	संधि ने कंपनी को लगभग 40,000 वर्ग किलोमीटर कर योग्य उपजाऊ भूमि तक पहुंच प्रदान की। मुगल को प्रतिवर्ष दी जाने वाली 26 लाख रुपये की पेंशन के बदले में अंग्रेज सीधे कर वसूलने के हकदार बन गए थे।	बंगाल में नवाब के साथ सरकार की दोहरी प्रणाली स्थापित की गई थी, जिसमे न्यायिक कार्यों को नवाब के पास बरकरार रखा गया था, लेकिन कंपनी के पास राजस्व एकत्र करने की शक्ति थी।

Q.4) ब्रिटिश नीतियों ने वि-औद्योगीकरण (de-industrialisation) का नेतृत्व किया है। भारत में निम्नलिखित में से कौन सा इसका परिणाम नहीं है?

a) अत्यधिक लोगों की कृषि पर निर्भरता के प्रभाव से कृषि दक्षता कम हो गई।
b) सस्ते आयात से हस्तशिल्प उद्योग पूरी तरह से ध्वस्त हो गया।
c) आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नष्ट कर दिया जिससे उच्च दरिद्रता हो गई।
d) भारत से कच्चे माल के निर्यात में तथा तैयार माल के आयात में वृद्धि हुई।

Q.4) Solution (b)

- भारत सही शब्दों और आधुनिक अर्थों में एक औद्योगिक देश नहीं है। लेकिन 17 वीं और 18 वीं शताब्दी के मानकों से, यानी, भारत में यूरोपीय लोगों के आगमन से पहले, भारत विश्व की 'औद्योगिक कार्यशाला' था।
- इसके अलावा, भारत की पारंपरिक ग्रामीण अर्थव्यवस्था "कृषि और हस्तशिल्प के सम्मिश्रण" की विशेषता थी।
- ग्रामीण अर्थव्यवस्था के इस आंतरिक संतुलन को ब्रिटिश सरकार ने व्यवस्थित रूप से समाप्त कर डाला था। इस प्रक्रिया में, पारंपरिक हस्तकला उद्योग अपने पूर्व-अस्तित्व से निम्नतर हो गए तथा इसकी गिरावट 18 वीं शताब्दी के प्रारंभ में आरंभ हुई और 19 वीं शताब्दी की शुरुआत में तेजी से आगे बढ़ी। इस प्रक्रिया को वि-औद्योगीकरण' के रूप में जाना जाता है, जो औद्योगिकीकरण के विपरीत है।
- भारतीय हस्तशिल्प को विदेशी वस्तुओं से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा क्योंकि भारतीय वस्त्रों के लिए उच्च शुल्क थे तथा ब्रिटेन से तैयार मालों के लिए कम शुल्क थे। इन सभी के कारण हस्तशिल्प उद्योग में गिरावट आई। हालाँकि ये नीतियां पारंपरिक हस्तकला उद्योग को पूरी तरह से नहीं समाप्त कर सके। यहां विकल्प (b) एक अस्पष्ट कथन है और इसलिए गलत है।
- अन्य सभी कथन भारत में वि-औद्योगीकरण के परिणाम हैं।

Q.5) 1854 के 'वुड्स डिस्पैच' को 'भारत में अंग्रेजी शिक्षा का मैग्नाकार्टा' कहा जाता है। वुड्स डिस्पैच की निम्नलिखित सिफारिशों पर विचार करें:

1. इसने जन शिक्षा को बढ़ावा देकर शिक्षा की पहुंच का विस्तार किया।
2. प्रत्येक जिले में एक शिक्षा विभाग स्थापित किया जाना है।
3. भारतीय मूल निवासियों को उनकी मातृभाषा में भी प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।
4. इसने निजी उद्यमों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु अनुदान सहायता प्रणाली की सिफारिश की।

ऊपर दी गई सिफारिशों में से कौन सी सही है / हैं?

a) केवल 1,2 और 3
b) केवल 2 और 4
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2, 3 और 4

Q.5) Solution (c)

- चार्ल्स वुड एक ब्रिटिश उदारवादी राजनेता और संसद सदस्य थे। उन्होंने 1846 से 1852 तक राजकोषीय चांसलर के रूप में कार्य किया। बाद में वे ईस्ट इंडिया कंपनी के नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष बने।
- 1854 में उन्होंने गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौजी को "वुड्स डिस्पैच" भेजा।
- वुड्स डिस्पैच की सिफारिशें निम्नलिखित हैं
    - कलकत्ता, बॉम्बे और मद्रास में अंग्रेजी, अरबी, संस्कृत, फारसी, कानून और सिविल इंजीनियरिंग विभागों के साथ विश्वविद्यालयों की स्थापना करना।
    - निजी उद्यमों को प्रोत्साहित करने के लिए अनुदान सहायता प्रणाली।
    - बालिका विद्यालयों की स्थापना कर महिला शिक्षा को बढ़ावा देना।
    - पेशेवर शिक्षा-चिकित्सा, कानून और इंजीनियरिंग को प्रोत्साहित करना
    - प्रत्येक प्रांत में शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालयों की स्थापना।

कथन 1 और 3	कथन 2	कथन 4
सत्य	असत्य	असत्य
अंग्रेजी के साथ-साथ भारतीय भाषाओं को शिक्षा के माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया जाना चाहिए तथा कॉलेजों, स्कूलों की स्थापना करके सामूहिक शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए।	प्रत्येक **5 प्रांतों** (बंगाल, बंबई, मद्रास, पंजाब और उत्तरी पश्चिमी प्रांतों) में एक निदेशक के नेतृत्व में स्थापित किया जाना है।	शिक्षकों का वेतन बढ़ाने, स्कूल निर्माणों को बढ़ावा देने, छात्रों को छात्रवृत्ति देने, साहित्यकारों की स्थितियों में सुधार करने, विज्ञान विभाग खोलने आदि के लिए दी जाने वाली अनुदान सहायता के साथ स्कूलों ने छात्रों से शुल्क लिया, **इसलिए शिक्षा मुफ्त नहीं थी।**

Q.6) भारत में यूरोपीय लोगों के आगमन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. डच ईस्ट इंडिया कंपनी के अपने सभी व्यापार केंद्र पूर्वी तट की ओर थे।
2. कालीकट की खोज के बाद वास्को डी गामा और ज़मोरिन के सौहार्दपूर्ण संबंध थे।
3. 1613 से, बॉम्बे पश्चिमी तट पर इंग्लिश ईस्ट इंडिया कंपनी का मुख्यालय था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1, 2 और 3
d) इनमें से कोई भी नहीं

Q.6) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	असत्य

डच ईस्ट इंडिया कंपनी का गठन 1602 में किया गया था, लेकिन डचों की मुख्य दिलचस्पी भारत में नहीं, बल्कि इंडोनेशियाई द्वीपों में थी, जहाँ मसालों का उत्पादन होता था। डचों ने भारत में सूरत, भड़ौच, खंबात, नागपट्टनम, मछलीपट्टनम, चिनसुरा, पटना, और आगरा यानि भारत के दोनों तटों पर व्यापारिक डिपो स्थापित किए।	जब वास्को डी गामा कालीकट में उतरा, तो उसने ज़मोरिन से सौहार्दपूर्वक व्यवहार प्राप्त किया, और उसे मसालों में व्यापार करने और तट पर एक कारखाना (वेयर-हाउस) स्थापित करने की अनुमति मिली। लेकिन, 1502 में, वास्को डी गामा ने मांग की कि ज़मोरिन को वहां बसे सभी मुस्लिम व्यापारियों को निष्कासित करना चाहिए। लेकिन ज़मोरिन ने मांग को खारिज कर दिया तथा कालीकट का बंदरगाह सभी के लिए खुला रहने दिया था।	1613 से, सूरत पश्चिमी तट पर इंग्लिश ईस्ट इंडिया कंपनी का मुख्यालय था, लेकिन 1668 को, जब ब्रिटिश सरकार से ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा बॉम्बे (वर्तमान मुंबई) का अधिग्रहण किया गया था (1662 में बॉम्बे इंग्लैंड के प्रिंस चार्ल्स-II स्पेन द्वारा अपने राजकुमारी कैथरीन की शादी में दहेज के रूप में को दिया गया था)। इसके बाद पश्चिमी तट के मुख्यालय के रूप में सूरत को बंबई ने प्रतिस्थापित किया।

Q.7) आंग्ल-फ्रांसीसी युद्धों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. प्रथम आंग्ल-फ्रांसीसी युद्ध में फ्रांसीसी की हार हुई तथा यह पेरिस संधि के साथ समाप्त हो गया था।
2. पांडिचेरी की संधि ने द्वितीय आंग्ल-फ्रांसीसी युद्ध को समाप्त कर दिया था।
3. तृतीय आंग्ल-फ्रांसीसी युद्ध फ्रांसीसी के लिए एक निर्णायक हार थी तथा ऐक्स-ला-चैपेल संधि ने भारत में इस युद्ध को समाप्त कर दिया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2 और 3
c) केवल 2
d) इनमें से कोई भी नहीं

Q.7) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	असत्य
प्रथम आंग्ल-फ्रांसीसी युद्ध - 1746 से 1748 तक चला। फ्रांसीसी की पराजय हुई। ऐक्स-ला-चैपल संधि के माध्यम से युद्ध समाप्त हुआ।	द्वितीय आंग्ल-फ्रांसीसी युद्ध 1749 से 1754 तक चला। पांडिचेरी की संधि ने युद्ध को समाप्त किया।	तृतीय आंग्ल-फ्रांसीसी युद्ध 1758 से 1763 तक चला। यह फ्रांसीसी की निर्णायक हार थी। पेरिस संधि ने भारत में इस युद्ध को समाप्त किया। इसमें पॉन्डिचेरी को फ्रांसीसी को लौटा दिया गया था।

Q.8) 'गोएन्ड' (Goyendas) शब्द निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?

a) जासूस प्रणाली

b) राजस्व संग्रह
c) न्यायिक प्रणाली
d) जमींदारी प्रथा

Q.8) Solution (a)

- मुगल शासन के तहत फौजदार वो थे, जो कानून और व्यवस्था बनाए रखने में मदद करते थे, तथा आमिल जो मूल रूप से राजस्व संग्रहकर्ता थे, लेकिन यदि कोई आवश्यकता हो, तो उन्हें विद्रोहियों के साथ संघर्ष करना पड़ता था। कोतवाल शहरों में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए उत्तरदायी थे।
- 1774 में, वॉरेन हेस्टिंग्स ने फौजदारों की संस्था को बहाल किया तथा जमींदारों को डकैतों, हिंसा और अव्यवस्था के दमन में उनकी सहायता करने के लिए कहा।
- 1808 में, लॉर्ड मेयो ने कई जासूसों (गोएन्ड) की मदद से प्रत्येक डिवीजन के लिए एक पुलिस अधीक्षक (एसपी) की नियुक्ति की, लेकिन इन जासूसों ने स्थानीय लोगों पर प्रतिशोध लिया।

Q.9) सांविधिक सिविल सेवा (Statutory Civil Service) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसे भारत में लॉर्ड लिटन द्वारा प्रस्तुत किया गया था।
2. इसमें भारतीयों द्वारा नामांकन के माध्यम से भरे जाने वाले वाचा के एक तिहाई पद (one-third of covenanted posts) शामिल थे।
3. बाद में इसे सुधारों के साथ जारी रखा गया जैसा कि ऐचिसन आयोग द्वारा सिफारिश की गई थी।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 1 और 2
c) केवल 2 और 3
d) केवल 1 और 3

Q.9) Solution (a)

- **एचिसन आयोग** की सिफारिशें:
  - नागरिक सेवाओं के दो-स्तरीय वर्गीकरण को वाचा और अवाचा (covenanted and uncovenanted) को बदलकर एक त्रि-स्तरीय वर्गीकरण (इंपीरियल, प्रांतीय और अधीनस्थ नागरिक सेवाओं) द्वारा प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए।
  - सिविल सेवाओं में प्रवेश के लिए अधिकतम आयु 23 वर्ष होनी चाहिए।
  - भर्ती की सांविधिक सिविल सेवा प्रणाली को समाप्त कर दिया जाना चाहिए।
  - प्रतियोगी परीक्षा इंग्लैंड और भारत में एक साथ आयोजित नहीं की जानी चाहिए
  - इंपीरियल सिविल सेवा में कुछ प्रतिशत पद प्रांतीय सिविल सेवा के सदस्यों के पदोन्नति द्वारा भरे जाने चाहिए।

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	असत्य
लॉर्ड लिटन ने 1878-79 में	सांविधिक सिविल सेवा में स्थानीय	सांविधिक सिविल सेवा के

सांविधिक सिविल सेवा की शुरुआत की।	सरकारों द्वारा नामांकन के माध्यम से उच्च परिवारों के भारतीयों द्वारा भरे जाने वाले वाचा के एक-छठे पद (one-sixth) शामिल थे जो राज्य सचिव और वायसराय द्वारा अनुमोदन के अधीन थे।	सदस्यों के पास निम्न दर्जा और कम वेतन था तथा यह आलोचना का विषय बन गया। सिविल सेवा पर एचिसन आयोग 1886 ने इसके उन्मूलन के लिए सिफारिश की तथा अंततः इसे 1887-88 में समाप्त कर दिया गया।

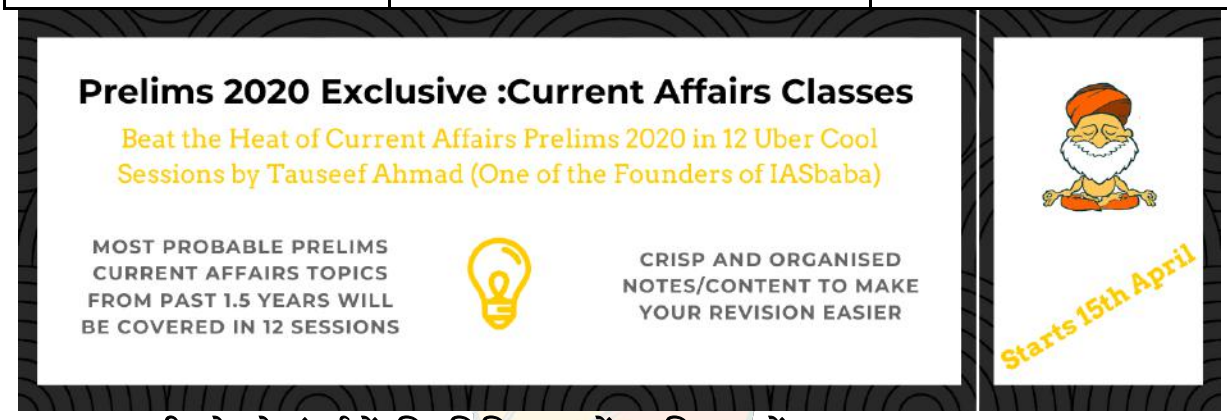

Q.10) भारतीय प्रेस के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. चार्ल्स मेटकाफ को भारत में 'प्रेस का मुक्तिदाता' कहा जाता है।
2. 1867 का पंजीकरण अधिनियम, जिसने 1835 के प्रेस अधिनियम को स्थानांतरित कर दिया गया था, प्रकृति में प्रतिबंधात्मक था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.10) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
1835 में चार्ल्स मेटकाफ द्वारा भारतीय प्रेस को प्रतिबंधों से मुक्त कर दिया गया। उन्हें 'भारतीय प्रेस का मुक्तिदाता' कहा जाता है। इस कदम का शिक्षित भारतीयों ने उत्साह से स्वागत किया था। यह एक कारण था कि उन्होंने कुछ समय तक भारत में ब्रिटिश शासन का समर्थन किया।	प्रेस के प्रति विशेष रूप से निर्देशित सबसे पुराना जीवित अधिनियम 1867 में प्रेस एंड रजिस्ट्रेशन ऑफ बुक्स एक्ट (PRB अधिनयम) (1867 का XXV) पारित किया गया था। हालाँकि इसका उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता पर सरकारी नियंत्रण स्थापित करना नहीं था। यह एक नियामक कानून था जिसने सरकार को पंजीकरण की एक प्रणाली द्वारा प्रिंटिंग प्रेस और समाचार पत्रों को विनियमित करने तथा भारत में मुद्रित पुस्तकों और अन्य मामलों की प्रतियों

	को संरक्षित करने में सक्षम बनाया। इस अधिनियम में 1835 के मेटकाफ अधिनियम द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों में ढील दी गई है तथा इसलिए कहा गया है कि सरकार नियामक के रूप में कार्य करती है न कि प्रतिबंधात्मक निकाय के रूप में।

Q.11) आधुनिक भारतीय इतिहास में, मेयो का 1870 का संकल्प किससे संबंधित था

a) पुलिस सुधार
b) वित्तीय विकेंद्रीकरण
c) शैक्षिक सुधार
d) वर्नाक्यूलर प्रेस

Q.11) Solution (b)

- 1870 का मेयो संकल्प: यह संकल्प वित्तीय विकेंद्रीकरण से संबंधित था जो 1861 के भारतीय परिषद अधिनियम द्वारा विधायी विचलन (legislative devolution) था।
- इंपीरियल सरकार से वार्षिक अनुदान के अलावा, प्रांतीय सरकारों को अपने बजट को संतुलित करने के लिए स्थानीय कराधान का सहारा लेने के लिए अधिकृत किया गया था। यह प्रशासन के कुछ विभागों जैसे चिकित्सा सेवाओं, शिक्षा और सड़कों पर प्रांतीय सरकारों के नियंत्रण के हस्तांतरण के संदर्भ में किया गया था। यह स्थानीय वित्त की शुरुआत थी।

Q.12) 1833 के चार्टर अधिनियम के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसने ईस्ट इंडिया कंपनी की वाणिज्यिक गतिविधियों को समाप्त कर दिया तथा इसे एक प्रशासनिक निकाय तक सीमित कर दिया।
2. इसने ब्रिटिश भारत सरकार को दास प्रथा समाप्त करने का निर्देश दिया।
3. प्रत्येक वर्ष भारत के मूल निवासियों के बीच साहित्य, शिक्षा और विज्ञान के पुनरुद्धार, प्रोत्साहन और संवर्धन के लिए एक लाख रुपये की राशि निर्धारित की जानी थी।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.12) Solution (a)

- 1833 के चार्टर अधिनियम के कुछ प्रावधान हैं:
  - किसी भी भारतीय नागरिक को कंपनी के तहत धर्म, रंग, जन्म, वंश आदि के आधार पर रोजगार से वंचित नहीं किया जाना था।
  - कानून बनाने पर पेशेवर सलाह के लिए गवर्नर जनरल काउंसिल में एक कानून सदस्य जोड़ा गया।
  - भारतीयों के कानूनों को संहिताबद्ध और समेकित किया जाना था।
  - यूरोपीय आव्रजन और भारत में संपत्ति के अधिग्रहण पर सभी प्रतिबंध हटा दिए गए थे।

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य
इस अधिनियम ने एक वाणिज्यिक निकाय के रूप में ईस्ट इंडिया कंपनी की गतिविधियों को समाप्त कर दिया, जो विशुद्ध रूप से प्रशासनिक निकाय बन गया था। यह प्रावधान प्रदान करता है कि भारत में कंपनी के क्षेत्र 'उसकी महामहिम, उसके उत्तराधिकारियों के विश्वास' के अंतर्गत थे	इसने चीन के साथ और चाय में व्यापार पर कंपनी के एकाधिकार को समाप्त कर दिया। इसने भारत सरकार को दास प्रथा को खत्म करने का निर्देश दिया। 1843 में दास प्रथा को समाप्त कर दिया गया।	1813 के चार्टर अधिनियम के तहत, प्रत्येक वर्ष भारत के मूल निवासियों के बीच साहित्य, शिक्षा और विज्ञान के पुनरुद्धार, प्रोत्साहन और संवर्धन के लिए एक लाख रुपये की राशि अलग से निर्धारित किए जाने का प्रावधान था।

Q.13) ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ सहायक संधि (Subsidiary Alliance) पर हस्ताक्षर करके, भारत के एक राज्य को

1. क्षेत्र के भीतर एक ब्रिटिश सेना स्थायी रूप से स्वीकार करना।
2. किसी भी यूरोपीय को नियुक्त करने के लिए अंग्रेजों की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता थी, यह प्रावधान किसी अन्य भारतीय शासक से समझौते के मामले में लागु नही था।
3. शासक के दरबार में एक ब्रिटिश रेजिडेंट की नियुक्ति

ऊपर दिए गए निम्नलिखित में से किसके लिए सहमत होना था?
अपने **कथनों में से कौन सा सही है / हैं?**

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.13) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	सत्य
इस प्रणाली के तहत, भारतीय राज्य के शासक को अपने क्षेत्र के भीतर एक ब्रिटिश सेना की स्थायी तैनाती को स्वीकार करने तथा इसके रखरखाव के लिए सब्सिडी का भुगतान करने के लिए मजबूर किया गया था।	प्रणाली के तहत, भारतीय शासक अंग्रेजों की पूर्व स्वीकृति के बिना किसी भी यूरोपीय को अपनी सेवा में नियुक्त नहीं कर सकता था। तथा न ही वह गवर्नर-जनरल की सलाह के बिना किसी अन्य भारतीय शासक के साथ बातचीत कर सकता था। भारतीय राज्य भी ब्रिटिश अनुमोदन के बिना किसी	संधि के तहत एक ब्रिटिश रेजिडेंट भी भारतीय शासकों के दरबार में तैनात था। अंग्रेजों ने भारतीय राज्य के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने का वादा किया था लेकिन यह शायद ही कभी माना गया था।

	अन्य भारतीय राज्य के साथ किसी भी राजनीतिक संबंध में प्रवेश नहीं कर सकता थे।	

Q.14) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

आयोग	संबंधित
1. लॉर्ड वेल्बी	पुलिस सुधार
2. फाउलर	मुद्रा
3. रिचर्ड स्ट्रेची	अकाल

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.14) Solution (c)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
असत्य	**सत्य**	**सत्य**
1895 में, भारतीय व्यय प्रशासन पर शाही आयोग, जिसे आमतौर पर वेल्बी आयोग के रूप में जाना जाता है, की स्थापना भारतीय व्यय को देखने के लिए की गई थी।	फाउलर समिति या भारतीय मुद्रा समिति भारत में ब्रिटिश सरकार द्वारा 29 अप्रैल 1898 को भारत में मुद्रा की स्थिति की जांच के लिए नियुक्त की गई एक सरकारी समिति थी।	1880 के रिचर्ड स्ट्रेची आयोग को अकाल से निपटने के लिए एक सामान्य रणनीति और सिद्धांत विकसित करने के लिए बनाया गया था। यह लॉर्ड लिटन की अवधि के दौरान गठित किया गया था।

Q.15) एक कालानुक्रमिक क्रम में निम्नलिखित युद्धों को व्यवस्थित करें:

1. प्रथम आंग्ल-अफगान युद्ध
2. द्वितीय आंग्ल-बर्मा युद्ध
3. प्रथम आंग्ल-नेपाल युद्ध
4. द्वितीय आंग्ल-सिख युद्ध

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) 4 - 3 - 1 - 2
b) 1 - 2 - 4 - 3

c) 2 - 3 - 1 - 4
d) 3 - 1 - 4 - 2

Q.15) Solution (d)

- नालपानी की लड़ाई 1814-1816 के आंग्ल-नेपाली युद्ध की पहली लड़ाई थी, जो ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और नेपाल की सेनाओं, जो गोरखाओं द्वारा प्रशासित थी, के बीच लड़ी गई।
- प्रथम आंग्ल-अफगान युद्ध (जिसे अफगानिस्तान में आपदा के रूप में अंग्रेजों द्वारा भी जाना जाता है) को ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और अफगानिस्तान के अमीर के बीच 1839 से 1842 के बीच लड़ा गया था।
- द्वितीय आंग्ल-सिख युद्ध सिख साम्राज्य और ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच एक सैन्य संघर्ष था जो 1848 और 1849 में हुआ था। इसके परिणामस्वरूप सिख साम्राज्य का पतन हुआ, तथा पंजाब का अधिग्रहण हुआ, जो बाद में ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा उत्तर-पश्चिम सीमांत प्रांत बन गया।
- द्वितीय आंग्ल-बर्मा युद्ध या दूसरा बर्मा युद्ध (1851 से 1852) 19 वीं शताब्दी के दौरान बर्मी और ब्रिटिश सेना के बीच लड़े गए तीन युद्धों में से दूसरा था, जिसमें बर्मा की संप्रभुता और स्वतंत्रता के क्रमिक विलुप्त होने के परिणाम थे।
- इसलिए सही कालानुक्रमिक क्रम प्रथम आंग्ल-नेपाली युद्ध (1814-1816) <प्रथम आंग्ल-अफगान युद्ध (1839 से 1842) <द्वितीय जंगल-सिख युद्ध (1848 और 1849) <द्वितीय आंग्ल-बर्मी युद्ध (1851 से 1852) है।

Q.16) घेरे की नीति (*Policy of Ring Fence*) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसे रॉबर्ट क्लाइव द्वारा अपनाया गया, जिसने उसे कई भारतीय शासकों पर विजय दिलाई।
2. इस नीति के तहत ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत में फ्रांसीसी बस्तियों के पड़ोसी शासकों के साथ गठजोड़ किया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.16) Solution (d)

कथन 1	कथन 2
असत्य	असत्य
वारेन हेस्टिंग्स ने घेरे की एक नीति का पालन किया जिसका उद्देश्य कंपनी के सीमाओं की रक्षा के लिए बफर जोन बनाना था। मोटे तौर पर, अपने स्वयं के प्रदेशों की सुरक्षा के लिए यह उनके पड़ोसियों की सीमाओं की रक्षा की नीति थी।	यह उनके अपने क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए उनके पड़ोसियों की सीमाओं की रक्षा की नीति थी। वारेन हेस्टिंग्स की यह नीति मराठों और मैसूर के खिलाफ उनके युद्ध में परिलक्षित हुई थी। घेरे की प्रणाली के तहत लाए गए राज्यों को, लेकिन अपने स्वयं के खर्च पर बाहरी आक्रमण के खिलाफ सैन्य सहायता का आश्वासन दिया गया था। दूसरे शब्दों में, इन

	सहयोगियों को सहायक बलों को बनाए रखने की आवश्यकता थी, जिन्हें कंपनी के अधिकारियों द्वारा संगठित, सुसज्जित और कमान किया जाना था, जो बदले में, इन राज्यों के शासकों द्वारा भुगतान किया जाना था।

Q.17) भारत में ब्रिटिश द्वारा किए गए न्यायिक सुधारों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. वॉरेन हेस्टिंग्स ने सिविल जज और कलेक्टर के पदों को पृथक किया।
2. लॉर्ड कॉर्नवॉलिस द्वारा सर्किट कोर्ट की स्थापना की गई थी।
3. विलियम बेंटिक ने न्यायालयों में देशीय भाषा (vernacular language) को बढ़ावा दिया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.17) Solution (c)

- **वारेन हेस्टिंग्स के अंतर्गत सुधार (1772-1785 ई।)**
  - वारेन हस्टिंग ने विवादों को सुलझाने के लिए दो अदालतें स्थापित किया- सिविल विवादों के लिए जिला दीवानी अदालत तथा आपराधिक विवाद के लिए जिला फौजदारी अदालतों।
  - जिला दीवानी अदालत: यह उन सिविल विवादों को हल करने के लिए जिलों में स्थापित किया गया था जिन्हें कलेक्टर के अधीन रखा गया था। इस अदालत में हिंदू कानून हिंदू के लिए और मुस्लिम कानून मुस्लिम के लिए लागू था। यदि लोग और अधिक न्याय चाहते हैं, तो वे सदर दीवानी अदालत में जा सकते हैं, जो सर्वोच्च परिषद के एक अध्यक्ष और दो सदस्यों के अधीन कार्य करती थी।
  - जिला फौजदारी अदालतें: यह उन आपराधिक मुद्दों को हल करने के लिए स्थापित किया गया था जिन्हें काज़ी और मुफ़्ती द्वारा सहायता प्राप्त एक भारतीय अधिकारियों के अधीन रखा गया था। इस अदालत का संपूर्ण कामकाज कलेक्टर द्वारा प्रशासित किया गया था। इस अदालत में मुस्लिम कानून लागू था। लेकिन मृत्युदंड की मंजूरी और सजा के लिए सदर निजामत अदालत थी जिसकी अध्यक्षता एक उप निज़ाम करता था, जिसे प्रमुख काज़ी और प्रमुख मुफ़्ती द्वारा सहायता दी जाती थी।

- **कॉर्नवॉलिस के तहत सुधार (1786-1793 ई।)**
  - कॉर्नवॉलिस के तहत, जिला फौजदारी कोर्ट को समाप्त कर दिया गया था तथा कलकत्ता, ढाका, मुर्शिदाबाद और पटना में सर्किट कोर्ट स्थापित किया गया था। यह नागरिक के साथ-साथ आपराधिक मामलों के लिए अपील की अदालत के रूप में कार्य करता है, जो यूरोपीय न्यायाधीशों के अधीन कार्य करती थी। उन्होंने सदर निज़ामत अदालत को कलकत्ता में स्थानांतरित कर दिया तथा इसे गवर्नर-जनरल और सुप्रीम काउंसिल के सदस्यों की देखरेख में रख दिया, जिन्हें मुख्य काज़ी और मुख्य मुफ़्ती द्वारा सहायता प्रदान की जाती थी। जिला दीवानी अदालत का नाम बदलकर जिला, शहर या जिला न्यायालय कर दिया गया था, जो जिला न्यायाधीश के अधीन कार्य करती थी।

- उन्होंने हिंदू और मुस्लिम दोनों के लिए मुंसिफ कोर्ट, रजिस्ट्रार कोर्ट, डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, सदर दीवानी अदालत और किंग-इन-काउंसिल जैसी नागरिक अदालतों की स्थापना की। उन्हें कानून की संप्रभुता की स्थापना के लिए जाना जाता है।

- **विलियम बेंटिक (1828 से 1835) के तहत सुधार**
  - विलियम बेंटिक के तहत, चार सर्किट न्यायालयों को समाप्त कर दिया गया तथा राजस्व और सर्किट आयुक्त की देखरेख में समाप्त न्यायालय के कार्यों को कलेक्टरों को स्थानांतरित कर दिया गया।
  - इलाहाबाद में सदर दीवानी अदालत और सदर निजामत अदालत की स्थापना की गई।
  - उन्होंने निचली अदालत में कार्यवाही के लिए फारसी और वर्नाक्यूलर (देशीय) भाषा अपनायी तथा सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही के लिए अंग्रेजी भाषा को आधिकारिक भाषा बनाया।
  - उनके शासनकाल के दौरान, मैकाले के अंतर्गत विधि आयोग की स्थापना की गई, जिसने भारतीय कानूनों को संहिताबद्ध किया। इस आयोग के आधार पर, 1859 की एक नागरिक प्रक्रिया संहिता, 1860 की एक भारतीय दंड संहिता तथा 1861 की एक आपराधिक प्रक्रिया संहिता तैयार की गयी थी।

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	सत्य
प्रत्येक जिले में दीवानी अदालत, या सिविल कोर्ट स्थापित किया गया था, जिसकी अध्यक्षता जिला न्यायाधीश करते थे, जो सिविल सेवा से संबंधित थे। इस प्रकार कॉर्नवॉलिस ने सिविल जज और कलेक्टर के पदों को अलग कर दिया।	कॉर्नवॉलिस ने एक उच्च अदालत के साथ सर्किट कोर्ट की एक प्रणाली शुरू की, जो कलकत्ता में स्थापित थी और उसे सर्किट कोर्ट के निर्णयों की समीक्षा की शक्ति थी। न्यायाधीशों को कंपनी के यूरोपीय कर्मचारियों से लिया गया था।	बेंटिक ने फ़ारसी के स्थान पर देशीय भाषा के उपयोग करने का आदेश दिया। वादी के पास फ़ारसी या एक देशीय भाषा का उपयोग करने का विकल्प था, जबकि सुप्रीम कोर्ट में अंग्रेजी भाषा ने फ़ारसी का स्थान ले लिया था।

Q.18) निम्नलिखित में से कौन सा अधिनियम, ईस्ट इंडिया कंपनी पर संसदीय नियंत्रण की शुरुआत का प्रतीक है?

a) 1813 का चार्टर एक्ट
b) 1833 का चार्टर एक्ट
c) पिट्स इंडिया एक्ट, 1784
d) रेगुलेटिंग एक्ट, 1773

Q.18) Solution (d)

- 1773 का विनियमन अधिनियम भारत के विधायी इतिहास में एक विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह कंपनी की सरकार पर संसदीय नियंत्रण की शुरुआत का प्रतीक है।
- यह अधिनियम भारत में क्षेत्रीय एकीकरण और प्रशासनिक केंद्रीकरण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए भी कहा जाता है।

- इसने बंगाल प्रेसीडेंसी का वर्चस्व कायम किया तथा बंगाल के गवर्नर को गवर्नर-जनरल के रूप में नियुक्त किया गया। गवर्नर-जनरल की सहायता के लिए चार सदस्यों वाली एक परिषद का गठन किया गया था।

Q.19) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. कृषि में निवेश को हतोत्साहित करने के लिए ब्रिटिश द्वारा स्थायी बंदोबस्त (Permanent Settlement) प्रणाली की शुरुआत की गई थी
2. अंग्रेजों को उम्मीद थी कि स्थायी बंदोबस्त प्रणाली किसानों के एक वर्ग को उभारने में मदद करेगी जो कंपनी कल्याण के प्रति वफादार होंगे।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.19) Solution (b)

- तब, लॉर्ड कार्नवालिस ने तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री, विलियम पिट के निर्देशों के तहत, 1786 में स्थायी बंदोबस्त प्रणाली का प्रस्ताव रखा। 1793 में स्थायी बंदोबस्त अधिनियम 1793 द्वारा लागू हुआ।
- जमींदारों को भूमि के मालिकों के रूप में मान्यता दी गई थी। उन्हें उनके अधीन भूमि के उत्तराधिकार के वंशानुगत अधिकार दिए गए थे।
- जमींदार अपनी इच्छानुसार जमीन बेच या हस्तांतरित कर सकते थे।
- जमींदारों का मालिकाना हक तब तक बना रहेगा, जब तक वे सरकार को उक्त तिथि को निर्धारित राजस्व का भुगतान करता है। अगर वे भुगतान करने में विफल रहे, तो उनके अधिकार समाप्त हो जाएंगे और भूमि को नीलाम कर दिया जाएगा।
- जमीदारों द्वारा भुगतान की जाने वाली राशि तय की गई थी। यह सहमति थी कि भविष्य में यह राशि (स्थायी) नहीं बढ़ेगी।
- सरकार के लिए निर्धारित राशि 10/11 वाँ हिस्सा तथा 1/10 वां हिस्सा ज़मींदार के लिए था। यह राजस्व दर इंग्लैंड में प्रचलित दरों से अधिक थी।
- जमींदार को भी किरायेदार को एक पट्टा देना पड़ता था, जो उसे दी गई जमीन के क्षेत्र का वर्णन करता था तथा उसे ज़मीदार को किराया देना पड़ता था।

कथन 1	कथन 2
असत्य	सत्य
स्थायी बंदोबस्त शुरू करने में, ब्रिटिश अधिकारियों ने बंगाल की विजय के बाद से उन समस्याओं को हल करने की उम्मीद की, जो वे सामना कर रहे थे। 1770 के दशक तक, बंगाल में ग्रामीण अर्थव्यवस्था, आवर्ती अकाल और कृषि उत्पादन में गिरावट के साथ	अधिकारियों को उम्मीद थी कि इससे किसानों और अमीर ज़मींदारों के एक वर्ग का उदय होगा, जिनके पास कृषि को बेहतर बनाने के लिए पूंजी और उद्यम होगा। अंग्रेजों द्वारा पोषित, यह वर्ग कंपनी के प्रति भी वफादार होगा।

संकट में थी। अधिकारियों को लगा कि कृषि में निवेश को प्रोत्साहित करके कृषि, व्यापार और राज्य के राजस्व संसाधनों को विकसित किया जा सकता है। यह संपत्ति के अधिकारों को सुरक्षित करने तथा राजस्व मांग की दरों को स्थायी रूप से तय करके किया जा सकता है।	

Q.20) भारत में लॉर्ड डलहौजी का निम्नलिखित में से किसमें योगदान था?

1. रेलवे
2. आधुनिक डाक प्रणाली
3. भारतीय सांख्यिकीय सर्वेक्षण
4. टेलीग्राफ

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1, 3 और 4
b) केवल 2, 3 और 4
c) केवल 1, 2 और 4
d) 1, 2, 3 और 4

Q.20) Solution (c)

- लॉर्ड डलहौज़ी के आगमन ने ब्रिटिश भारत के इतिहास में एक नए अध्याय का उद्घाटन किया। उन्होंने 1848-1856 तक भारत के गवर्नर-जनरल के रूप में कार्य किया।
- उन्होंने कई सुधारों की शुरुआत की, जिन्होंने भारत के आधुनिकीकरण का मार्ग प्रशस्त किया तथा "आधुनिक भारत का निर्माता" शीर्षक भी अर्जित किया।
- **टेलीग्राफ:** कलकत्ता को पेशावर, बॉम्बे और मद्रास से जोड़ने के लिए 1852 में O'Shaughnessy के अधीक्षण के तहत 4000 मील की लाइनें बिछाई गईं।
- **रेलवे:**
  - उन्होंने "गारंटी प्रणाली" आरंभ की, जिसके द्वारा रेलवे कंपनियों को उनके निवेश पर न्यूनतम पांच प्रतिशत ब्याज की गारंटी दी गई थी
  - सरकार ने रेलवे पर मुख्य रूप से रक्षा, वाणिज्यिक और प्रशासनिक कारणों से अपना अधिकार बरकरार रखा
  - पहली रेलवे लाइन - बॉम्बे से ठाणे 1853 में, दूसरी - कलकत्ता से रानीगंज के कोयला क्षेत्र तक 1854 में, तीसरी - मद्रास से अरकोणम तक 1856 में।
- **आधुनिक डाक प्रणाली:** 1854 में डाक टिकटों की शुरूआत के साथ आधुनिक डाक प्रणाली की नींव रखी गई। 1837 में पोस्टल सिस्टम शुरू हुआ था।
- अन्य योगदानों में शामिल हैं, गंगा नहर खुली घोषित (1854) करना; प्रत्येक प्रांत में अलग-अलग लोक निर्माण विभाग की स्थापना; विधवा पुनर्विवाह अधिनियम (1856) पारित करना; 1854 के "शिक्षा संबंधी वुड्स डिस्पैच" तथा एंग्लो-वर्नाक्युलर स्कूलों और सरकारी कॉलेजों को खोलना।
- 1871 में, भारत की पहली जनगणना **लॉर्ड मेयो** कार्यकाल में की गई थी। उन्होंने **भारतीय सांख्यिकी सर्वेक्षण** का आयोजन किया। उन्होंने राजकीय रेलवे प्रणाली की शुरुआत की। 1870 के मेयो संकल्प ने वित्त के विकेंद्रीकरण की प्रक्रिया आरंभ की।

Q.21) भारत में शैक्षणिक संस्थानों के संदर्भ में निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

1. कलकत्ता मदरसा - लॉर्ड वेलेजली
2. संस्कृत कॉलेज - जोनाथन डंकन
3. फोर्ट विलियम कॉलेज - वॉरेन हेस्टिंग्स

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 3
d) केवल 1 और 3

Q.21) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	**सत्य**	**असत्य**
कलकत्ता मदरसा की स्थापना वारेन हेस्टिंग्स ने 1781 में मुस्लिम कानून और संबंधित विषयों के अध्ययन के लिए की थी।	संस्कृत कॉलेज की स्थापना 1791 में बनारस रेजिडेंट जोनाथन डंकन द्वारा हिंदू कानून और दर्शन के अध्ययन के लिए की गई थी।	फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना 1800 में वेलेज़ली द्वारा कंपनी के सिविल सेवकों के प्रशिक्षण में भारतीयों की भाषाओं और रीति-रिवाजों (1802 में बंद) को जानने के लिए स्थापित किया गया था।

Q.22) नर्केल्बेरिया विद्रोह (Narkelberia Uprising) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. मीर निसार अली ने मुख्य रूप से बंगाल में हिंदू जमींदारों के विरुद्ध विद्रोह का नेतृत्व किया।
2. विद्रोह बाद में पागल पंथी आंदोलन में विलीन हो गया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.22) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	**असत्य**
सैयद मीर निसार अली, या टीटू मीर एक किसान नेता थे, जिन्होंने बंगाल में जमींदारों और ब्रिटिश औपनिवेशिक अधिकारियों के विरुद्ध नर्केल्बेरिया विद्रोह (1782-1831) का नेतृत्व किया था। उन्होंने नर्केल्बेरिया में बांस के किले का निर्माण किया तथा ब्रिटिश प्रशासन से स्वतंत्रता की घोषणा की। उन्होंने उन हिंदू जमींदारों के विरुद्ध भी लड़ाई लड़ी, जिन्होंने फरैज़ियों पर दाढ़ी-	टीटू मीर ने पश्चिम बंगाल में मुस्लिम रैयतों को प्रेरित किया। विद्रोह बाद में वहाबी आंदोलन में विलीन हो गया था।

कर लगाया था।	

Q.23) भारत में जाति उन्मूलन के लिए की गई पहलों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. गांधीजी ने अखिल भारतीय हरिजन सेवक संघ की स्थापना की।
2. डॉ. अंबेडकर ने ऑल इंडिया डिप्रेस्ड क्लासेस एसोसिएशन की स्थापना की थी।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.23) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
गांधीजी ने अस्पृश्यता को मूल से और सभी प्रकार से उन्मूलन के उद्देश्य को सदैव ध्यान में रखा था। उनके विचार मानवतावाद और तर्क के आधार पर आधारित थे। उन्होंने तर्क दिया कि शास्त्रों ने अस्पृश्यता को मंजूरी नहीं दी है तथा यदि दिया है, तो भी उन्हें नजरअंदाज किया जाना चाहिए क्योंकि सत्य को एक पुस्तक के कवर के भीतर सीमित नहीं किया जा सकता है। 1932 में उन्होंने अखिल भारतीय हरिजन सेवक संघ की स्थापना की।	बाबा साहब अम्बेडकर, जिन्होंने बचपन में जातिवादी भेदभाव के वीभत्स रूप का अनुभव किया था, ने जीवन भर उच्च जाति के अत्याचार के विरुद्ध लड़ाई लड़ी। उन्होंने ऑल इंडिया शेड्यूल्ड कास्ट्स फेडरेशन का आयोजन किया, जबकि दलित वर्गों के कई अन्य नेताओं ने ऑल इंडिया डिप्रेस्ड क्लास एसोसिएशन की स्थापना की। ऑल इंडिया डिप्रेस्ड क्लास एसोसिएशन का गठन 1926 में नागपुर में किया गया था जिसके एम. सी. राजा प्रथम निर्वाचित अध्यक्ष थे।

Q.24) सर सैयद अहमद खान के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें जिन्होंने अलीगढ़ आंदोलन आरंभ किया था:

1. वे ब्रिटिश सरकार की न्यायिक सेवा के सदस्य थे।
2. उन्होंने कुरान पर पश्चिमी शिक्षा को वरीयता दी।
3. उनके द्वारा मुसलमानों की राजनीतिक गतिविधियों का समर्थन किया गया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही नहीं है / हैं?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.24) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	असत्य

एक सम्मानित मुस्लिम परिवार में जन्म लिए सैयद अहमद खान (1817-1898) ब्रिटिश सरकार की न्यायिक सेवा के एक निष्ठावान सदस्य थे। 1876 में सेवानिवृत्ति के बाद, वह 1878 में इंपीरियल लेजिस्लेटिव कौंसिल के सदस्य बने।	वह पश्चिमी वैज्ञानिक शिक्षा का कुरान की शिक्षाओं के साथ सामंजस्य बनाना चाहते थे, जिनकी व्याख्या समकालीन तर्कवाद और विज्ञान के प्रकाश में की जानी थी, हालांकि उन्होंने कुरान को सर्वोच्च सत्ता भी माना था।	राजनीति में सक्रिय भागीदारी के संबंध में, उन्होंने महसूस किया कि यह मुस्लिम जनता के प्रति सरकार की शत्रुता को आमंत्रित करेगी। इसलिए, उन्होंने मुसलमानों द्वारा राजनीतिक गतिविधियों का विरोध किया।

Q.25) भारत में पोर्टफोलियो प्रणाली किसके द्वारा आरंभ किया गया था

a) जॉन लॉरेंस
b) लॉर्ड हार्डिंग प्रथम
c) लॉर्ड लिटन
d) लॉर्ड कैनिंग

Q.25) Solution (d)

- लॉर्ड कैनिंग, जो उस समय गवर्नर-जनरल (1856-57) और वायसराय (1858-62) थे, ने पोर्टफोलियो प्रणाली की शुरुआत की। इस प्रणाली में, प्रत्येक सदस्य को एक विशेष विभाग का एक पोर्टफोलियो सौंपा गया था।
- 1861 के भारतीय परिषद अधिनियम के तहत, वायसराय को परिषद में कार्य संचालन को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए नियम बनाने और आदेश देने का अधिकार दिया गया था, जिसने 1859 में लॉर्ड कैनिंग द्वारा प्रस्तुत 'पोर्टफोलियो प्रणाली' को मान्यता दी थी।
- पोर्टफोलियो प्रणाली के अनुसार वायसराय की परिषद के एक सदस्य को सरकार के एक या अधिक विभागों का प्रभारी बनाया गया था तथा वह अपने विभाग के मामलों पर परिषद की ओर से अंतिम आदेश जारी करने के लिए अधिकृत था।

Q.26) निम्नलिखित में से कौन सी विशेषताएँ, भारत में सुशासन के लिए अधिनियम, 1858 से संबंधित हैं?

1. भारत को एक राज्य सचिव के माध्यम से और राज्य सचिव की अध्यक्षता में कार्यकारी परिषद के द्वारा क्राउन के नाम से शासित किया जाना था।
2. इसने बोर्ड ऑफ कंट्रोल और कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स को समाप्त करके दोहरी सरकार की प्रणाली को समाप्त कर दिया।
3. भारत के गवर्नर-जनरल, पदेन (ex-officio) राज्य सचिव बने।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) केवल 1 और 3

Q.26) Solution (b)

- भारत सरकार अधिनियम,1858 के प्रावधान।
  - यह प्रावधान प्रदान करता है कि भारत को 'महामहिम और उनके नाम पर' उसके द्वारा शासित किया जाना था।

- इसने भारत के गवर्नर-जनरल के पदनाम को भारत के वायसराय में परिवर्तित कर दिया। वे (वायसराय) भारत में ब्रिटिश क्राउन के प्रत्यक्ष प्रतिनिधि थे। इस प्रकार लॉर्ड कैनिंग भारत के पहले वाइसराय बन गए। एक कार्यकारी परिषद द्वारा वायसराय की सहायता की जानी थी।
- इसने एक नया कार्यालय, भारत के राज्य सचिव, बनाया जो पूर्ण अधिकार के साथ निहित तथा जिसका भारतीय प्रशासन पर नियंत्रण था।
- इसने भारत के राज्य सचिव की सहायता के लिए भारत की 15 सदस्यीय परिषद की स्थापना की। परिषद एक सलाहकारी निकाय था। राज्य सचिव को परिषद का अध्यक्ष बनाया गया था।
- इसने एक कॉरपोरेट निकाय के रूप में स्टेट-इन-काउंसिल के सचिव का गठन किया, जो भारत में और इंग्लैंड में मुकदमा चलाने में सक्षम था।
- वह ब्रिटेन में ब्रिटिश सरकार और भारतीय प्रशासन के बीच संचार का माध्यम भी था। वह अपनी परिषद की सलाह के बिना भारत में गुप्त प्रेषण भेजने की शक्ति भी रखता था।

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	असत्य
भारत को 15 सदस्यीय भारतीय परिषद द्वारा सहायता प्राप्त राज्य सचिव के माध्यम से क्राउन के नाम से शासित किया जाना था। भारत में वायसराय की अध्यक्षता में कार्यकारी परिषद थी।	अधिनियम ने बोर्ड ऑफ़ कंट्रोल और कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स को समाप्त करके दोहरी सरकार की प्रणाली को समाप्त कर दिया।	राज्य सचिव ब्रिटिश कैबिनेट का सदस्य था तथा अंततः ब्रिटिश संसद के प्रति उत्तरदायी था।

Q.27) निम्नलिखित में से किस अधिनियम ने पहली बार गवर्नर-जनरल की परिषद के विधायी और कार्यकारी कार्यों को अलग किया?

a) चार्टर एक्ट, 1813
b) चार्टर एक्ट, 1833
c) चार्टर एक्ट, 1853
d) भारतीय परिषद अधिनियम, 1861

Q.27) Solution (c)

1853 के चार्टर अधिनियम की विशेषताएं:

- इस **अधिनियम ने पहली बार गवर्नर-जनरल की परिषद के विधायी और कार्यकारी कार्यों को अलग किया।** इसने विधान परिषद के छह नए सदस्यों को परिषद में शामिल करने का प्रावधान किया।
- दूसरे शब्दों में, इसने एक गवर्नर-जनरल की अलग विधान परिषद की स्थापना की, जिसे भारतीय (केंद्रीय) विधान परिषद के रूप में जाना जाता है। परिषद के इस विधायी विंग ने ब्रिटिश संसद के समान प्रक्रियाओं को अपनाते हुए एक लघु-संसद के रूप में कार्य किया। इस प्रकार, कानून बनाना, पहली बार सरकार के एक विशेष कार्य के रूप में माना गया था, जिसको विशेष मशीनरी और विशेष प्रक्रिया की आवश्यकता थी।
- इसने सिविल सेवकों के चयन और भर्ती की एक खुली प्रतियोगिता प्रणाली शुरू की। इस प्रकार नागरिक सेवा को भारतीयों के लिए भी खोल दिया गया। तदनुसार, मैकाले समिति (भारतीय सिविल सेवा समिति) 1854 में नियुक्त की गई थी।
- इसने कंपनी के नियम को विस्तृत किया तथा इसे ब्रिटिश क्राउन के विश्वास पर भारतीय क्षेत्रों पर अधिकार को बनाए रखने की अनुमति दी।
- इसने पहली बार भारतीय (केंद्रीय) विधान परिषद में स्थानीय प्रतिनिधित्व दिया।

Q.28) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

	आंदोलन	नेतृत्वकर्ता
1.	वायकोम सत्याग्रह	के.पी. केशव
2.	अरुविप्पुरम आंदोलन	श्री नारायण गुरु
3.	जस्टिस आंदोलन	ई. वी. रामास्वामी नायकर

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.28) Solution (a)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
सत्य	**सत्य**	**असत्य**
1924 में, वायकोम सत्याग्रह का नेतृत्व के.पी. केशव द्वारा केरल में आरंभ किया गया था, जो अछूतों के लिए हिंदू मंदिरों और सड़कों को खोलने की मांग कर रहा था। के. केलप्पन ने प्रसिद्ध वायकोम सत्याग्रह में भी प्रमुख भूमिका निभाई थी तथा 1932 में गुरुवायुर सत्याग्रह के नेता थे।	1888 के शिवरात्रि के दिन श्री नारायण गुरु द्वारा अराविपुरम आंदोलन आरंभ किया गया था। उस दिन, श्री नारायण गुरु ने एझवा समुदाय पर पारंपरिक रूप से लगाए गए धार्मिक प्रतिबंधों की अवहेलना की, तथा अराविपुरम में शिव की एक मूर्ति प्रतिष्ठित की। इसने प्रसिद्ध कवि कुमारन आसन को नारायण गुरु के शिष्य के रूप में आकर्षित किया।	मद्रास प्रेसीडेंसी में जस्टिस आंदोलन की शुरुआत सी.एन. मुदलियार, टी.एम. नायर और पी. त्यागराज, विधायिका में गैर-ब्राह्मणों के लिए नौकरियों और प्रतिनिधित्व को सुरक्षित करने के लिए किया था।

Q.29) थियोसोफिकल सोसायटी के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

1. उन्होंने आत्मा के स्थानांतरगमन (transmigration of the soul) के सिद्धांत को मान्यता दी।
2. इसकी स्थापना मैडम ब्लावात्स्की और कर्नल एच.एस. ओलकोट ने 1875 में न्यूयॉर्क में की थी।
3. इसने पुणे के पास अडयार में सोसायटी का मुख्यालय स्थापित किया।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.29) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य
थियोसोफिस्टों ने हिंदू धर्म, पारसी धर्म और बौद्ध धर्म के प्राचीन धर्मों के पुनरुद्धार और सुदृढ़ता की वकालत की। उन्होंने आत्मा के स्थानांतरगमन (transmigration) के सिद्धांत को मान्यता दी तथा उन्होंने मनुष्य के सार्वभौमिक भाईचारे का भी प्रचार किया।	थियोसोफिकल सोसाइटी की स्थापना 1875 में मैडम ब्लावात्स्की और कर्नल ओलकोट ने न्यूयॉर्क में की थी। 1888 में श्रीमती एनी बेसेंट इंग्लैंड में सोसाइटी में शामिल हुईं। उनकी सदस्यता समाज के लिए सबसे बड़ी संपत्ति साबित हुई।	जनवरी 1879 में संस्थापक भारत पहुंचे तथा मद्रास के पास अडयार में सोसायटी का मुख्यालय स्थापित किया।

Q.30) ईश्वर चंद्र विद्यासागर के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

1. एक प्रधानाध्यापक के रूप में, उन्होंने पश्चिमी विचार के साथ-साथ गैर-ब्राह्मण छात्रों के लिए संस्कृत कॉलेज के द्वार खोले।
2. उन्होंने 19 वीं शताब्दी के मध्य में विधवा पुनर्विवाह संघ की स्थापना की।
3. उन्होंने महिलाओं के लिए उच्च शिक्षा को भी बढ़ावा दिया तथा बहुविवाह के विरुद्ध अभियान चलाया।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.30) Solution (c)

ईश्वर चंद्र विद्यासागर (1820 - 91)

- उनका जन्म ईश्वर चंद्र बंद्योपाध्याय के रूप में हुआ था।
- वह एक भारतीय बंगाली विद्वान तथा बंगाल पुनर्जागरण के प्रमुख व्यक्तित्वों में से एक थे।
- वे एक दार्शनिक, अकादमिक शिक्षक, लेखक, अनुवादक, मुद्रक, प्रकाशक, उद्यमी, सुधारक और परोपकारी थे।
- वर्ष 1839 में, विद्यासागर ने सफलतापूर्वक अपनी कानून परीक्षा उत्तीर्ण की।
- 1841 में, इक्कीस वर्ष की आयु में, ईश्वर चंद्र संस्कृत विभाग के प्रमुख के रूप में फोर्ट विलियम कॉलेज में शामिल हुए।
- उन्होंने विधवा पुनर्विवाह की प्रथा को प्रोत्साहित किया तथा 1856 के विधवा पुनर्विवाह अधिनियम XV के लिए दबाव बनाया।
- उन्होंने बंगाली वर्णमाला का पुनर्निर्माण किया तथा बारह स्वरों और चालीस व्यंजनों की वर्णमाला में बंगाली टाइपोग्राफी में सुधार किया।
- उन्हें संस्कृत अध्ययन और दर्शन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण 'विद्यासागर' अर्थात संस्कृत महाविद्यालय, कलकत्ता (जहाँ से उन्होंने स्नातक किया था) का ज्ञान प्राप्त किया।
- उन्होंने बाहुबिबाहा (**Bahubibaha**) और बिधाबा बिदहा (**Bidhaba Bidaha**) जैसी कई किताबें लिखीं। उन्होंने बंगाली अखबार सोम प्रकाश भी आरंभ किया।

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	सत्य
ईश्वर चंद्र विद्यासागर यद्यपि एक संस्कृत विद्वान थे, फिर भी उनमें पूर्वी और पश्चिमी विचारों का एक अच्छा मिश्रण था। संस्कृत कॉलेज के प्रधानाचार्य के रूप में, उन्होंने पश्चिमी विचार के साथ-साथ गैर-ब्राह्मण छात्रों के लिए संस्कृत कॉलेज के द्वार खोले।	19 वीं शताब्दी में विधवा पुनर्विवाह संघ के संस्थापक विष्णु शास्त्री पंडित थे। संघ का मुख्य उद्देश्य विधवाओं को पुनर्विवाह करने के लिए प्रोत्साहित करना था। परिणामस्वरूप, वह विधवा विवाह आंदोलन में बहुत सक्रिय थे।	विद्यासागर ने भी महिलाओं के लिए उच्च शिक्षा को बढ़ावा दिया। बेथ्यून स्कूल के सचिव के रूप में, उन्होंने महिलाओं की शिक्षा के लिए आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्होंने बाल विवाह और बहुविवाह के विरुद्ध भी संघर्ष किया।

Q.31) 1857 के विद्रोह की विफलता के निम्न में से कौन से कारण हैं?

1. सिपाहियों के मध्य योजना और समन्वय का अभाव।
2. ब्रिटिश सेना संगठन में श्रेष्ठ थी।
3. समाज के सभी वर्गों ने विद्रोह में भाग नहीं लिया।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.31) Solution (d)

1857 के विद्रोह की विफलता के कारण:

- विद्रोहियों के बीच कोई योजना नहीं थी। विभिन्न समूहों ने इसे अलग-अलग दिशाओं में खींच लिया। प्रमुख विद्रोही नेता - नाना साहेब, तात्यां टोपे, कुंवर सिंह, रानी लक्ष्मीबाई का अपने ब्रिटिश विरोधियों से नेतृत्व में कोई मुकाबला नहीं था।
- 1857 के विद्रोह में कमजोर नेतृत्व था।
- भारतीय विद्रोहियों के पास सीमित सैन्य आपूर्ति थी, उनके पास ब्रिटिश सेना जैसे परिष्कृत हथियारों और गोला-बारूद का अभाव था।
- अधिकांश रियासतों और बड़े जमींदारों ने 1857 के विद्रोह का समर्थन नहीं किया तथा सक्रिय रूप से अंग्रेजों का पक्ष लिया। उनके क्षेत्र किसी भी उपनिवेशवाद विरोधी विद्रोह से मुक्त रहे। शिक्षित मध्यम और उच्च वर्ग ज्यादातर विद्रोहियों के आलोचक थे।
- 1857 का विद्रोह मध्य भारत और उत्तर-पश्चिमी भारत के कुछ हिस्सों में केंद्रित रहा। यह दक्षिण भारत और अधिकांश पूर्वी और पश्चिमी भारत में नहीं फैला। मद्रास, बॉम्बे, बंगाल और पश्चिमी पंजाब विद्रोह प्रभाव से मुक्त रहे।

Q.32) कृषक आंदोलनों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. दिगंबर और बिष्णु विश्वास पाबना कृषि लीग से संबद्ध थे।
2. दक्कन के दंगों के परिणामस्वरूप सामाजिक बहिष्कार आंदोलन हुआ।
3. तेभागा आंदोलन फ्लाऊड आयोग की सिफारिशों के विरुद्ध था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही नहीं है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.32) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	असत्य
नील विद्रोह-किसानों का गुस्सा 1859 में फूटा, जब नादिया जिले के दिगंबर विश्वास और बिष्णु बिस्वास के नेतृत्व में, उन्होंने प्रतिरोध के कारण नील नहीं उगाने का फैसला किया तथा प्लांटर्स तथा पुलिस और न्यायालय द्वारा समर्थित उनके लठैतों के शारीरिक दबाव का विरोध किया।	पश्चिमी भारत के दक्कन क्षेत्र के रैयतों को रैयतवाड़ी प्रणाली के तहत भारी कराधान का सामना करना पड़ा। 1874 में, साहूकारों और किसानों के बीच बढ़ते तनाव के परिणामस्वरूप रैयतों द्वारा "बाहरी" साहूकारों के विरुद्ध सामाजिक बहिष्कार आंदोलन किया गया।	तेभागा आंदोलन-सितंबर 1946 में, बंगाल प्रांतीय किसान सभा ने बड़े पैमाने पर संघर्ष के माध्यम से, तेभागा संबंधी फ्लॉऊड आयोग की सिफारिशों को लागू करने का आह्वान किया - आधे हिस्से के बदले दो-तिहाई हिस्सा -बारगादारों को, जिन्हें बंटाईदार या अधियार के रूप में भी जाना जाता है।

Q.33) राजा राममोहन राय के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

a) उन्हें अकबर द्वितीय द्वारा 'राजा' की उपाधि से सम्मानित किया गया था।
b) उन्हें पूर्व की पारंपरिक दार्शनिक प्रणाली के लिए बहुत प्यार और सम्मान था।
c) वे देश में आधुनिक पूंजीवाद और उद्योग की शुरूआत भी चाहते थे।
d) उन्होंने कलकत्ता में हिंदू कॉलेज की स्थापना की।

Q.33) Solution (d)

- राजा राम मोहन रॉय (1772 - 1833) को 'आधुनिक भारत का पिता' या 'बंगाल पुनर्जागरण के जनक' के रूप में जाना जाता है।
- वह सती, बहुविवाह, बाल विवाह, मूर्तिपूजा, जाति व्यवस्था के विरोधी थे तथा विधवा पुनर्विवाह का प्रचार करते थे एवं तर्कवाद और आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर जोर देते थे।
- उन्होंने अंग्रेजी में पश्चिमी वैज्ञानिक शिक्षा में भारतीयों को शिक्षित करने के लिए कई स्कूल आरंभ किए।
- वह हिंदू धर्म के कथित बहुवाद के खिलाफ थे। उन्होंने धर्मशास्त्रों में दिए गए एकेश्वरवाद की वकालत की। उन्होंने ईसाई धर्म और इस्लाम का भी अध्ययन किया।
- उन्होंने वेदों और पाँच उपनिषदों का बंगाली में अनुवाद किया। उन्होंने एक बंगाली साप्ताहिक समाचार पत्र संबाद कौमुदी की शुरुआत की, जिसने नियमित रूप से सती को बर्बर और हिंदू धर्म के सिद्धांतों के खिलाफ बताया।
- 1828 में, उन्होंने ब्रह्म सभा की स्थापना की, जिसे बाद में ब्रह्म समाज का नाम दिया गया। उन्होंने आत्मीय सभा की भी स्थापना की थी। ब्रह्मो समाज का मुख्य उद्देश्य सनातन (eternal) भगवान की पूजा था। यह पुरोहिती, अनुष्ठान और बलिदान के खिलाफ था। यह प्रार्थना, ध्यान और शास्त्रों के पढ़ने पर केंद्रित था।
- उन्होंने मुगल राजा अकबर शाह द्वितीय (बहादुर शाह के पिता) के दूत के रूप में इंग्लैंड का दौरा किया जहां उनकी एक बीमारी से मृत्यु हो गई। उन्हें अकबर II द्वारा 'राजा' की उपाधि से सम्मानित किया गया था।
- उनके प्रयासों से 1829 में भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल लॉर्ड विलियम बेंटिक ने सती प्रथा को समाप्त कर दिया।

- उनके पास पूर्व की पारंपरिक दार्शनिक प्रणाली के लिए बहुत प्यार और सम्मान था; लेकिन, साथ ही, उनका मानना था कि आधुनिक संस्कृति अकेले भारतीय समाज को पुनर्जीवित करने में मदद करेगी। विशेष रूप से, वह चाहते थे कि उनके देशवासी तर्कसंगत और वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा सभी पुरुषों और महिलाओं की मानवीय गरिमा और सामाजिक समानता के सिद्धांत को स्वीकार करें।
- वह देश में आधुनिक पूंजीवाद और उद्योग की शुरूआत भी चाहते थे।
- राममोहन राय ने अपने देशवासियों को आधुनिक शिक्षा के लाभों का प्रसार करने के लिए बहुत कुछ किया। उन्होंने 1817 में हिंदू कॉलेज को खोजने के लिए डेविड हेयर के प्रयासों का समर्थन किया।

Q.34) निम्नलिखित में से किस संगठन का नाम बदलकर 'दक्षिण भारत का ब्रह्म समाज' रखा गया था?

a) मानव धर्म सभा
b) वेद समाज
c) दक्कन एजुकेशन सोसायटी
d) साधरण ब्रह्म समाज

Q.34) Solution (b)

- वेद समाज की स्थापना केशब चंद्र सेन और के. श्रीधरालु नायडू ने की थी, जब 1864 में मद्रास आए थे।
- के.श्रीधरालु नायडू ने बाद में ब्रह्म समाज आंदोलन का अध्ययन करने के लिए कलकत्ता का दौरा किया तथा जब वे वापस लौटे, तो उन्होंने 1871 में वेद समाज का नाम बदलकर 'दक्षिणी भारत का ब्रह्म समाज' रख दिया।

Q.35) 1857 से पहले निम्न में से कौन सा विद्रोह हुआ था?

1. कोल विद्रोह
2. रम्पा विद्रोह
3. संथाल विद्रोह

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.35) Solution (b)

- कोल विद्रोह, जिसे ब्रिटिश भारतीय अभिलेखों कोल विप्लव के रूप में भी जाना जाता है, क्योंकि यह 1829-1839 के दौरान छोटा नागपुर के स्वदेशी कोल लोगों का विद्रोह था, जो कि क्षेत्र में ब्रिटिश शक्तियों द्वारा आरंभ भूमि कार्यकाल तथा प्रशासन की प्रणालियों द्वारा किए गए अनुचित व्यवहार की प्रतिक्रिया थी।
- संथाल हूल (विद्रोह) वर्तमान झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के क्षेत्रों में अंग्रेजों और जमींदारी व्यवस्था के विरुद्ध 1855 से 1856 तक हुआ, जिसे अंग्रेजों ने कुचल दिया था। पहला विद्रोह 1854 में लछिमपुर में सासन के बीर सिंह के नेतृत्व में हुआ था। दूसरा विद्रोह जून 1855 में शुरू हुआ, जब दो भाइयों सिद्धू और कान्हू ने 10000 संथालों को एकत्रित किया और विद्रोह की घोषणा की।
- 1879 का रंपा विद्रोह (इसे 1922-24 के रंपा विद्रोह से अलग करने के लिए प्रथम रंपा विद्रोह के रूप में भी जाना जाता है) मद्रास प्रेसीडेंसी में ब्रिटिश सरकार के खिलाफ विजागापट्टम जिले के विजागापट्टम पहाड़ी क्षेत्र के रम्पा क्षेत्र में पहाड़ी जनजातियों द्वारा विद्रोह था।
- 1922 का रम्पा विद्रोह, जिसे मान्यम विद्रोह (Manyam Rebellion) के रूप में भी जाना जाता है, एक आदिवासी विद्रोह था, जिसका नेतृत्व ब्रिटिश भारत की मद्रास प्रेसिडेंसी की गोदावरी क्षेत्र में अल्लूरी

सीताराम राजू ने किया था। यह अगस्त 1922 में शुरू हुआ तथा मई 1924 में राजू को पकड़ने और मारने तक चला।

Q.36) विधवाओं के लिए भारत का प्रथम स्कूल किसके द्वारा स्थापित किया गया था

a) सावित्रीभाई फुले
b) रमाबाई रानाडे
c) पार्वतीबाई अठावले
d) महर्षि कर्वे

Q.36) Solution (d)

- धोंडो केशव कर्वे एक प्रसिद्ध भारतीय समाज सुधारक थे, जिन्होंने अपना जीवन महिलाओं के कल्याण के क्षेत्र में समर्पित कर दिया। इसके कारण, उन्होंने महान संत 'महर्षि' का सम्मान अर्जित किया तथा उन्हें महर्षि कर्वे के नाम से जाना जाने लगा।
- 1896 में, उन्होंने विधवाओं के लिए पहला स्कूल स्थापित किया। हिंदू विधवाओं का गृह संघ एक आश्रय और विधवाओं के लिए एक विद्यालय था। उनकी 20 वर्षीय विधवा भाभी पार्वतीबाई अठावले स्कूल की पहली छात्रा थीं।
- स्कूल पुणे शहर के बाहर हिंगेन के सुदूर गांव में स्थित था। दूरस्थ स्थान को इसलिए चुना गया क्योंकि पुणे में रूढ़िवादी ब्राह्मण समुदाय ने विधवा पुनर्विवाह और शिक्षा का समर्थन करने के लिए उन्हें बहिष्कृत कर दिया था। इसके अलावा, उन्होंने उस समय एक विधवा से शादी करने का साहस भी किया था।
- श्रीमती नाथीबाई दामोदर महिला विश्वविद्यालय, भारत में पहला महिला विश्वविद्यालय, 2 छात्रों के नामांकन के साथ 2 जुलाई, 1916 को शुरू हुआ। इसे डॉ. धोंडो केशव कर्वे द्वारा स्थापित किया गया था, जिसका उद्देश्य अधिक महिलाओं को शिक्षित करना था।

Q.37) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

	1857 के विद्रोह का स्थान	नेतृत्वकर्ता
1.	कानपूर	कुंवर सिंह
2.	लखनऊ	बेगम हज़रत महल
3.	बिहार	खान बहादुर खान
4.	बागपत	शाह मल

ऊपर दिए गए जोड़े में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 2 और 4
b) केवल 2 और 3
c) केवल 1 और 4
d) केवल 1, 2 और 3

Q.37) Solution (a)

- कानपुर में, मुख्य नेता नाना साहेब थे, जो अंतिम पेशवा, बाजी राव द्वितीय के दत्तक पुत्र थे। उन्हें परिवार की उपाधि से वंचित कर दिया गया तथा पूना से हटा दिया गया था, जो कानपुर के पास रह रहे थे।
- बेगम हजरत महल ने लखनऊ में नेतृत्व किया, जहां 4 जून, 1857 को विद्रोह हुआ और अपदस्थ नवाब के पक्ष में लोकप्रिय सहानुभूति थी।
- बिहार में विद्रोह का नेतृत्व जगदीशपुर के जमींदार कुंवर सिंह ने किया।
- परगना बड़ौत (बागपत, उत्तर प्रदेश) के एक स्थानीय ग्रामीण, शाह मल का नाम सबसे उल्लेखनीय है। उन्होंने 84 गाँवों के प्रधानों और किसानों को (चौरासी देस के रूप में संदर्भित) को एकत्रित किया, रात को गाँव से गाँव तक पैदल मार्च करते हुए लोगों से ब्रिटिश आधिपत्य के खिलाफ विद्रोह करने का आग्रह किया।

Q.38) महादेव गोविंद रानाडे निम्नलिखित में से किस संगठन की स्थापना में महत्वपूर्ण थे?

1. पूना सर्वजननिक सभा
2. भारतीय राष्ट्रीय सामाजिक सम्मेलन (Indian National Social Conference)
3. भारतीय राष्ट्रीय संघ (Indian National Association)

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1
b) केवल 1 और 2
c) केवल 2 और 3
d) 1,2 और 3

Q.38) Solution (b)

- एक प्रसिद्ध वकील और बॉम्बे प्रेसीडेंसी के विद्वान महादेव गोविंद रानाडे भी एक उत्सुक समाज सुधारक थे। उन्होंने 1870 में पूना में पूना सार्वजनिक सभा के गठन में एक प्रमुख भूमिका निभाई।
- भारतीय (राष्ट्रीय) सामाजिक सम्मेलन की स्थापना एम.जी. रानाडे और रघुनाथ राव ने की थी। यह वस्तुतः भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का सामाजिक सुधार प्रकोष्ठ था। इसका पहला सत्र दिसंबर 1887 में मद्रास में आयोजित किया गया था।
- यह सम्मेलन समान स्थान पर, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक सहायक सम्मेलन के रूप में प्रतिवर्ष मिलता था, तथा सामाजिक सुधार पर ध्यान केंद्रित करता था। सम्मेलन ने अंतर्जातीय विवाह की वकालत की तथा कुलीनवाद और बहुविवाह का विरोध किया। इसने बाल विवाह पर रोक लगाने के लिए लोगों को प्रेरित करने के लिए प्रसिद्ध "प्रतिज्ञा आंदोलन" (Pledge Movement) आरंभ किया।
- इंडियन नेशनल एसोसिएशन जिसे इंडियन एसोसिएशन के नाम से भी जाना जाता है, 1876 में सुरेन्द्रनाथ बनर्जी और आनंद मोहन बोस द्वारा ब्रिटिश भारत में स्थापित पहला राष्ट्रवादी संगठन था।

Q.39) ब्रिटिश शासन के दौरान निम्नलिखित शिक्षा आयोगों के गठन पर विचार करें:

1. हंटर शिक्षा आयोग
2. रैले आयोग
3. सैडलर विश्वविद्यालय आयोग

उपरोक्त में से किसने प्राथमिक या माध्यमिक शिक्षा के संबंध में सिफारिशें दीं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2 और 3
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.39) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	सत्य
1882 में, सरकार ने डब्ल्यू.डब्ल्यू. हंटर की अध्यक्षता में एक आयोग की नियुक्ति की जिसका कार्य 1854 से देश में शिक्षा की प्रगति की समीक्षा करना था। हंटर आयोग ने प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा के लिए अपनी सिफारिशें दीं।	1902 में, रैले आयोग की स्थापना भारत में विश्वविद्यालयों की स्थितियों और संभावनाओं को जानने तथा उनके संविधान और कार्य में सुधार के उपायों के सुझाव के लिए की गई थी। आयोग को प्राथमिक या माध्यमिक शिक्षा पर रिपोर्ट करने से रोका गया था।	कलकत्ता विश्वविद्यालय की समस्याओं पर अध्ययन और रिपोर्ट करने के लिए सैडलर विश्वविद्यालय आयोग (1917-19) की स्थापना की गई थी, लेकिन इसकी सिफारिशें कमोबेश अन्य विश्वविद्यालयों में भी लागू थीं। इसमें स्कूली शिक्षा से लेकर विश्वविद्यालय शिक्षा तक के पूरे क्षेत्र की समीक्षा की गई। यह विचार है कि विश्वविद्यालय शिक्षा में सुधार के लिए, माध्यमिक शिक्षा में सुधार एक आवश्यक पूर्व शर्त थी।

Q.40) सामाजिक-धार्मिक आंदोलनों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. वहाबी आंदोलन अपने दृष्टिकोण में सुधारवादी था।
2. फ़रैज़ी आंदोलन का उद्देश्य मुसलमानों के मध्य वर्तमान सामाजिक नवाचार को बढ़ावा देना था।
3. देवबंद स्कूल ने अलीगढ़ आंदोलन और उसके सिद्धांतों का विरोध किया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2 और 3
c) केवल 3
d) 1, 2 और 3

Q.40) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	असत्य	सत्य
वहाबी आंदोलन एक पुनरुत्थानवादी आंदोलन था जिसने उन सभी गैर-इस्लामी प्रथाओं को समाप्त करके इस्लाम को शुद्ध करने की कोशिश की थी, जो मुस्लिम समाज में युगों से चली आ रही थी। इसने 1830 से 1860 तक भारत में ब्रिटिश वर्चस्व के लिए सबसे गंभीर और सुनियोजित चुनौती प्रस्तुत की	फ़रैज़ी आंदोलन, जिसे फ़रीदी आंदोलन भी कहा जाता है, क्योंकि यह विश्वास के इस्लामिक स्तंभों पर जोर देने के कारण, 1818 में हाजी शरियातुल्ला द्वारा स्थापित किया गया था। इसकी कार्रवाई का क्षेत्र पूर्वी बंगाल था, तथा यह सामाजिक नवाचारों के उन्मूलन के उद्देश्य से था या मुसलमानों के बीच गैर इस्लामी प्रथाओं के उन्मूलन से था तथा ये मुसलमानों के रूप में अपने कर्तव्यों पर अपना ध्यान आकर्षित करते थे।	देवबंद स्कूल ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के गठन का स्वागत किया तथा 1888 में सैयद अहमद खान के संगठनों, यूनाइटेड पैट्रियटिक एसोसिएशन और मोहम्मद एंग्लो-ओरिएंटल एसोसिएशन के खिलाफ फतवा (धार्मिक फरमान) जारी किया।

Q.41) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

संगठन	नेता
1. मद्रास महाजन सभा	पी आनंद चार्लू
2. बॉम्बे प्रेसीडेंसी एसोसिएशन	के टी तेलंग
3. अखिल भारतीय राष्ट्रीय सम्मेलन	आनंद मोहन बोस

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.41) Solution (d)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
सत्य	**सत्य**	**सत्य**
1884 में मद्रास महाजन सभा का गठन मद्रास के युवा राष्ट्रवादियों के एक समूह द्वारा किया गया था जैसे कि एम वीराराघवाचार्य, जी सुब्रमण्य अय्यर और पी आनंद चार्लू।	1885 में बॉम्बे प्रेसीडेंसी एसोसिएशन का गठन लोकप्रिय - फिरोजशाह मेहता, के टी तेलंग और बदरुद्दीन तैयबजी द्वारा किया गया था।	भारतीय राष्ट्रीय संघ जिसे इंडियन एसोसिएशन के नाम से भी जाना जाता है, 1876 में सुरेन्द्रनाथ बनर्जी और आनंद मोहन बोस द्वारा ब्रिटिश भारत में स्थापित पहला राष्ट्रवादी संगठन था।

Q.42) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली बैठक बॉम्बे के गोकुलदास तेजपाल संस्कृत कॉलेज में डब्ल्यू सी बनर्जी द्वारा आयोजित की गई थी।
2. भारतीयों को शामिल करने के लिए भारत के राज्य सचिव की भारतीय परिषद के विस्तार की मांग करते हुए कांग्रेस की पहली बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.42) Solution (d)

कथन 1	कथन 2

असत्य	असत्य
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली बैठक ए ओ ह्यूम द्वारा आयोजित की गई थी। यह 1885 में बॉम्बे के गोकुलदास तेजपाल संस्कृत कॉलेज में आयोजित किया गया था। इसकी अध्यक्षता डब्ल्यू सी बनर्जी ने की थी। 72 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था तथा उनमें से अधिकांश वकील पृष्ठभूमि के थे, और इस सत्र में कोई महिला नहीं थी।	कुल 9 प्रस्ताव पारित किए गए। उनमें से एक में भारत के राज्य सचिव की भारतीय परिषद को समाप्त करने की मांग की गयी थी। पारित किए गए अन्य महत्वपूर्ण संकल्प थे - भारतीय प्रशासन के कामकाज की जाँच करने के लिए एक आयोग की नियुक्ति; उत्तर पश्चिम सीमा प्रांत (NWFP), सिंध और अवध के लिए विधान परिषदों का निर्माण; सैन्य व्यय को कम करना और सिविल सेवा सुधार।

Q.43) निम्न में से कौन सी नरमपंथियों (moderates) के अंतर्गत कांग्रेस की मांग नहीं थी?

a) कृषि और आधुनिक उद्योगों के तीव्र विकास के द्वारा गरीबी उन्मूलन
b) अंग्रेजों से पूर्ण स्वतंत्रता
c) आम जनता के बीच प्राथमिक शिक्षा का प्रसार
d) नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए प्रेस स्वतंत्रता एवं वाक् स्वतंत्रता

Q.43) Solution (b)

नरमपंथियों की राजनीतिक माँगें

- अधिक शक्तियों के साथ विधान परिषदों का विस्तार तथा उनमें भारतीयों का अधिक प्रतिनिधित्व
- नौकरशाही और पुलिस के मनमाने कामों से लोगों को बचाने के लिए न्यायपालिका को कार्यपालिका से पृथक करना
- प्रांतीय परिषदों का गठन और भारतीय परिषद का उन्मूलन
- अधिक भारतीयों को प्रशासन में भाग लेने का अवसर देने के लिए इंग्लैंड के साथ भारत में ICS परीक्षा आयोजित करना
- भारत के पड़ोसियों के विरुद्ध आक्रामक विदेश नीति का अंत

नरमपंथियों की आर्थिक मांग

- आर्थिक निकासी (economic drain) का अंत
- **कृषि और आधुनिक उद्योगों के तीव्र विकास के द्वारा गरीबी उन्मूलन**
- भू-राजस्व में कमी और नमक कर को समाप्त करना
- साहूकारों के अत्याचारों को समाप्त करने के लिए कृषि बैंकों का विकास
- देश के अन्य भागों में स्थायी बंदोबस्त का परिचय

नरमपंथियों की सैन्य मांगे

- शस्त्र अधिनियम का निरसन
- सैन्य व्यय में कमी
- सेना में कमीशन रैंक पर भारतीयों की नियुक्ति

नरमपंथियों की सामाजिक माँग

- कल्याणकारी गतिविधियों पर अधिक व्यय - शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता
- नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए प्रेस स्वतंत्रता एवं वाक् स्वतंत्रता
- जनसाधारण की शिक्षा और जनमत को संगठित करना, लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना।
- संघ बनाने की स्वतंत्रता
- दक्षिण अफ्रीका और साम्राज्य में अन्य जगहों पर भारतीय श्रमिकों के लिए बुनियादी मानव अधिकार
- बागान मजदूरों की दशा में सुधार

Q.44) यूनाइटेड पैट्रियटिक एसोसिएशन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. बनारस के राजा शिव प्रसाद सिंह यूनाइटेड पैट्रियटिक एसोसिएशन के सह-संस्थापकों में से एक थे।
2. यह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रचार-प्रसार का विरोध करने के लिए आयोजित किया गया था।
3. इसका उद्देश्य मुस्लिम समुदाय और हिंदू राष्ट्रवादियों के बीच घनिष्ठ संबंध विकसित करना था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.44) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य
यूनाइटेड पैट्रियटिक एसोसिएशन एक राजनीतिक संगठन था जिसकी स्थापना 1888 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के संस्थापक सर सैयद अहमद खान और बनारस के राजा शिव प्रसाद सिंह ने की थी।	यूनाइटेड पैट्रियटिक एसोसिएशन का आयोजन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रचार-प्रसार का विरोध करने के लिए किया गया था।	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विरोध में, समूह का उद्देश्य मुस्लिम समुदाय और ब्रिटिश राज के बीच घनिष्ठ संबंध विकसित करना था।

Q.45) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. कांग्रेस के सभी वर्ग, 'नरमपंथी' और 'चरमपंथी' बंगाल के विभाजन के विरुद्ध एकजुट थे।
2. बंगाल के विभाजन की घोषणा के बाद, 'चरमपंथियों' ने कांग्रेस के बाहर रहकर पृथक रूप से कार्य करना आरंभ कर दिया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.45) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
विभाजन के विरुद्ध आंदोलन तथा स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलनों के प्रसार ने कांग्रेस की नीतियों को प्रभावित किया। कांग्रेस के सभी वर्ग, 'नरमपंथी' और 'चरमपंथी' बंगाल के विभाजन के विरुद्ध एकजुट थे। हालाँकि दोनों समूहों के बीच बहिष्कार आदि का दायरा बढ़ाने पर मतभेद बने हुए थे।	आगे 'नरमपंथी' और 'चरमपंथी' एकजुट नहीं रह सके। सूरत में आयोजित,1907 के कांग्रेस अधिवेशन में, दोनों समूह आपस में भिड़ गए। कांग्रेस पूरी तरह से नरमपंथी नेताओं के प्रभुत्व में आ गई तथा कांग्रेस से बाहर 'चरमपंथियों' ने पृथक रूप से काम करना शुरू कर दिया (सूरत विभाजन के बाद)। 1916 में नौ साल बाद, दोनों समूहों को फिर से एकजुट किया गया। 1911 में, बंगाल के विभाजन की घोषणा पर दिल्ली में एक शाही दरबार आयोजित किया गया था।

Q.46) निम्नलिखित में से कौन सा संकल्प 1906 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता सत्र द्वारा पारित किया गया था?

1. स्वदेशी
2. स्वराज्य
3. बहिष्कार
4. राष्ट्रीय शिक्षा

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1, 2 और 3
b) केवल 2 और 3
c) केवल 1 और 4
d) 1, 2, 3 और 4

Q.46) Solution (d)

- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता सत्र को विभाजन विरोधी आंदोलन और स्वदेशी आंदोलन की पृष्ठभूमि में आयोजित किया गया था।
- 1906 में, कलकत्ता में सत्र की अध्यक्षता दादा भाई नौरोजी ने की थी। नरमपंथियों ने कांग्रेस की अध्यक्षता के लिए दादा भाई नौरोजी को चुना।
- कांग्रेस को चरमपंथियों ने निम्नलिखित संकल्पों को अपनाने के लिए मजबूर किया, जिन्हें नरमपंथियों ने आधे मन से स्वीकार किया। ये थे
  - स्वदेशी पर संकल्प
  - स्व -शासन पर संकल्प (स्वराज)
  - बहिष्कार पर संकल्प
  - राष्ट्रीय शिक्षा परिषद पर संकल्प
- दादा भाई नौरोजी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में, 'स्वराज' को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लक्ष्य के रूप में घोषित किया।

Q.47) भारतीय विश्वविद्यालयों अधिनियम 1904 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह शिक्षा पर हंटर कमीशन द्वारा की गई सिफारिशों पर आधारित था।
2. इसने विश्वविद्यालयों पर सरकार का नियंत्रण बढ़ा दिया।
3. इसने सीनेट में न्यूनतम और अधिकतम सीटों की संख्या निश्चित करने के साथ विश्वविद्यालयों के सीनेट के चुनाव के सिद्धांत को प्रस्तुत किया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा गलत है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) केवल 3
d) केवल 1 और 3

Q.47) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	सत्य
विश्वविद्यालयों को नियंत्रण में लाने के लिए, लॉर्ड कर्ज़न ने सर थॉमस रैले के अंतर्गत रैले आयोग की नियुक्ति की। इस आयोग ने 1902 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा इसके बाद रैले बिल नामक विधेयक लाया गया। रैले बिल जब एक अधिनियम बन गया, तो इसे भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम 1904 कहा गया।	इस अधिनियम ने विश्वविद्यालयों पर सरकार का नियंत्रण बढ़ा दिया। यह विश्वविद्यालय के सीनेट द्वारा पारित नियमों पर वीटो कर सकता है। इसने सरकार को एक विश्वविद्यालय में अधिकांश अध्येताओं को नियुक्त करने की अनुमति दी। गवर्नर जनरल को अब विश्वविद्यालय की क्षेत्रीय सीमा तय करने का अधिकार दिया गया था।	इस अधिनियम से पहले, विश्वविद्यालयों की सीनेट में सीटों की संख्या निर्धारित नहीं थी तथा सरकार जीवन-कालीन नामांकन करती थी। इस अधिनियम के तहत, संख्या तय की गई थी। न्यूनतम संख्या 50 थी और अधिकतम संख्या 100 थी। उनका कार्यकाल पांच वर्षों के लिए निर्धारित किया गया था। अधिनियम ने सीनेट के संविधान में चुनाव के सिद्धांत को प्रस्तुत किया। इस अधिनियम के अनुसार, 20 फेलो को मद्रास, कलकत्ता और बॉम्बे के विश्वविद्यालयों में और 15 अन्य विश्वविद्यालयों में चुना जाना है।

भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 1904 के अन्य प्रावधान

- विश्वविद्यालयों को परीक्षा का अधिकार देने के साथ-साथ शिक्षण का अधिकार दिया गया।
- विश्वविद्यालयों को अध्ययन और अनुसंधान को बढ़ावा देने, विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों और व्याख्याताओं को नियुक्त करने, विश्वविद्यालय प्रयोगशालाओं और पुस्तकालयों की स्थापना करने और छात्रों को प्रत्यक्ष निर्देशन का प्रावधान देने का अधिकार था।
- अधिनियम ने निर्धारित किया कि एक विश्वविद्यालय के अध्येताओं की संख्या पचास से कम या सौ से अधिक नहीं होगी तथा एक अध्येता को आम तौर पर जीवनकाल के बजाय छह साल की अवधि के लिए कार्यालय में रहना होगा।

- भारतीय विश्वविद्यालयों अधिनियम, 1904 ने सिंडिकेट् को वैधानिक मान्यता प्रदान की तथा विश्वविद्यालय के सीनेट में विश्वविद्यालय शिक्षकों के पर्याप्त प्रतिनिधित्व का प्रावधान किया।
- मान्यता देने के संबंध में नियम सख्त किए गए थे। शिक्षा के मानकों को बढ़ाने के लिए, सिंडिकेट उच्च शिक्षा प्रदान करने वाले कॉलेजों का निरीक्षण कर सकता है। निजी कॉलेजों को दक्षता का एक उचित मानक रखने की आवश्यकता थी। महाविद्यालयों के संबद्धता या असंबद्धता के आवेदन के लिए सरकार की मंजूरी आवश्यक थी।

Q.48) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. अपनी प्रसिद्ध पुस्तक हिंद स्वराज में, बाल गंगाधर तिलक ने घोषणा की कि ब्रिटिश शासन भारत में भारतीयों के सहयोग से स्थापित किया गया था तथा उनके सहयोग के कारण ही बचा है।
2. पुस्तक के अनुसार, यदि भारतीय सहयोग करने से इनकार करते हैं, तो भारत में ब्रिटिश शासन एक वर्ष के भीतर ढह जाएगा और स्वराज आ जाएगा।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.48) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
असत्य	सत्य
अपनी प्रसिद्ध पुस्तक हिंद स्वराज में, गांधी जी ने घोषणा की कि ब्रिटिश शासन भारत में भारतीयों के सहयोग से स्थापित किया गया था तथा उनके सहयोग के कारण ही बचा है।	पुस्तक के अनुसार, यदि भारतीयों ने सहयोग करने से इनकार कर दिया, तो भारत में ब्रिटिश शासन एक वर्ष के भीतर ढह जाएगा और स्वराज आ जाएगा।

Q.49) 1916 के लखनऊ समझौते के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन की अध्यक्षता रास बिहारी घोष ने की।
2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचक मंडल स्वीकार किया।
3. बाल गंगाधर तिलक और एनी बेसेंट ने इस समझौते में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.49) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	सत्य

कांग्रेस-लीग संधि, जिसे लखनऊ संधि के रूप में जाना जाता है, कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच संधि पर हस्ताक्षर था। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लखनऊ सत्र की अध्यक्षता एक नरमपंथी, अंबिका चरण मजुमदार ने की।	कांग्रेस द्वारा पृथक निर्वाचकों के सिद्धांत की स्वीकृति का अर्थ है कि कांग्रेस और लीग अलग-अलग राजनीतिक संस्थाओं के रूप में एक साथ आए।	लखनऊ समझौता बाल गंगाधर तिलक और एनी बेसेंट के संयुक्त प्रयासों से संभव हुआ, जो मदन मोहन मालवीय जैसे महत्वपूर्ण नेताओं की इच्छाओं के खिलाफ था।

Q.50) ब्रिटिश शासन के दौरान निम्नलिखित में से कौन 'होम चार्ज' (Home Charges) के घटक थे?

1. नागरिक और सैन्य ब्रिटिश अधिकारियों की पेंशन
2. विदेशी पूंजीगत निवेश पर ब्याज
3. लंदन में भारत कार्यालय प्रतिष्ठान पर खर्च

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.50) Solution (b)

- होम चार्ज भारत के राज्य सचिव की ओर से इंग्लैंड में किए गए व्यय को संदर्भित करता है। मुख्य घटक थे:
  - ईस्ट इंडिया कंपनी के शेयरधारकों को लाभांश
  - सार्वजनिक ऋण पर विदेश में दिया गया ब्याज।
  - लंदन में भारत कार्यालय प्रतिष्ठान पर खर्च
  - ब्रिटिश युद्ध कार्यालय को भुगतान
  - इंग्लैंड में स्टोर खरीद
  - भारत में नागरिक और सैन्य ब्रिटिश अधिकारियों की पेंशन
- 'आर्थिक निकासी' शब्द भारत के राष्ट्रीय उत्पाद के एक हिस्से को संदर्भित करता है, जो अपने लोगों के उपभोग के लिए उपलब्ध नहीं था, लेकिन राजनीतिक कारणों से ब्रिटेन जा रहा था तथा भारत को इसके लिए पर्याप्त आर्थिक या भौतिक लाभांश नहीं मिल रहा था।
- निकासी सिद्धांत को दादाभाई नौरोजी ने अपनी पुस्तक 'पावर्टी एंड अनब्रिटिश रूल इन इंडिया' में लिखा था।
- जबकि, आर्थिक निकासी में मुख्य रूप से शामिल हैं
  - सभी होम चार्ज
  - विदेशी पूंजीगत निवेश पर लाभ और मुनाफा
  - भारत में बैंकिंग, बीमा और शिपिंग सेवाओं के संबंध में भुगतान

Q.51) भारतीय आधुनिक इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित घटनाओं पर विचार करें:

1. कोमागाटामारू घटना
2. प्रशांत तट हिंदुस्तान एसोसिएशन की स्थापना
3. गांधी जी का दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटना

उपरोक्त घटनाओं का सही कालानुक्रमिक क्रम क्या है?

a) 2 - 1 - 3
b) 1 - 2 - 3
c) 2 - 3 - 1
d) 1 - 3 - 2

Q.51) Solution (a)

- 1913: नवंबर 1913 में, प्रशांत तट हिंदुस्तान एसोसिएशन की स्थापना लाला हरदयाल ने सोहन सिंह भाकना के साथ इसके अध्यक्ष के रूप में की, जिसे ग़दर पार्टी कहा जाता था।
- 1914: 23 मई 1914 को हांगकांग से 376 यात्रियों को लेकर एक भरा जापानी जहाज (कोमागाटामारू), जिसमें सबसे अधिक पंजाब के थे, जो ब्रिटिश भारत से आये प्रवासी थे, कनाडा डोमिनियन के पश्चिमी तट पर वैंकूवर के बरार्ड इनलेट में पहुंचे।
- यात्रियों, सभी ब्रिटिश विषयों, सतत मार्ग विनियमन को चुनौती दे रहे थे, नतीजतन, कोमागाटामारू को अधिकारियों द्वारा डॉकिंग से वंचित किया गया और केवल बीस लौटने वाले निवासियों, और जहाज के डॉक्टर और उनके परिवार को अंततः कनाडा में प्रवेश दिया गया।
- दो महीने के गतिरोध के बाद, जहाज को 23 जुलाई, 1914 को कनाडाई सेना द्वारा बंदरगाह से बाहर निकाल दिया गया था और बज-बज, भारत में वापस जाने के लिए मजबूर किया गया था, जहाँ उन्नीस यात्रियों को गोलियों से मार दिया गया था, तथा कई को जेल में बंद कर दिया गया था।
- 1915: गोपाल कृष्ण गोखले के अनुरोध पर, जिन्हें सी. एफ. एंड्रयूज ने उन्हें अवगत कराया, गांधी जी 9 जनवरी, 1915 को दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे।

Q.52) पूना सार्वजनिक सभा के प्रतिद्वंद्वी संगठन के रूप में दक्कन सभा किसके द्वारा स्थापित की गयी थी

a) दादाभाई नौरोजी
b) बाल गंगाधर तिलक
c) गोपाल कृष्ण गोखले
d) बिपिन चंद्र पाल

Q.52) Solution (c)

- बाल गंगाधर तिलक के साथ गोपाल कृष्ण गोखले का एक बड़ा अंतर एक प्रमुख मुद्दा, ब्रिटिश साम्राज्यवादी सरकार द्वारा 1891-92 में प्रस्तुत किया गया एज ऑफ कंसेंट बिल था।
- हालांकि विधेयक बॉम्बे प्रेसीडेंसी में कानून बन गया। दोनों नेताओं ने पूना सार्वजनिक सभा के नियंत्रण के लिए भी प्रयास किया। तिलक ने 1895 में पूना सार्वजनिक सभा पर अधिकार कर लिया।
- गोखले ने अपने गुरु, एम जी रानाडे के मार्गदर्शन के साथ, 1896 में पूना सार्वजनिक सभा के प्रतिद्वंद्वी संगठन के रूप में दक्कन सभा की शुरुआत की।
- 1905 में, जब गोखले को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया तथा वह अपनी राजनीतिक शक्ति के चरम पर थे, उन्होंने सर्वेंट्स ऑफ़ इंडिया सोसाइटी की स्थापना की, जो विशेष रूप से उनके दिल में सबसे प्रिय कारणों में से एक थी: भारतीय शिक्षा का विस्तार।

Q.53) निम्नलिखित में से कौन सी घटना लॉर्ड रिपन के कार्यकाल से जुड़ी हो सकती है?

1. वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट लागू किया गया
2. इल्बर्ट बिल प्रस्तुत किया गया था
3. स्थानीय स्व-शासन पर एक संकल्प

4. द्वितीय अफगान युद्ध आरंभ हुआ

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 4
b) केवल 2 और 3
c) केवल 1, 2 और 3
d) केवल 2, 3 और 4

Q.53) Solution (b)

लॉर्ड रिपन (1880-1884)

- वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट का निरसन (1882)
- श्रम की स्थिति में सुधार के लिए पहला कारखाना अधिनियम (1881)।
- वित्तीय विकेंद्रीकरण की निरंतरता
- स्थानीय स्वशासन पर सरकार का संकल्प (1882) इसलिए लॉर्ड रिपन को भारत में स्थानीय स्वशासन के पिता के रूप में जाना जाता है
- सर विलियम हंटर की अध्यक्षता में शिक्षा आयोग की नियुक्ति (1882)
- इलबर्ट बिल विवाद (1883-84)
- 1881 में मैसूर की पुनर्स्थापना।

लॉर्ड लिटन (1876-1880)

- 1876-78 का अकाल, जिसने मद्रास, बंबई, मैसूर, हैदराबाद, मध्य भारत और पंजाब के कुछ हिस्सों को प्रभावित किया
- रिचर्ड स्ट्रेची (1878) की अध्यक्षता में अकाल आयोग की नियुक्ति
- रॉयल टाइटल एक्ट (1876), क्वीन विक्टोरिया ने 'कैसर-ए-हिंद' या भारत की महारानी का खिताब ग्रहण किया।
- वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट 1878 में लागू किया गया था
- शस्त्र अधिनियम (1878)
- द्वितीय अफगान युद्ध (1878-80)

Q.54) भारतीय परिषद अधिनियम 1909 के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. अधिनियम में पहली बार वायसराय की कार्यकारी परिषदों में भारतीयों की संबद्धता के लिए प्रावधान प्रदान किया गया।
2. अधिनियम ने मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचक मंडल प्रस्तुत किए।
3. अधिनियम ने सदस्यों के लिए बिना कोई अनुपूरक प्रश्न पूछे बजट और सार्वजनिक हित के मामले पर चर्चा करने के लिए प्रावधान प्रदान किया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.54) Solution (a)

- 1909 के भारतीय परिषद अधिनियम को मॉर्ले-मिंटो सुधार के रूप में भी जाना जाता है (लॉर्ड मॉर्ले भारत के तत्कालीन सचिव थे और लॉर्ड मिंटो भारत के तत्कालीन वायसराय थे)
- प्रमुख प्रावधान इस प्रकार थे:
    - इसने केंद्रीय और प्रांतीय दोनों विधान परिषदों के आकार में काफी वृद्धि की। केंद्रीय विधान परिषद में सदस्यों की संख्या 16 से बढ़ाकर 60 कर दी गई थी। प्रांतीय विधान परिषदों में सदस्यों की संख्या एक समान नहीं थी।
    - इसने केंद्रीय विधान परिषद में आधिकारिक बहुमत बनाए रखा लेकिन प्रांतीय विधान परिषदों को गैर-आधिकारिक बहुमत दिया।
    - इसने दोनों स्तरों पर विधान परिषदों के जानबूझकर कार्यों को बढ़ाया। उदाहरण के लिए, सदस्यों को अनुपूरक प्रश्न पूछने, बजट पर प्रस्तावों को स्थानांतरित करने आदि की अनुमति दी गई।
    - निर्वाचित सदस्यों को अप्रत्यक्ष रूप से चुना गया था। स्थानीय निकाय एक निर्वाचक मंडल का चुनाव करते थे जो प्रांतीय विधान परिषदों के सदस्यों का चुनाव करता था। ये सदस्य, केंद्रीय विधान परिषद के सदस्यों का चुनाव करते हैं।
    - निर्वाचित सदस्य स्थानीय निकायों, वाणिज्य मंडलों, जमींदारों, विश्वविद्यालयों, व्यापारियों के समुदायों और मुसलमानों से थे।
    - इसने पहली बार वायसराय की कार्यकारी परिषदों में भारतीयों की संबद्धता के लिए प्रावधान प्रदान किया गया। सत्येंद्र प्रसाद सिन्हा वायसराय की कार्यकारी परिषद में शामिल होने वाले पहले भारतीय बने। उन्हें कानून सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था।
    - इसने 'पृथक निर्वाचक मंडल' की अवधारणा को स्वीकार करके मुसलमानों के लिए सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व की एक प्रणाली प्रस्तुत की। इसके तहत मुस्लिम सदस्यों का चुनाव केवल मुस्लिम मतदाताओं द्वारा किया जाना था। इस प्रकार, अधिनियम ने 'सांप्रदायिकता को वैध कर दिया' और लॉर्ड मिन्टो को सांप्रदायिक निर्वाचन के जनक के रूप में जाना जाने लगा।
    - सदस्य बजट पर चर्चा कर सकते हैं और प्रस्तावों को आगे बढ़ा सकते हैं। वे जनहित के मामलों पर भी चर्चा कर सकते हैं और पूरक प्रश्न भी पूछ सकते हैं।
    - इसने प्रेसीडेंसी कॉरपोरेशनों, वाणिज्य मंडलों, विश्वविद्यालयों और जमींदारों के अलग-अलग प्रतिनिधित्व के लिए भी प्रावधान प्रदान किया।

Q.55) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

समाचार पत्र / जर्नल	संबद्ध व्यक्तित्व
1. अमृता बाजार पत्रिका	मोती लाल घोष
2. दर्पण	गोपाल हरि देशमुख
3. स्वदेशी मित्रन	एस. सुब्रमण्यन अय्यर

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2

c) केवल 2 और 3
d) केवल 1 और 3

Q.55) Solution (c)

- अमृता बाजार पत्रिका, 1868 में सिसिर कुमार घोष और मोतीलाल घोष द्वारा आरंभ किया गया एक बंगाली अखबार था।
- बाल शास्त्री जामबेकर को 1832 में 'दर्पण' नाम से पहले अखबार के साथ मराठी भाषा में पत्रकारिता शुरू करने के प्रयासों के लिए मराठी पत्रकारिता के पिता के रूप में भी जाना जाता है।
- स्वदेशी मित्रन (1882) भारतीय राष्ट्रवादी जी. सुब्रमण्य अय्यर द्वारा स्थापित आरंभिक तमिल अखबारों में से एक था, जब उन्होंने द हिंदू (1878) आरंभ किया था।

Q.56) क्रांतिकारियों के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

a) श्यामजी कृष्णवर्मा ने लंदन में इंडिया होम रूल सोसाइटी की स्थापना की।
b) काबुल में स्वतंत्र भारत की अस्थाई सरकार ने एम. बरकतुल्ला को अपने राष्ट्रपति के रूप में घोषित किया गया था।
c) मैडम भीकाजी कामा ने जर्मनी में अंतर्राष्ट्रीय समाजवादी सम्मेलन में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को फहराया।
d) उपरोक्त सभी कथन सही हैं।

Q.56) Solution (b)

- इंडियन होम रूल सोसाइटी (IHRS) की स्थापना फरवरी 1905 में श्यामजी कृष्ण वर्मा ने अन्य उल्लेखनीय प्रवासी भारतीयों जैसे भीकाजी कामा, एस.आर. राणा और लाला लाजपत राय, ब्रिटिश कमेटी ऑफ़ कांग्रेस के एक प्रतिद्वंद्वी संगठन के रूप में सेवा करने के लिए किया था।
- 1 दिसंबर, 1915 को काबुल, अफगानिस्तान में क्रांतिकारियों के एक समूह ने राष्ट्रपति के रूप में राजा महेंद्र प्रताप और प्रधानमंत्री के रूप में एम. बरकतुल्ला के साथ स्वतंत्र भारत की एक अस्थाई सरकार की घोषणा की।
- 21 अगस्त, 1907 को जर्मनी के स्टटगार्ट में अंतर्राष्ट्रीय समाजवादी सम्मेलन में मैडम भीकाजी कामा ने भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के पहले संस्करण- हरे, केसरिया और लाल पट्टियों का एक तिरंगा फहराया।

Q.57) भारत में होम रूल आंदोलन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. प्रथम विश्व युद्ध का आरंभ होना भारत में होम रूल आंदोलन के उदय के लिए प्रमुख कारकों में से एक था।
2. बाल गंगाधर तिलक और एनी बेसेंट ने अलग-अलग भारत में होम रूल लीग आरंभ की थी।
3. इन दोनों लीगों का भारत में स्व-शासन प्राप्त करने का सामान्य उद्देश्य था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.57) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	सत्य
होम रूल आंदोलन प्रथम विश्व युद्ध की पृष्ठभूमि में आरंभ हुआ, जब राष्ट्रवादियों के एक वर्ग का मानना था कि "ब्रिटेन की कठिनाई भारत का अवसर है"। इसलिए प्रथम विश्व युद्ध भारत में होम रूल आंदोलन के उदय का कारक था।	तिलक और एनी बेसेंट द्वारा अलग-अलग दो होम रूल लीग आरंभ की गयी थी। तिलक ने अप्रैल 1916 में बेलगाम में इंडियन होम रूल लीग की शुरुआत की। एनी बेसेंट ने मद्रास में सितंबर 1916 में होम रूल लीग की शुरुआत की।	उनका भारत में स्व-शासन प्राप्त करने का सामान्य उद्देश्य था।

- तिलक की लीग ने महाराष्ट्र (बॉम्बे को छोड़कर), कर्नाटक, बरार और मध्य प्रांत में काम किया। बेसेंट की लीग ने देश के बाकी हिस्सों में काम किया।
- होम रूल आंदोलन के अन्य उद्देश्य थे:
    - स्व-शासन के लिए आंदोलन स्थापित करने के लिए राजनीतिक शिक्षा और चर्चा को बढ़ावा देना;
    - सरकार के दमन के खिलाफ बोलने के लिए भारतीयों में विश्वास पैदा करना;
    - ब्रिटिश सरकार से भारतीयों के लिए एक बड़े राजनीतिक प्रतिनिधित्व की मांग करना;
    - कांग्रेस पार्टी के सिद्धांतों को बनाए रखते हुए भारत में राजनीतिक गतिविधि को पुनर्जीवित करना

Q.58) संघों और इसके गठन में शामिल व्यक्तित्वों के बारे में निम्नलिखित में से कौन सी जोड़ी सही ढंग से सुमेलित है?

1. स्वदेशी स्टीम नेविगेशन कंपनी - गाज़ुलु लक्ष्मीनारासु चेट्टी
2. स्वदेश बांधव समिति - बिपिन चंद्र पाल
3. बंगाल केमिकल एंड फार्मास्यूटिकल वर्क्स लिमिटेड - प्रफुल्ल चंद्र रे

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.58) Solution (b)

- वी. ओ. चिदंबरम पिल्लई ने स्वदेशी आंदोलन को मद्रास तक फैलाया तथा तूतीकोरिन कोरल मिल की हड़ताल का आयोजन किया। उन्होंने तूतीकोरिन में स्वदेशी स्टीम नेविगेशन कंपनी की स्थापना की।
- अश्विनी कुमार दत्ता (1856 - 1923) एक बंगाली शिक्षाविद, समाज सुधारक और राष्ट्रवादी थे। उन्होंने स्वदेशी आंदोलन के दौरान स्वदेशी उत्पादों के उपभोग को बढ़ावा देने और विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के लिए स्वदेश बांधव समिति की स्थापना की।
- बंगाल केमिकल एंड फ़ार्मास्यूटिकल वर्क्स लिमिटेड (BCPW) कोलकाता, पश्चिम बंगाल में 1901 में प्रफुल्ल चंद्र रे द्वारा स्थापित किया गया था, यह भारत की पहली दवा कंपनी है।

- लोकमान्य तिलक ने सहकारी भंडार खोले और स्वदेशी वस्तु प्रचारिणी सभा की अध्यक्षता की।

Q.59) निम्न क्रांतिकारियों में से किसने, भारत के राज्य सचिव के राजनीतिक सहयोगी कर्नल विलियम कर्जन वायली की गोली मारकर हत्या की?

a) मदन लाल ढींगरा
b) भूपेंद्रनाथ दत्ता
c) सोहन सिंह भाकना
d) करतार सिंह सराभा

Q.59) Solution (a)

- मदन लाल ढींगरा (1883-1909) एक क्रांतिकारी स्वतंत्रता कार्यकर्ता थे। ढींगरा 1905 में पढ़ाई के लिए इंग्लैंड चले गए तथा श्यामजी कृष्ण वर्मा और वी डी सावरकर जैसे स्वतंत्रता कार्यकर्ताओं के संपर्क में आए।
- 1 जुलाई 1909 को, लंदन में, मदन लाल ढींगरा ने भारत के राज्य सचिव के राजनीतिक सहयोगी, कर्नल विलियम कर्जन वायली की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद मदन लाल ढींगरा को पकड़ लिया गया और उन्हें फांसी दे दी गई।

Q.60) अगस्त 1917 की घोषणा के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसे भारत के वायसराय एडविन सैमुअल मोंटेग्यु द्वारा घोषित किया गया था।
2. घोषणा में भारत में उत्तरदायी सरकार के क्रमिक विकास की नीति का वादा किया गया था।
3. इसे बिना किसी आपत्ति के होम रूल आंदोलन के नेताओं द्वारा अच्छी तरह से स्वीकार किया गया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.60) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	असत्य
भारत के सचिव, एडविन सैमुअल मोंटेग्यु ने 20 अगस्त, 1917 को ब्रिटिश हाउस ऑफ कॉमन्स में 1917 के अगस्त घोषणा के रूप में जाना जाने वाला एक बयान दिया।	बयान में कहा गया है: "सरकार की नीति प्रशासन की प्रत्येक शाखा में भारतीयों की बढ़ती भागीदारी और स्वशासी संस्थाओं के क्रमिक विकास की है, जो ब्रिटिश साम्राज्य के अभिन्न अंग के रूप में भारत में उत्तरदायी सरकार की प्रगतिशील प्राप्ति के दृष्टिकोण से है।"	राष्ट्रवादियों ने इसकी आलोचना की, क्योंकि इसमें उनकी वैध अपेक्षाओं का अभाव था। इस घोषणा की दिसंबर 1917 में कलकत्ता अधिवेशन में आलोचना की गई, जिसमें एनी बेसेंट ने अध्यक्ष के रूप में भारत में स्व -शासन की स्थापना का अनुरोध किया। तिलक ने मोंटेग्यु

		के सुधारों को "अयोग्य और निराशाजनक- एक धूप रहित सुबह" कहा।

- उसके बाद, स्वशासन या होम रूल के लिए राष्ट्रवादियों की मांग को देशद्रोही नहीं कहा जा सकता क्योंकि भारतीयों के लिए स्व-शासन की प्राप्ति अब एक सरकारी नीति बन गई, 1909 में मॉर्ले के बयान के विपरीत, जिसमें सुधारों का उद्देश्य भारत को स्व-शासन देना नहीं था।
- मोंटेग्यु के बयान पर भारतीय नेताओं की आपत्ति थी-
  - कोई विशेष समय सीमा नहीं दी गई थी।
  - अकेले सरकार को एक उत्तरदायी सरकार की प्रकृति और अग्रिम का समय तय करना था, तथा भारतीयों में नाराजगी थी कि अंग्रेज यह तय करेंगे कि भारतीयों के लिए क्या अच्छा था और क्या बुरा।

Q.61) जलियांवाला बाग नरसंहार के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. सत्यपाल और सैफुद्दीन किचलू की गिरफ्तारी के विरोध में शांतिपूर्वक धरना देने के लिए कई ग्रामीणों के पार्क में इकट्ठा होने पर नरसंहार हुआ।
2. रवींद्रनाथ टैगोर और एस सुब्रमण्यन अय्यर ने नरसंहार के विरोध में अपना नाइटहुड त्याग दिया।
3. भारत सरकार ने त्रासदी की जांच के लिए बटलर समिति का गठन किया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा गलत है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) केवल 1 और 3

Q.61) Solution (c)

- जलियाँवाला बाग नरसंहार, जिसे अमृतसर नरसंहार के रूप में भी जाना जाता है, 13 अप्रैल 1919 को हुआ था, जब कार्यरत ब्रिगेडियर-जनरल रेजिनाल्ड डायर ने ब्रिटिश भारतीय सेना के सैनिकों को आदेश दिया था कि वे अमृतसर, पंजाब के जलियांवाला बाग में निहत्थे भारतीय नागरिकों की भीड़ पर अपनी राइफ़लों से फायर करें, जिसमें पुरुषों और महिलाओं सहित कम से कम 400 लोगों की हत्या हुई थी और 1,000 से अधिक लोग घायल हुए थे।

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**असत्य**	**असत्य**
नरसंहार तब हुआ जब कई ग्रामीण बैसाखी के दिन के जश्न के लिए पार्क में एकत्र हुए तथा दो राष्ट्रीय नेताओं, **सत्यपाल और सैफुद्दीन किचलू की गिरफ्तारी और निर्वासन का शांतिपूर्वक विरोध कर रहे थे।**	**रवींद्रनाथ टैगोर ने विरोध में अपना नाइटहुड** त्याग दिया था। गांधी जी ने कैसर-ए-हिंद की उपाधि त्यागी थी। **एस सुब्रमण्यम अय्यर ने एनी बेसेंट की गिरफ्तारी पर 1917 में नाइटहुड त्याग** कर दिया था।	एडविन मोंटेग्यु ने आदेश दिया कि मामले की जाँच के लिए एक जाँच समिति बनाई जाए। इसलिए, 14 अक्टूबर, 1919 को, भारत सरकार ने अव्यवस्था जांच समिति के गठन की घोषणा की, जिसे **हंटर समिति / आयोग** के नाम से अधिक जाना

		जाता है।

Q.62) 1919 के मोंटेग्यु चेम्सफोर्ड सुधार ने प्रांतीय सरकारों में निम्नलिखित में से कौन सा परिवर्तन आरंभ किया?

1. पृथक बजट प्रस्तुत करने के लिए प्राधिकृत
2. द्विसदनीय विधानमंडल
3. विषय हस्तांतरित और आरक्षित सूची में विभाजित थे

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 3
d) 1, 2 और 3

Q.62) Solution (b)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**असत्य**	**सत्य**
अधिनियम ने पहली बार **प्रांतीय और केंद्रीय बजट को अलग किया**, प्रांतीय विधानसभाओं को अपने बजट बनाने के लिए अधिकृत किया गया।	1919 अधिनियम के तहत, केंद्र में भारतीय विधान परिषद को एक **द्विसदनीय प्रणाली द्वारा प्रतिस्थापित** किया गया था जिसमें एक राज्य परिषद (उच्च सदन) और एक विधान सभा (निचला सदन) शामिल था। भारत सरकार अधिनियम, 1935 ने ग्यारह प्रांतों में से छह में द्विसदनीयता की शुरुआत की।	1919 के अधिनियम ने **प्रांतीय विषयों को दो भागों- हस्तांतरित और आरक्षित** में विभाजित किया। हस्तांतरित विषयों को राज्यपाल द्वारा विधान परिषद के प्रति उत्तरदायी मंत्रियों की सहायता से प्रशासित किया जाना था। दूसरी ओर, आरक्षित विषयों को गवर्नर और उनकी कार्यकारी परिषद द्वारा संचालन करना था।

- भारत सरकार अधिनियम 1919 या मोंटेग्यु चेम्सफोर्ड सुधार के अन्य महत्वपूर्ण प्रावधान:
  - अधिनियम, 1919 के तहत, **द्वैधशासन** को प्रांतों में दो मुख्य उद्देश्यों को पूरा करने के लिए प्रस्तुत किया गया था। पहला, लोकप्रिय प्रतिनिधियों को जिम्मेदारी देना और दूसरा, भारतीय लोगों की राजनीतिक पिछड़ेपन और प्रशासनिक अनुभवहीनता की स्थिति को पूरा करना।
  - सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांत को मुस्लिमों के अलावा सिखों, ईसाइयों और एंग्लो-इंडियन के लिए पृथक-पृथक निर्वाचकों के साथ विस्तृत किया गया था।
  - भारत के लिए एक उच्चायुक्त को नियुक्त किया गया था, भारत के लिए राज्य सचिव द्वारा किए गए कुछ कार्यों को उच्चायुक्त को हस्तांतरित किया गया था।
  - भारत के राज्य सचिव, जो भारतीय राजस्व से अपना वेतन प्राप्त करते थे, अब ब्रिटिश राजकोष द्वारा भुगतान किया जाना था।
  - यह प्रावधान था कि अधिनियम पर रिपोर्ट करने के लिए अधिनियम के दस वर्ष बाद एक रॉयल आयोग नियुक्त किया जाएगा।

Q.63) गांधी जी द्वारा अपनायी गयी तकनीकों के साथ निम्नलिखित राजनीतिक आंदोलन का मिलान करें:

1. चंपारण सत्याग्रह	A. प्रथम भूख हड़ताल
2. अहमदबाद मिल हड़ताल	B. प्रथम सामूहिक हड़ताल
3. खेड़ा सत्याग्रह	C. प्रथम सविनय अवज्ञा
4. रोलेट सत्याग्रह	D. प्रथम असहयोग

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) 1-B; 2-D; 3-A; 4-C
b) 1-C; 2-A; 3-D; 4-B
c) 1-D; 2-C; 3-A; 4-B
d) 1-C; 2-D; 3-B; 4-A

Q.63) Solution (b)

- भारत में गांधी जी के पहले राजनीतिक आंदोलन में चंपारण, अहमदाबाद और खेड़ा संघर्ष शामिल थे। ये सभी स्थानीय स्तर पर आंदोलन थे तथा गांधी जी को एक ऐसे व्यक्ति की प्रतिष्ठा मिली जो जमीनी स्तर पर कार्य करते हैं।
- इन आंदोलनों ने भारतीय धरती पर उनकी तकनीकों का सफलतापूर्वक परीक्षण भी किया।
    - 1917 का चंपारण सत्याग्रह - प्रथम सविनय अवज्ञा।
    - 1918 की अहमदबाद मिल हड़ताल - प्रथम भूख हड़ताल।
    - 1918 का खेड़ा सत्याग्रह - प्रथम असहयोग।
    - 1919 का रौलट सत्याग्रह - प्रथम सामूहिक हड़ताल।

Q.64) निम्नलिखित में से किस घटना के प्रतिउत्तर में महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन स्थगित कर दिया था?

a) अखिल भारतीय खिलाफत समिति का गठन
b) मोपला विद्रोह
c) जलियांवाला बाग नरसंहार
d) चौरी चौरा घटना

Q.64) Solution (d)

- **चौरी चौरा आक्रोश** उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में **5 फरवरी 1922** को महात्मा गांधी द्वारा **असहयोग आंदोलन को वापस लेने का मुख्य कारण** था।
- कुछ पुलिसकर्मियों के व्यवहार से चिढ़कर भीड़ के एक हिस्से ने पुलिस पर हमला कर दिया। पुलिस ने गोलियां चलाईं। इस पर, पूरे जुलूस ने पुलिस पर हमला किया और जब बाद में थाने के अंदर छिप गए, तो भवन में आग लगा दी। भागने की कोशिश करने वाले पुलिसकर्मियों को टुकड़ों में काट दिया गया तथा आग में फेंक दिया गया। सभी 22 पुलिसकर्मी मारे गए।
- घटना सुनने के बाद, गांधी जी ने आंदोलन वापस लेने का फैसला किया।

- उन्होंने अपने फैसले की पुष्टि के लिए कांग्रेस कार्यसमिति को भी राजी कर लिया। इस प्रकार 12 फरवरी 1922 को बारदोली प्रस्ताव पारित करके कांग्रेस कार्य समिति ने असहयोग आंदोलन को वापस लेने का समर्थन किया।

Q.65) निम्नलिखित नेताओं में से किसने 1921 के अहमदबाद सत्र में कांग्रेस के लक्ष्य के रूप में पूर्ण स्वतंत्रता को अपनाने का प्रस्ताव रखा था।

a) हकीम अजमल खान
b) लाला लाजपत राय
c) चित्तरंजन दास
d) हसरत मोहानी

Q.65) Solution (d)

- **हसरत मोहानी (1878 - 1951)** एक भारतीय कार्यकर्ता, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में स्वतंत्रता सेनानी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता और उर्दू भाषा के एक प्रसिद्ध कवि थे।
- उन्होंने 1921 में उल्लेखनीय नारा इंकलाब जिंदाबाद गढ़ा था।
- वे अखिल भारतीय खिलाफत समिति के सदस्य थे।
- स्वामी कुमारानंद के साथ, उन्हें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अहमदाबाद सत्र में 1921 में **भारत के लिए पूर्ण स्वतंत्रता की मांग करने वाले पहले व्यक्ति** के रूप में माना जाता था।
- अहमदाबाद कांग्रेस अधिवेशन की अध्यक्षता चितरंजन दास ने की थी। चितरंजन दास जब जेल में थे, तब हकीम अजमल खान कार्यवाहक अध्यक्ष थे।

Q.66) निम्नलिखित में से कौन स्वराजवादी (Swarajists) थे?

1. मोतीलाल नेहरू
2. विट्ठलभाई पटेल
3. एम ए अंसारी
4. जवाहर लाल नेहरू
5. सुभाष चंद्र बोस

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1, 2 और 5
b) केवल 2, 3 और 4
c) केवल 1, 2, 4 और 5
d) केवल 1, 2, 3 और 5

Q.66) Solution (a)

- विधान परिषदों में प्रवेश की वकालत करने वालों को 'स्वराजवादियों' के रूप में जाना जाता है, जबकि सी. राजगोपालाचारी, वल्लभभाई पटेल, **राजेंद्र प्रसाद, जवाहरलाल नेहरू और एम ए अंसारी** के नेतृत्व में विचार के दूसरे स्कूल को **'नो-चेंजर्स' (अपरिवर्तनवादी)** के रूप में जाना जाने लगा। ।
- 'नो-चेंजर्स' ने परिषद् में प्रवेश का विरोध किया, रचनात्मक कार्य पर एकाग्रता की वकालत की तथा बहिष्कार और असहयोग जारी रखा और निलंबित सविनय अवज्ञा कार्यक्रम को फिर से शुरू करने के लिए शांत तैयारी आरंभ की।

- सी. आर. दास और मोतीलाल नेहरू ने 1923 में कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया तथा चिरतंजन दास के अध्यक्ष के रूप में और मोतीलाल नेहरू सचिव के रूप में कांग्रेस-खिलाफत स्वराज पार्टी या स्वराजवादी पार्टी के गठन की घोषणा की।
- 'प्रो चेंजर्स' (परिवर्तनवादियों) या 'स्वराजवादियों' में चितरंजन दास, **मोतीलाल नेहरू**, अजमल खान, एन सी केलकर, **सुभाष चंद्र बोस, विट्ठलभाई पटेल** और हुसैन शहीद सुहरावर्दी शामिल थे।

Q.67) नेहरू रिपोर्ट के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह भारतीय नेताओं द्वारा बर्कनहुड चुनौती के लिए एक प्रतिक्रिया थी।
2. रिपोर्ट में भारत के लिए पूर्ण स्वराज की मांग की गई थी।
3. इसने सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार और महिलाओं के लिए समान अधिकारों की सिफारिश की।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.67) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	सत्य
मोतीलाल नेहरू की रिपोर्ट 1928 पं. मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता वाली एक समिति की रिपोर्ट थी। यह समिति तब बनाई गई थी जब भारत के राज्य सचिव लॉर्ड बीरकेनहुड ने भारतीय नेताओं को देश के लिए एक संविधान का मसौदा तैयार करने के लिए कहा था **(जिसे बर्कनहुड चुनौती कहा जाता है)।**	नेहरू रिपोर्ट ने भारत द्वारा वांछित सरकार के रूप में **डोमिनियन स्टेटस** की मांग की। इसने पृथक सांप्रदायिक मतदाताओं के सिद्धांत को खारिज कर दिया, जिस पर पिछले संवैधानिक सुधार आधारित थे। केंद्र और प्रांतों में सीटें मुस्लिमों के लिए आरक्षित होंगी, जिसमें वे अल्पसंख्यक थे, लेकिन उनमें नहीं, जहां उनके पास संख्यात्मक बहुमत था।	रिपोर्ट में केंद्र के पास अवशिष्ट शक्तियों के साथ सरकार के एक संघीय रूप की भी सिफारिश की गई है। केंद्र में द्विसदनीय विधायिका होगी। विधायिका के लिए मंत्रालय उत्तरदायी होगा। एक **सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार, महिलाओं के लिए समान अधिकार**, यूनियनों के गठन की स्वतंत्रता, और किसी भी रूप में धर्म से राज्य के पृथक्करण के लिए भी सिफारिश की गई है।

Q.68) निम्नलिखित में से कौन सी घटना सविनय अवज्ञा आंदोलन का एक हिस्सा थी?

1. धरसना सत्याग्रह
2. सर्वेंट ऑफ़ गॉड मूवमेंट
3. शोलापुर उपद्रव

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.68) Solution (d)

- नमक सत्याग्रह के अलावा देश के विभिन्न हिस्सों में सविनय अवज्ञा आंदोलन के एक हिस्से के रूप में कई अन्य घटनाएं हुईं। इनमें धरसना सत्याग्रह, पेशावर में खान अब्दुल गफ्फार खान की गिरफ्तारी, वन सत्याग्रह, ज़मीदार क्षेत्रों में चौकीदारी विरोधी आंदोलन, असम में कनिंघम विरोधी आंदोलन, शोलापुर विद्रोह आदि शामिल हैं।
- **धरसना सत्याग्रह:** 21 मई 1930 को, सरोजिनी नायडू, इमाम साहब और गांधीजी के बेटे मणिलाल ने गुजरात में धरसना नमक इकाई में नमक कानूनों को अस्वीकृत करने के लिए 200 सत्याग्रहियों के एक समूह का नेतृत्व किया।
- **खुदाई खिदमतगार (भगवान के सेवक) आंदोलन:** 23 अप्रैल 1930 को, उत्तर पश्चिम सीमा प्रांत में कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी के कारण पेशावर में अभूतपूर्व परिमाण का सामूहिक प्रदर्शन हुआ। खान अब्दुल गफ्फार खान के नेतृत्व में खुदाई खिदमतगार आंदोलन, भारत के उत्तर-पश्चिमी सीमा प्रांत में अंग्रेजों का विरोध करने के लिए अहिंसक रूप से लामबंद हो गया। आंदोलन के सदस्य लाल वर्दी के कारण "रेड शर्ट" या "सुर्ख पॉश" के रूप में जाने जाते थे।
- **शोलापुर उपद्रव:** औद्योगिक शहर शोलापुर (महाराष्ट्र) में 7 मई 1930 को सबसे बड़ा प्रदर्शन हुआ। कस्बे में वर्चस्व रखने वाले कपड़ा कर्मचारी हड़ताल पर चले गए, शराब की दुकानों को जला दिया और सरकारी प्राधिकरण के सभी प्रतीकों पर हमला किया गया।

Q.69) भारत छोड़ो आंदोलन, 1942 के दौरान निम्नलिखित में से कौन सा नेता भूमिगत गतिविधि के चरण से जुड़े थे?

1. जयप्रकाश नारायण
2. अरुणा आसफ अली
3. रामनंदन मिश्रा
4. उषा मेहता

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1, 2 और 4
b) केवल 3 और 4
c) केवल 2, 3 और 4
d) 1, 2, 3 और 4

Q.69) Solution (d)

- भारत छोड़ो आंदोलन का सबसे उल्लेखनीय तत्व भूमिगत नेटवर्क का उदय था। क्रूर सरकारी दमन के कारण खुले में काम करने में असमर्थ, भूमिगत नेटवर्क देश के विभिन्न हिस्सों में उभरने लगे।
- 9 नवंबर 1942 को, **जयप्रकाश नारायण और रामनंदन मिश्रा** हजारीबाग जेल से नेपाल की सीमा में भाग गए तथा वहां से भूमिगत आंदोलन किया।
- इन गतिविधियों में भाग लेने वाले समाजवादी, फॉरवर्ड ब्लॉक सदस्य, गांधी आश्रमवासी, क्रांतिकारी राष्ट्रवादी और स्थानीय संगठन थे जो बंबई, पूना, सतारा, बड़ौदा और गुजरात, कर्नाटक, केरल, आंध्र, संयुक्त प्रांत, बिहार और दिल्ली के अन्य हिस्सों में थे।
- भूमिगत गतिविधि करने वाले अन्य मुख्य व्यक्तित्व राममनोहर लोहिया, **अरुणा आसफ अली, उषा मेहता,** बीजू पटनायक, छोटूभाई पुराणिक, अच्युत पटवर्धन, सुचेता कृपलानी और आर.पी. गोयनका थे। उषा मेहता ने बंबई में एक भूमिगत रेडियो आरंभ किया था।

Q.70) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. लॉर्ड लिनलिथगो द्वारा 'अगस्त प्रस्ताव' द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संविधान सभा की स्थापना के लिए प्रस्तावित था।
2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अगस्त प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया तथा बड़े पैमाने पर सविनय अवज्ञा आंदोलन आरंभ किया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.70) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, भारतीयों के सहयोग को सुरक्षित करने के लिए, वायसराय **लॉर्ड लिनलिथगो** ने 8 अगस्त 1940 को एक घोषणा की, जिसे **'अगस्त प्रस्ताव'** के रूप में जाना जाता था। इसने भारत के उद्देश्य के रूप में डोमिनियन का दर्जा प्रस्तावित किया; भारतीयों के युद्ध के बाद वाइसराय की **कार्यकारी परिषद का विस्तार और एक संविधान सभा की स्थापना** प्रस्तावित की।	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अगस्त 1940 में वर्धा में अपनी बैठक में इस प्रस्ताव को **अस्वीकार** कर दिया। इसने औपनिवेशिक शासन से पूर्ण स्वतंत्रता की मांग की। जवाहरलाल नेहरू ने टिप्पणी की कि डोमिनियन की अवधारणा मृत के समान थी। इसके बाद, **महात्मा गांधी** ने स्वतंत्र भाषण के अधिकार की पुष्टि करने के लिए **व्यक्तिगत सत्याग्रह** की शुरुआत की। उन्होंने एक बड़े सत्याग्रह से परहेज किया क्योंकि वह हिंसा नहीं चाहते थे।

Q.71) निम्नलिखित घटनाओं पर विचार करें:

1. बारदोली सत्याग्रह
2. वायकोम सत्याग्रह
3. झंडा सत्याग्रह

उपरोक्त घटनाओं से कौन सा कालानुक्रमिक अनुक्रम सही है?

a) 2 - 1 - 3
b) 3 - 1 - 2
c) 2 - 3 - 1
d) 3 - 2 - 1

Q.71) Solution (d)

- सही क्रम: ध्वज सत्याग्रह (1923) - वायकोम सत्याग्रह (1924-25) - बारदोली सत्याग्रह (1928)।
- **1923: नागपुर / ध्वज सत्याग्रह** - नागपुर शहर के कुछ क्षेत्रों में कांग्रेस के झंडे के उपयोग पर प्रतिबंध के खिलाफ संगठित था। इसने बहुत उत्साह नहीं दिखाया और एक समझौता के साथ समाप्त हो गया।

- **1924-25: वायकॉम सत्याग्रह** - केरल के हिंदू समाज में छुआछूत और जातिगत भेदभाव के खिलाफ पूर्ववर्ती त्रावणकोर में एक सत्याग्रह (सामाजिक विरोध) जो टी. के. माधवन और के. केलप्पन के नेतृत्व में किया गया।
- **1928: बारदोली सत्याग्रह** - मौजूदा भूमि राजस्व पर 30% की वृद्धि के खिलाफ (बाद में 21.97% तक कम) बारदोली (गुजरात) में वल्लभभाई पटेल द्वारा आयोजित जिसके परिणामस्वरूप भूमि राजस्व में 6.3% की कमी हुई।

Q.72) ट्रेड यूनियन अधिनियम, 1926 और व्यापार विवाद अधिनियम, 1929 के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. अधिनियम ने ट्रेड यूनियनों को वैधानिक संघों के रूप में मान्यता दी।
2. अधिनियम ने ट्रेड यूनियन राजनीतिक गतिविधियों को उदार बनाया।
3. अधिनियम ने सभी परिस्थितियों में सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं जैसे पोस्ट ऑफिस, रेलवे, पानी और बिजली पर हड़ताल को अवैध बना दिया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 1 और 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.72) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	असत्य
ट्रेड यूनियन अधिनियम, 1926 ने ट्रेड यूनियनों को वैधानिक संघों के रूप में मान्यता दी तथा ट्रेड यूनियन गतिविधियों के पंजीकरण और विनियमन के लिए शर्तें रखीं।	ट्रेड यूनियन अधिनियम, 1926 ने वैध गतिविधियों के लिए अभियोजन पक्ष से ट्रेड यूनियनों के लिए, क्रिमिनल और सिविल दोनों को सुरक्षित किया, लेकिन उनकी राजनीतिक गतिविधियों पर कुछ प्रतिबंध लगा दिए।	ट्रेड डिस्प्यूट्स एक्ट (TDA), 1929 ने पोस्ट ऑफिस, रेलवे, पानी और बिजली जैसी सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं में हड़ताल को तब तक अवैध किया गया, जब तक कि हड़ताल पर जाने की योजना बनाने वाले प्रत्येक व्यक्ति ने प्रशासन को एक महीने का अग्रिम नोटिस नहीं दिया; जबरन या विशुद्ध रूप से राजनीतिक स्वभाव की ट्रेड यूनियन गतिविधि और यहां तक कि सहानुभूतिपूर्ण हड़ताल भी अवैध कर दी गयी।

Q.73) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

आयोग	संबद्धता

1. लिनलिथगो आयोग	द्वैधशासन पर कार्य
2. ली आयोग	सिविल सेवा सुधार
3. व्हिटली आयोग	कृषि

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.73) Solution (b)

- 1926 का **लिनलिथगो आयोग** भारत में कृषि पर एक रॉयल आयोग था।
- 1923 में भारत सरकार की श्रेष्ठ सार्वजनिक सेवा की नृजातीय संरचना का अध्ययन करने के लिए लॉर्ड ली की अध्यक्षता में **ली आयोग** का गठन किया गया था। इसने 1924 में अपनी रिपोर्ट दी तथा लोक सेवा आयोग की तत्काल स्थापना की सिफारिश की।
- भारत में औद्योगिक उपक्रमों और बागानों में श्रम की मौजूदा स्थितियों की जानकारी के लिए 1929 में श्रम पर रॉयल कमीशन या श्रम पर **व्हिटले आयोग** की स्थापना की गई थी। आयोग की अध्यक्षता जॉन हेनरी व्हिटले ने की थी। आयोग ने 1931 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की।
- **मुदिमन समिति या सुधार जांच समिति (1924)** ने भारतीयों की नई पूर्ण स्वराज घोषणा (भारत की स्वतंत्रता) के संदर्भ में भारतीय नेताओं की मांगों को पूरा करने के लिए आयोजित किया। इस समिति ने 1921 में भारतीय परिषद अधिनियम के तहत 1921 में गठित संविधान पर द्वैधशासन मुद्दे की जांच में सहायता की।

Q.74) स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) सत्र के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही था?

1. महात्मा गांधी की अध्यक्षता में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का केवल 1924 में बेलगाम सत्र आयोजित किया गया था।
2. एनी बेसेंट और सरोजिनी नायडू स्वतंत्रता से पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की केवल दो महिला अध्यक्ष थीं।
3. कांग्रेस के सबसे बड़े सत्र की अध्यक्षता चक्रवर्ती विजयराघवाचार्य ने की थी।
4. अबुल कलाम आज़ाद भारतीय स्वतंत्रता के समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष थे।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1, 2 और 4
b) केवल 2, 3 और 4
c) केवल 1 और 3
d) केवल 1, 2 और 3

Q.74) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
सत्य	असत्य	सत्य	असत्य
1924 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) का बेलगाम (कर्नाटक) सत्र एकमात्र सत्र था जिसकी अध्यक्षता महात्मा गांधी ने की थी।	स्वतंत्रता से पहले, केवल 3 महिला कांग्रेस अध्यक्ष थीं - एनी बेसेंट (1917, कलकत्ता), सरोजिनी नायडू (1925, कानपुर) और नेली सेनगुप्ता (1933, कलकत्ता)।	INC का सबसे बड़ा सत्र 1920 में नागपुर में आयोजित किया गया था, जिसकी अध्यक्षता चक्रवर्ती विजयराघवाचार्य ने की थी।	जीवटराम भगवानदास कृपलानी भारतीय स्वतंत्रता (1947) के समय INC के अध्यक्ष थे।

Q.75) 14 अगस्त 1947 को संविधान सभा के स्वतंत्रता सत्र में वंदे मातरम किसने गाया था?

a) सुचेता कृपलानी
b) मनमोहिनी सहगल
c) उषा मेहता
d) अरुणा आसफ अली

Q.75) Solution (a)

- भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान **सुचेता कृपलानी** सबसे आगे रही। उन्होंने बाद में विभाजन के दंगों के दौरान महात्मा गांधी के साथ मिलकर काम किया। वह 1946 में उनके साथ नोआखली गयी थी।
- वह उन कुछ महिलाओं में से एक थीं जिन्हें भारत की संविधान सभा के लिए चुना गया था। वह उत्तर प्रदेश राज्य की पहली महिला मुख्यमंत्री चुनी गईं तथा भारतीय संविधान का मसौदा तैयार करने वाली उपसमिति का हिस्सा थीं।
- 14 अगस्त 1947 को, उन्होंने संविधान सभा के स्वतंत्रता सत्र में वंदे मातरम गाया, इससे कुछ मिनट पहले नेहरू ने अपना प्रसिद्ध "ट्राइस्ट विद डेस्टिनी" भाषण दिया।
- वह 1940 में स्थापित अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की संस्थापक भी थीं।

Q.76) भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के संदर्भ में, निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

व्यक्ति	पद
1. बलवंत राय मेहता	सचिव, आल इंडिया स्टेट पीपुल्स कॉन्फ्रेंस
2. लाला लाजपत राय	अध्यक्ष, अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस
3. एम. आर. जयकर	अध्यक्ष, भारतीय सड़क विकास समिति

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही ढंग से सुमेलित है / है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.76) Solution (d)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
सत्य	**सत्य**	**सत्य**
1927 में रियासतों के संगठन एक साथ आए और एक अखिल भारतीय संगठन का गठन किया, जिसे **आल इंडिया स्टेट पीपुल्स कॉन्फ्रेंस** कहा गया। **बलवंत राय मेहता** जिन्होंने गुजरात में भावनगर में प्रजा मंडल की स्थापना की, इस संगठन के सचिव बने।	**अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस (AITUC)**, भारत में सबसे पुराना ट्रेड यूनियन संघ 1920 में स्थापित किया गया था। इसकी स्थापना **लाला लाजपत राय**, जोसेफ बैप्टिस्टा, एन.एम. जोशी और दीवान चमन लाल द्वारा की गई थी। लाला लाजपत राय AITUC के पहले अध्यक्ष चुने गए थे।	भारत सरकार ने 1927 में **एम. आर. जयकर की सड़क विकास समिति के अध्यक्ष** के रूप में एक समिति नियुक्त की। उन्हें बंबई से कांग्रेस के टिकट पर संविधान सभा के लिए चुना गया था। हालांकि, विधानसभा में एक संक्षिप्त कार्यकाल के बाद, उन्होंने अपनी सीट छोड़ दी, जिसे डॉ. बी. आर अम्बेडकर द्वारा ग्रहण किया गया था।

Q.77) ब्रिटिश प्रधानमंत्री, रैम्जे मैकडॉनल्ड द्वारा घोषित सांप्रदायिक पुरस्कार के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है / हैं?

1. पुरुस्कार ने दलित वर्गों को भी अल्पसंख्यक घोषित किया तथा उन्हें पृथक निर्वाचक मंडल का हकदार बनाया।
2. घोषणा के दौरान लॉर्ड इरविन भारत के वायसराय थे।
3. पूना पैक्ट और गांधी - इरविन समझौता सांप्रदायिक पुरस्कार की घोषणाओं के परिणाम थे।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) केवल 1 और 3

Q.77) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	**असत्य**	**असत्य**
1932 का सांप्रदायिक पुरस्कार, बांटो और राज करो की ब्रिटिश नीति की एक और अभिव्यक्ति थी। मुसलमानों, सिखों और ईसाइयों को अल्पसंख्यकों के रूप में मान्यता दी जा चुकी थी। **1932 के सांप्रदायिक पुरस्कार ने**	**लॉर्ड विलिंगडन (1931-1936)** ब्रिटिश प्रधानमंत्री, रैम्जे मैकडोनाल्ड द्वारा घोषित सांप्रदायिक पुरस्कार के दौरान भारत के वायसराय थे।	डॉ. अम्बेडकर और गांधी के बीच एक समझौता हुआ, जिसे **सांप्रदायिक पुरस्कार के परिणामस्वरूप पूना पैक्ट** के रूप में जाना गया। तदनुसार, दलित वर्गों के लिए आरक्षित सीटें प्रांतीय विधानसभाओं में 71 से बढ़कर 147

दलित वर्गों को भी अल्पसंख्यक घोषित किया, और उन्हें 'पृथक निर्वाचक मंडल' का हकदार बनाया।		और केंद्रीय विधायिका में कुल का 18% थीं। 'गांधी-इरविन पैक्ट' एक राजनीतिक समझौता था जिसे **गांधी और लॉर्ड इरविन** ने 5 मार्च 1931 को लंदन में **दूसरे गोलमेज सम्मेलन से पहले** हस्ताक्षरित किया था।

Q.78) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

महिला संगठन	संस्थापक
1. अखिल भारतीय महिला सम्मेलन	एनी बेसेंट
2. भारतीय महिला संघ	सरोजिनी नायडू
3. भारत स्त्री महामंडल	कमला देवी चट्टोपाध्याय

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.78) Solution (d)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
असत्य	**असत्य**	**असत्य**
अखिल भारतीय महिला सम्मेलन (AIWC) की स्थापना 1927 में **मार्गरेट** बहनों द्वारा की गई थी ताकि महिलाओं और बच्चों के लिए शैक्षिक प्रयासों में सुधार किया जा सके।	1917 में मद्रास के पास अडयार में **एनी बेसेंट** द्वारा महिलाओं की भारतीय महिला संघ की स्थापना की गई थी।	भारत स्त्री महामंडल 1910 में इलाहाबाद में **सरला देवी चौधुरानी** द्वारा स्थापित भारत का पहला महिला संगठन था।

Q.79) भारतीय आधुनिक इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित घटनाओं को कालानुक्रम में व्यवस्थित करें।

1. कैबिनेट मिशन
2. डिकी बर्ड प्लान
3. क्रिप्स मिशन
4. वेवेल योजना और शिमला सम्मेलन

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) 1 - 3 - 4 - 2
b) 3 - 4 - 2 - 1
c) 3 - 1 - 4 - 2
d) 1 - 3 - 2 - 4

Q.79) Solution (c)

- सही क्रम: क्रिप्स मिशन (1942) - वेवेल योजना और शिमला सम्मेलन (1945) - कैबिनेट मिशन (1946) - डिकी बर्ड योजना (1947)
- **1942:** ब्रिटिश सरकार द्वारा ब्रिटिश युद्ध प्रयासों के लिए भारतीय सहयोग और समर्थन को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से मार्च 1942 में ब्रिटिश सरकार द्वारा **क्रिप्स मिशन** भेजा गया था। सर स्टेफोर्ड क्रिप्स द्वारा संचालित, इस मिशन ने भारतीय नेताओं के साथ एक समझौते पर बातचीत करने की मांग की।
- **1945:** चर्चिल के नेतृत्व वाली ब्रिटेन की कंजरवेटिव सरकार भारत में संवैधानिक प्रश्न के समाधान तक पहुंचने की इच्छुक थी। वायसराय, लॉर्ड वेवेल को भारतीय नेताओं के साथ बातचीत शुरू करने की अनुमति दी गई। लॉर्ड वेवेल ने 25 जून, 1945 को **वेवेल योजना** पर चर्चा के लिए ब्रिटिश भारत की ग्रीष्मकालीन राजधानी शिमला में महात्मा गांधी और एम ए जिन्ना सहित 21 राजनीतिक नेताओं को आमंत्रित किया।
- **1946:** एटली सरकार ने फरवरी 1946 में तीन ब्रिटिश कैबिनेट सदस्यों (पेथिक लॉरेंस, स्टैफ़ोर्ड क्रिप्स, और ए वी अलेक्जेंडर) के एक उच्च-शक्ति वाले मिशन (**कैबिनेट मिशन**) को भारत भेजने का फैसला किया, ताकि बातचीत के तरीके और मार्गों का पता लगाया जा सके, जिसका उद्देश्य भारत को सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण था। (पेथिक लॉरेंस मिशन के अध्यक्ष थे)।
- **1947: 1947 में 3 जून के माउंटबेटन प्लान** को बाल्कन प्लान, डिकी बर्ड प्लान के रूप में भी जाना जाता था, क्योंकि इसका उद्देश्य ब्रिटिश साम्राज्यवादी डिजाइनों के अनुरूप भारत को छोटे भागों में विभाजित करना था।

Q.80) निम्नलिखित में से कौन विंस्टन चर्चिल के इम्पीरियल युद्ध मंत्रिमंडल का सदस्य था तथा बाद में, संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद का पहला अध्यक्ष बना?

a) रेट्टिमिलाई श्रीनिवासन
b) मदुरई पिल्लई
c) एस सुब्रमण्यम अय्यर
d) अर्काट रामास्वामी मुदलियार

Q.80) Solution (d)

- दीवान बहादुर **अर्काट रामास्वामी मुदलियार** (14 अक्टूबर 1887 - 17 जुलाई 1976)
  - वह एक वकील, राजनयिक और राजनेता थे।
  - उन्होंने जस्टिस पार्टी के नेता के रूप में प्रथम गोलमेज सम्मेलन में पार्टी का प्रतिनिधित्व किया। तीसरे गोलमेज़ सम्मलेन में भी भाग लिया।
  - उन्होंने 1942 से 1945 के दौरान डब्ल्यू. चर्चिल के **शाही युद्ध मंत्रिमंडल के सदस्य** के रूप में कार्य किया।
  - वह प्रशांत युद्ध परिषद में भारतीय प्रतिनिधि थे।
  - उन्होंने 23 जनवरी 1946 - 23 जनवरी 1947 की अवधि के दौरान **संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद के पहले अध्यक्ष** के रूप में कार्य किया।

- उन्होंने मैसूर साम्राज्य के अंतिम दीवान के रूप में भी काम किया तथा 1946 से 1949 तक इस पद पर रहे।

Q.81) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

अवधि / युग	अभिलक्षणिक विशेषता
1. पुरापाषाण युग	पत्थरों के छोटे औज़ार (microliths)
2. मध्य पाषाण युग	मृदभांडों का आविष्कार
3. नवपाषाण काल	आग की खोज

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.81) Solution (d)

- भारतीय पाषाण युग को मुख्य रूप से तीन प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है:
  - पुरापाषाण युग (5,00,000–10,000 ईसा पूर्व) - शिकारी और भोजन एकत्रित करने वाले
  - मध्य पाषाण युग (10,000–6000 ईसा पूर्व) - शिकारी और पशुचारण
  - नवपाषाण युग (6,000–1000 ईसा पूर्व) - खाद्य उत्पादन चरण।
- पुरापाषाण युग के दौरान मनुष्य को कृषि, गृह निर्माण, मृदभांड या किसी भी धातु का ज्ञान नहीं था। यह केवल उत्तरवर्ती चरणों में हुआ था, जब उन्हें अग्नि का ज्ञान प्राप्त किया। मनुष्य, इस अवधि के दौरान, बिना पॉलिश किए हुए, बड़े खुरदरे पत्थरों के औज़ारों का उपयोग करता था - जिनमें मुख्य रूप से हाथ की कुल्हाड़ियाँ, विदारक (cleavers), चॉपर्स, ब्लेड और खुरचनी (स्क्रेपर्स) थे।
- मध्य पाषाण युग के विशिष्टीकृत उपकरण पत्थर के छोटे औज़ार (microliths) थे (लघु पत्थर के औजार आमतौर पर क्रिप्टो-क्रिस्टलीय सिलिका, स्फटिक (chalcedony) या शिष्ट (chert) से बने होते हैं, ये दोनों ज्यामितीय और गैर-ज्यामितीय आकार के होते हैं)। वे न केवल स्वयं में उपकरण के रूप में उपयोग किए जाते थे, बल्कि उन्हें लकड़ी या हड्डी के हैंडल पर रखने के बाद मिश्रित उपकरण, भाला (spearheads), तीर (arrowheads) और हंसुआ बनाने के लिए भी इस्तेमाल किया जाता था।
- नवपाषाण युग के समुदायों ने पहले हाथ से और फिर कुम्हार के चाक की मदद से मृदभांड बनाए। उनके मृदभांडों में काले जले हुए मृदभांड, धूसर मृदभांड शामिल थे।

Q.82) निम्नलिखित में से किस पूर्व-ऐतिहासिक स्थल से तीनों काल, नवपाषाण, ताम्रपाषण और लौह युगीन बस्तियों की उपस्थिति पाई गई थी?

a) पिकलीहल
b) कोल्डिहवा
c) बुर्जहोम

d) पैयमपल्ली

Q.82) Solution (b)

अपने विशिष्ट पहलुओं के साथ कुछ महत्वपूर्ण उत्खनित नवपाषाण स्थल इस प्रकार हैं:

- जम्मू-कश्मीर में बर्ज़होम (अद्वितीय आयताकार कुल्हाड़ी (chopper), घरेलू कुत्तों को कब्रों में अपने मालिकों के साथ दफनाया जाना) और गुफ्फक्राल (गड्ढे में रहने के लिए प्रसिद्ध, पत्थर के औजार और घरों के भीतर स्थित कब्रिस्तान) प्रमुख हैं
- मास्की, ब्रह्मगिरि, पिकलिहल (मवेशी चराने का प्रमाण), बुदिहाल (सामुदायिक भोजन तैयार करना और दावत देना), और कर्नाटक में टेककलकोटा।
- तमिलनाडु में पय्यमपल्ली और आंध्र प्रदेश में उतनूर
- मेघालय में गारो पहाड़ियां, बिहार में चिरांद (हड्डी के औजार का विशेष रूप से उपयोग, जो विशेष रूप से सींग (antlers) से बने हुए थे)
- सरायखोला, तक्षशिला के निकट पोटवार पठार, अमरी, कोटदीजी और मेहरगढ़ (सबसे प्राचीन नवपाषाण स्थल, जिसे बलूचिस्तान का ब्रेडबास्केट (रोटी की टोकरी) कहा जाता है, पाकिस्तान का एक प्रांत है)
- कोल्डिहवा, बेलन घाटी में (तीनों नवपाषाण, ताम्रपाषण और लौह युगीन बस्तियों की उपस्थिति के मामले में अद्वितीय है), कोल्डीहवा और महागारा, इलाहाबाद के दक्षिण में (सीधे हाथ से बने मृदभांड के साथ गोलाकार झोपड़ियों के कई हिस्से मिले हैं; विश्व में सबसे प्राचीन चावल की खेती के साक्ष्यों में से एक)
- चोपानी - मांडो, बेलन घाटी (मृदभांडों के उपयोग का सबसे पहला साक्ष्य)
- बेलन घाटी, विंध्य के उत्तरी इलाकों पर, और नर्मदा घाटी के मध्य भाग में (पुरापाषाण बस्ती के तीनों चरणों के साक्ष्य, जिसके बाद मध्य पाषाणिक और नवपाषाणिक बस्तियाँ हैं)

Q.83) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

हड़प्पाई स्थल	नदी
1. मोहनजोदड़ो	सिंधु (Indus)
2. कालीबंगा	सिंध (Sindh)
3. आलमगीरपुर	हिंडन
4. हड़प्पा	सतलुज
5. लोथल	भोगवा

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1, 3 और 4
b) केवल 1, 2 और 5
c) केवल 1, 3 और 5
d) केवल 2, 4 और 5

Q.83) Solution (c)

नदियों के साथ कुछ महत्वपूर्ण हड़प्पा स्थल, जिन पर यह स्थित है:

- **सिंधु (Indus) - मोहनजोदड़ो (पाकिस्तान)**, चन्हुद्डो (पाकिस्तान)।
- **रावी - हड़प्पा** (पाकिस्तान)।
- **घग्गर - कालीबंगन** (राजस्थान)।
- सतलज - रोपड़ (पंजाब)।
- सिंध (Sindh) - कोट दीजी (पाकिस्तान), अमरी (पाकिस्तान)।
- रंगोई - बनवाली (हरियाणा)।
- **हिण्डन - आलमगीरपुर** (उत्तर प्रदेश)।
- **भोगवा** (साबरमती की सहायक नदी) - **लोथल** (गुजरात)।

Q.84) हड़प्पा सभ्यता के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. सड़कों को ग्रिड पैटर्न के साथ बनाया गया था।
2. शासक वर्ग द्वारा बसाए गए दुर्ग (citadels), शहर के पूर्वी भाग में बनाए गए थे।
3. पत्थर से बने महान स्नानागार का उपयोग अनुष्ठानिक स्नान के लिए किया गया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा गलत है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) केवल 3
d) केवल 2 और 3

Q.84) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	असत्य
हड़प्पा शहरों की सबसे विशिष्ट विशेषताओं में से एक सावधानीपूर्वक नियोजित जल निकासी प्रणाली थी। सड़क और गलियों को समकोण (90°) कोणों पर काटकर लगभग 'ग्रिड' पैटर्न के साथ बनाया गया था।	हड़प्पा सभ्यता में **दुर्ग या गढ़ (Citadels or Acropolis) शहर के पश्चिम भाग में बनाए गए थे। इस पर शासक वर्ग के सदस्यों** का अधिकार था। प्रत्येक शहर में गढ़ के नीचे एक निचला शहर होता है जिसमें ईंट के घर होते हैं, और जिनमें आम लोग रहते थे।	महान स्नानागार दुर्ग टीले में स्थित था तथा इसमें अनुष्ठानिक स्नान किया जाता था। इसे पकी हुई ईंटों से बनाया गया था।

Q.85) सिंधु घाटी सभ्यता की पशुपति मुहरों (Pashupati Seal) पर निम्नलिखित में से किस जानवर की पहचान की गयी है?

1. हाथी
2. गैंडा (Rhinoceros)
3. शेर
4. भैंस
5. मृग (Antelope)

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1, 3 और 4
b) केवल 1, 4 और 5
c) केवल 1, 2, 4 और 5
d) केवल 1, 2, 3 और 5

Q.85) Solution (c)

- सींग वाली भैंस की आकृति (buffalo-horned figure) वाली पशुपति मुहर को लगभग सर्वसम्मति से शिव के रूप में पशुपति, पशुओं के भगवान के रूप में पहचाने जाते हैं - जो सबसे प्रसिद्ध और सबसे व्यापक रूप से प्रासंगिक हड़प्पाई मुहर है।
- उन्हें पैर मोड़े हुए बैठा हुआ, यानी योगिक 'पद्मासन' और व्यापक-सशस्त्र के रूप में चित्रित किया गया है। पृथ्वी की ओर इशारा करते हुए आकृति की भुजाएँ, चौड़ी और घुमावदार सींगों की योगिक प्रकृति, शक्ति संचारित करती है तथा संतुलन स्थापित करती है।
- एक हाथी और एक बाघ को बैठा आकृति के दाईं ओर चित्रित किया गया है, जबकि बाईं ओर एक गैंडे और एक भैंस को देखा गया है। इन जानवरों के अलावा तल के नीचे दो मृग दिखाए गए हैं।

Q.86) ऋग्वैदिक काल के दौरान सामाजिक-आर्थिक जीवन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. समाज स्पष्ट रूप से चार वर्णों - ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र में विभाजित था।
2. कृषि प्रमुख आर्थिक गतिविधि थी।
3. मुद्रा की इकाई निष्क थी, जो सोने की बनी हुई थी।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2 और 3
c) केवल 3
d) 1, 2 और 3

Q.86) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	असत्य	सत्य
ऋग्वैदिक या प्रारंभिक वैदिक काल (1500 - 1000 ई.पू.) के दौरान सामाजिक विभाजन कठोर नहीं थे। ऋग्वेदिक समाज से सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तनों में से एक वर्ण व्यवस्था के रूप में सामाजिक भेदभाव का उदय और वृद्धि था। उत्तर वैदिक समाज को स्पष्ट रूप से चार वर्णों में विभाजित किया गया था: जो ब्राह्मण, राजन्य या क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र थे।	चूंकि ऋग्वैदिक समाज एक पशुचारण समाज था, इसलिए पशुपालन उनकी प्रमुख गतिविधि थी। धन का मुख्य माप मवेशी थे और एक धनाढ्य व्यक्ति को गोमत के नाम से जाना जाता था, ऐसा उन्हें कहा जाता था, जिनके पास अधिक मवेशी थे। उत्तर वैदिक काल (1000 - 600 ई.पू.) के दौरान कृषि मुख्य व्यवसाय बन गया था।	ऋग्वैदिक काल में व्यापार और वाणिज्य के साक्ष्य अल्प थे, तथा वस्तु विनिमय प्रणाली पर व्यापार किया गया था। कुल मिलाकर संसाधनों पर अधिकार प्राप्त वंश होते थे। मुद्रा की इकाई निष्क थी, जो सोने से बनी हुई थी।

Q.87) वैदिक संस्कृति के दौरान दो लोकप्रिय राजनीतिक संगठनों, सभा और समिति के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. सभा बड़ों (elders) की एक परिषद होती थी, जबकि समिति सभी लोगों की एक सामान्य सभा थी।
2. उत्तर वैदिक काल में सभा और समिति ने अपना महत्व खो दिया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.87) Solution (c)

कथन 1	कथन 2
सत्य	सत्य
सभा और समिति नामक दो लोकप्रिय निकाय थे। सभा बड़ों की एक परिषद थी। समिति सभी लोगों की एक सामान्य सभा थी।	उत्तर वैदिक काल में, प्रशासन में मौजूदा पुरोहित, सेनानी और ग्रामिणी के अलावा बड़ी संख्या में नए अधिकारी शामिल थे। निचले स्तरों पर, ग्राम सभाओं द्वारा प्रशासन किया जाता था। उत्तर वैदिक काल में सभा और समिति का महत्व कम हो गया था।

Q.88) बिम्बिसार के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. वह मगध साम्राज्य के शिशुनाग वंश से संबंधित थे।
2. उन्होंने वैवाहिक गठबंधनों द्वारा अपनी स्थिति को मजबूत किया।
3. वह वर्धमान महावीर और गौतम बुद्ध दोनों के समकालीन थे।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.88) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	सत्य
बिम्बिसार (**546–494** ईसा पूर्व) मगध साम्राज्य के हर्यंक वंश से संबंधित थे। उनकी राजधानी राजगृह (गिरिराज) थी, जो एक प्रभावशाली शहर था और पाँच	उन्होंने तीन वैवाहिक गठबंधनों द्वारा अपनी स्थिति मजबूत की। विभिन्न शासकों के साथ विवाह संबंधों ने भारी कूटनीतिक प्रतिष्ठा दी तथा मगध के पश्चिम और उत्तर	वह गौतम बुद्ध और वर्धमान महावीर दोनों के समकालीन थे। हालांकि, दोनों धर्मों ने उन्हें अपने समर्थक और भक्त के रूप में दावा किया है।

पहाड़ियों से घिरा हुआ लगभग अभेद्य था, जिसमें सभी तरफ पत्थर की दीवारों वाले द्वार खुलते थे।	की ओर विस्तार का मार्ग प्रशस्त किया। उनकी पहली पत्नी कोशल की महाकोशल (प्रसेनजित की बहन) थी, जिन्हें दहेज में काशी का क्षेत्र मिला था, जिससे 1,00,000 सिक्कों का राजस्व प्राप्त होता था। उन्होंने वैशाली की लिच्छवी राजकुमारी चेल्लना, से शादी की थी।	

Q.89) पूर्व से पश्चिम की ओर, निम्नलिखित 'महाजनपदों' को व्यवस्थित करें।

1. अंग
2. अवंति
3. कोशल
4. मगध

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) 2 - 4 - 3 - 1
b) 2 - 3 - 4 - 1
c) 1 - 4 - 3 - 2
d) 1 - 3 - 4 - 2

Q.89) Solution (c)

सही क्रम (पूर्व से पश्चिम): अंग - मगध - कोशल - अवंति।

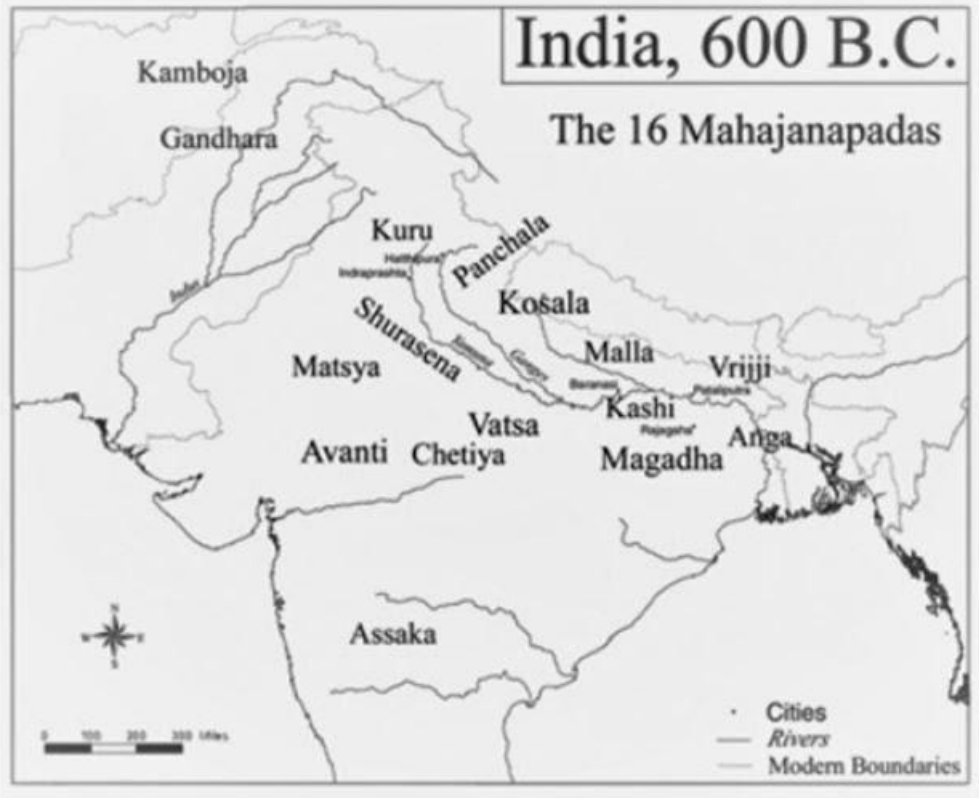

Q.90) निम्नलिखित में से कौन मौर्य प्रशासन में राजस्व विभाग का प्रमुख था और साम्राज्य के सभी राजस्व के संग्रह का प्रभारी था?

a) युक्ता (Yuktas)
b) समाहर्ता (Samharta)
c) रज्जुक (Rajukas)
d) निकाय (Nikayas)

Q.90) Solution (b)

- मौर्य काल को नवीन प्रशासनिक परिवर्तनों और एक विस्तृत प्रशासन द्वारा चिह्नित किया गया था।
- राजा ने मंत्रिपरिषद नामक दिन-प्रतिदिन के प्रशासन में उनकी सहायता के लिए मंत्रियों की एक परिषद नियुक्त की।
- अमात्य (सभी उच्च अधिकारी, परामर्शदाता, और विभागों / मंत्रियों के कार्यकारी प्रमुख) दिन-प्रतिदिन के प्रशासन की देखभाल करने वाले नागरिक अधिकारी थे।
- **निकाय (*Nikayas*)** (प्रशिक्षित अधिकारी) अधिकारियों के विभाग भी थे जो साम्राज्य के सामान्य मामलों की देखभाल करते थे।
- सभी कार्यकारी अधिकारियों में, समाहरत्री या समाहर्ता (राजस्व के प्रमुख कलेक्टर) सबसे महत्वपूर्ण थे तथा उनकी जिम्मेदारियों में सभी प्रकार के स्रोतों से खातों को बनाए रखने और करों के संग्रह करना शामिल था।
- उपर्युक्त अधिकांश अधीक्षकों ने उनके आदेशों पर कार्य किया था।
- प्रांतों को आगे राज्य-विभागों द्वारा विभाजित किया गया था, जिनके पास कोई सलाहकार परिषद नहीं थी। रज्जुक नामक अधिकारियों के तहत प्रभागों को जिलों में विभाजित किया गया था। उन्हें लेखांकन, सचिवीय और अन्य विविध कार्यों में युक्ता (क्लर्क) द्वारा सहायता प्रदान की गई थी।
- जिले उसके बाद 5 या 10 गांवों के समूहों में विभाजित किए गए थे, जिनकी अगुवाई स्थानिक (जिन्होंने कर एकत्र किए थे), और गोपों द्वारा सहायता की गई थी (जिन्होंने उचित रिकॉर्ड और खातों को बनाए रखा था)।
- ग्राम / वृद्धों (गाँव के बुजुर्गों) के परामर्श पर ग्रामिणी / ग्रामिका की अध्यक्षता में सबसे छोटी प्रशासनिक इकाई गाँव थी।

Q.91) निम्नलिखित में से कौन, मौर्यकालीन इतिहास के साहित्यिक स्रोत हैं?

1. मेगस्थनीज कृत इंडिका
2. हेमचन्द्र कृत परिशिष्टपर्वन
3. जातक कथाएँ
4. विशाखदत्त कृत मुद्राराक्षस

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 4
b) केवल 1, 2 और 4
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2, 3 और 4

Q.91) Solution (d)

- भारतीय उपमहाद्वीप के प्रारंभिक इतिहास में मौर्य काल एक उल्लेखनीय अवधि है। यह प्रथम उपमहाद्वीप साम्राज्य की स्थापना का प्रतीक है।
- मौर्य काल के स्रोत अधिक विविध हैं तथा पहले की अवधि की तुलना में अधिक प्रामाणिक माने जाते हैं। कौटिल्य के अर्थशास्त्र, मेगस्थनीज के इंडिका और रुद्रदामन प्रथम के जूनागढ़ शिलालेख जैसे साहित्यिक स्रोत हैं, जो चंद्रगुप्त के शासनकाल के दौरान एक सुदर्शन झील के निर्माण की शुरुआत का श्रेय देते हैं, तथा अशोक द्वारा जारी किए गए शिलालेख जो समकालीन इतिहास पर एक स्पष्ट प्रकाश डालते हैं।
- इस अवधि के लिए अन्य प्रमुख साहित्यिक स्रोतों में हेमचंद्र कृत परिशिष्टपर्वन (चंद्रगुप्त का जैन धर्म से संबंध स्थापित करना) शामिल हैं; 5 वीं शताब्दी का विशाखदत्त का मुद्राक्षस (चंद्रगुप्त के दुश्मनों के खिलाफ चाणक्य की चतुरता का वर्णन करने वाला एक ऐतिहासिक नाटक); दंडिन का दशकुमारचरित; बाणभट्ट का कादम्बरी अन्य प्रमुख स्रोत हैं।
- बौद्ध ग्रंथों की त्रिमूर्ति जो हमें चद्रगुप्त के जीवन का लेखा-जोखा देती हैं, अर्थात्, महावंश, मिलिंदपन्हो, और महाभाष्य; बौद्ध दीपवंश, अशोकावदान, दिव्यावदान (ये तीन ग्रंथ, साथ ही महाव्यास, हमें अशोक की जानकारी देता है); वामसत्तापकासिनी (चाणक्य और चंद्रगुप्त की गाथा पर 10 वीं शताब्दी का टीका); साथ ही, मामुलनार (Mamulanar) में समकालीन मौर्यों के दक्षिणी विस्तार का संदर्भ है।
- इन ग्रंथों के अलावा, पुराण और बौद्ध साहित्य जैसे कि जातक कथाएं मौर्यों के बारे में जानकारी प्रदान करती हैं।

Q.92) अशोक के शिलालेखों के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. वे केवल या तो प्राकृत या पाली में लिखे गए थे।
2. वे अशोक के धम्म के साथ संबंधित थे तथा उसके अधिकारियों को निर्देश भी देते थे।
3. बारहवाँ (XII) शिलालेख कलिंग के साथ उनके युद्ध के बारे में विवरण देता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा गलत है / हैं?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 1
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.92) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	असत्य
अशोक के शिलालेखों को पहली बार 1837 में जेम्स प्रिंसप ने डिक्रिप्ट किया था। वे पाली भाषा में लिखे गए थे और कुछ स्थानों पर प्राकृत का उपयोग किया गया था। कन्धार जैसे भागों में ग्रीक और आरमाइक भाषा का भी प्रयोग किया गया है।	चौदह वृहद् शिलालेख हैं। XIII (13 वां) शिलालेख कलिंग के साथ उसके युद्ध के बारे में विवरण देता है।	VII (7th) वां स्तंभ शिलालेख उनके राज्य के भीतर धम्म को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों का एक सारांश देता है।

Q.93) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

प्रणाली या प्रथा	निम्न द्वारा प्रस्तुत या आरंभ किया गया
1. सैन्य गवर्नर प्रणाली	भारतीय - यूनानी
2. सरकार की 'क्षत्रप' प्रणाली	कुषाण
3. ब्राह्मणों और बौद्ध भिक्षुओं को भूमि के रूप में शाही अनुदान देना	शक

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.93) Solution (a)

- भारतीय-यूनानी (Indo-Greeks) भारत में सिक्के (सोना, चांदी, तांबा, और निकल) जारी करने वाले पहले शासक थे, तथा भारत में सोने के सिक्के जारी करने वाले भी पहले थे (जो कुषाणों के तहत संख्या में वृद्धि हुई थी)।
- मध्य एशियाई विजेताओं ने प्रशासन में नई शैली प्रस्तुत की। मिसाल के तौर पर, भारतीय-यूनानियों ने सैन्य गवर्नर शासन की प्रथा शुरू की, जिसमें उन्होंने रणनीतिकार नाम के सैन्य गवर्नर नियुक्त किए, जबकि कुषाणों ने सरकार की 'क्षत्रप' प्रणाली आरंभ की, जिसके तहत साम्राज्य को कई क्षत्रपों में विभाजित किया गया और प्रत्येक क्षत्रपी (*satrapi*) को एक क्षत्रप (*satrap*) के अधीन रखा गया। इन प्रणालियों ने एक सामंती संगठन के विकास का नेतृत्व किया, जिसमें इन मध्य एशियाई विजेताओं ने कई छोटे राजकुमारों पर अपना वर्चस्व स्थापित किया, जिन्होंने नियमित रूप से उन्हें उपहार अर्पित किया।
- सातवाहनों ने दक्षिणापथपति (दक्षिणापथ के भगवान) की उपाधि धारण की। सातवाहनों को इतिहास में ब्राह्मणों और बौद्ध भिक्षुओं को शाही अनुदान देने की प्रथा शुरू करने के लिए जाना जाता है, जिसमें कर छूट से जुड़े लोग भी शामिल थें। गौतमीपुत्र सतकर्णी के एक शिलालेख में उल्लेख किया गया है कि ब्राह्मणों को उपहार में दी गई भूमि क्षेत्र को शाही सैनिकों द्वारा प्रवेश या परेशान नहीं किया जाना था, नमक के लिए खोदा नहीं जाएगा, राज्य के अधिकारियों के नियंत्रण से मुक्त थी, और हर तरह के परिहार (प्रतिरक्षा) का आनंद लें रही थी। उन्होंने भिक्षुओं को भी भूमि देकर बौद्ध धर्म को प्रोत्साहित किया।

Q.94) सातवाहन के बारे में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

1. शासक, गौतमीपुत्र सतकर्णी ने सिक्के जारी किए, जिस पर जहाजों (ships) की छवि अंकित की गई थी।
2. सातवाहनों का सबसे बड़ा बंदरगाह पश्चिमी दक्कन में 'कल्याणी' था।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1
b) केवल 2

c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.94) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
असत्य	**सत्य**
गौतमीपुत्र सातकर्णी का उत्तराधिकारी उनके पुत्र वशिष्ठपुत्र पुलमायी थे। पुलमायी ने सातवाहन शक्ति को कृष्णा नदी के मुहाने तक विस्तृत किया। उसने सिक्के जारी किए, जिस पर जहाजों की छवि अंकित की गई थी। वे सातवाहनों के नौसैनिक शक्ति और समुद्री व्यापार का चित्रण करते हैं।	सातवाहन का सबसे बड़ा बंदरगाह पश्चिम दक्कन पर 'कल्याणी' था। पूर्वी तट पर गंडकसेला और गंजम अन्य महत्वपूर्ण बंदरगाह थे।

Q.95) संबंधित गुप्त शासकों के साथ, निम्नलिखित उपाधियों का मिलान करें:

1. राजधिराज	A. चंद्रगुप्त - प्रथम
2. सकरी (Sakari)	B. घटोत्कच
3. महाराजधिराज	C. चंद्रगुप्त - द्वितीय
4. भारत का नेपोलियन	D. समुद्रगुप्त

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:
a) 1 – B; 2 – C; 3 – A; 4 – D
b) 1 – B; 2 – A; 3 – C; 4 – D
c) 1 – D; 2 – C; 3 – A; 4 – B
d) 1 – D; 2 – A; 3 – C; 4 – B

Q.95) Solution (a)

- गुप्त वंश के संस्थापक **श्री गुप्त** थे। इनका उत्तराधिकारी **घटोत्कच** था। इन दोनों को **महाराजा** कहा जाता था।
- **चंद्रगुप्त - I** (320 - 330 A.D.): गुप्त वंश के पहले महत्वपूर्ण राजा; जिन्होंने गुप्त साम्राज्य की नींव रखी और **महाराजाधिराज** (राजाओं के राजा) की उपाधि लिया। उन्होंने 319–20 ई. में गुप्त संवत की शुरुआत की, जो संभवतः उनकी परिग्रहण तिथि को चिह्नित करता है।
- **समुद्रगुप्त** (330 - 380 A.D.) चंद्रगुप्त प्रथम का पुत्र, जिसने युद्ध और विजय की नीति का पालन किया तथा अपने राज्य का विस्तार किया। उनके शासन का विस्तार पहले उनके तात्कालिक पड़ोसियों पर विजय से तथा फिर, पूर्व और दक्षिण के अभियानों द्वारा किया गया था, जहाँ प्रमुखों और राज्यों को अधिग्रहित किया गया था और उन्हें उपहार देने के लिए मजबूर किया गया था। उनकी इस नीति के कारण, इतिहासकार वी. ए. स्मिथ ने उन्हें '**भारत का नेपोलियन**' कहा था।

- गुप्त साम्राज्य के क्षेत्रीय विस्तार का चरम **चंद्रगुप्त - II** के शासनकाल के दौरान पहुंच गया था, जिसने अन्य शाही राजवंशों के साथ विजय और वैवाहिक गठबंधनों द्वारा अपने साम्राज्य की सीमा को बढ़ाया था। उन्होंने विक्रमादित्य की उपाधि ली, अर्थात जो सूर्य के समान शक्तिशाली और सिंहविक्रम है। पश्चिमी भारत के शक क्षत्रपों पर विजय के बाद, उन्होंने अश्वमेघ यज्ञ किया और **सकरी (*Sakari*)** की उपाधि ली जिसका अर्थ शकों का संहारक कहा गया।

Q.96) गुप्त काल के दौरान न्यायिक प्रणाली के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. नागरिक और आपराधिक कानूनों को स्पष्ट रूप से पहली बार सीमांकित किया गया था।
2. महादंडनायक का कार्यालय, जो मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य करता था, सर्वोच्च न्यायिक शक्ति रखता था।
3. शिल्पकारों के गिल्ड अपने स्वयं के कानूनों द्वारा शासित होते थे।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.96) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	सत्य
न्यायिक प्रणाली पहले के समय की तुलना में गुप्त शासकों के तहत कहीं अधिक विकसित थी। पहली बार, नागरिक और आपराधिक कानूनों को स्पष्ट रूप से सीमांकित किया गया था। चोरी और व्यभिचार आपराधिक कानून के तहत उपचारित किए गए विषय थे। विभिन्न प्रकार की संपत्ति के विवादों ने नागरिक कानून का गठन किया। विरासत के बारे में विस्तृत कानून बनाए गए थे।	हालांकि, पहले की अवधि की तरह, कानून वर्ण पदानुक्रम पर आधारित थे। सर्वोच्च न्यायिक शक्ति राजा के पास होती थी और उन्हें ब्राह्मण पुजारियों द्वारा मामलों में सहायता दी जाती थी महादण्डनायक का कार्यालय था, जिसने संभवतया मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया। उपरिक और विश्पतियों ने अपने-अपने क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र में न्यायिक कार्य किया।	व्यापारियों और शिल्पियों के अपराधियों को उनके स्वयं के कानूनों द्वारा शासित किया गया था तथा मृत्यु दंड बिल्कुल नहीं दे सकते थे (जैसा कि फा-ह्यान द्वारा विवरण दिया गया था)।

Q.97) गुप्त काल के दौरान लगाए गए हल कर (plough tax) को किस नाम से जाना जाता है

a) उपरिक
b) उद्रंग
c) वात-भूत कर (Vata-bhuta tax)
d) हलिरकर (Halirakara)

Q.97) Solution (d)

- गुप्त राजाओं ने उपज के एक-चौथाई से एक-छठे हिस्से तक अलग-अलग कर एकत्र किए। गुप्त शिलालेखों में दिखाई देने वाले दो नए कृषि कर उपारिकर (शायद अस्थायी रैयतों पर लगाया जाने वाला कर) और उद्रंग (इसकी सटीक प्रकृति स्पष्ट नहीं है, लेकिन जल कर या एक प्रकार का पुलिस कर हो सकता है) हैं।
- वात-भूत कर का भी उल्लेख है, जो हवाओं और आत्माओं के लिए किए गए संस्कारों के रखरखाव के लिए उपकर का उल्लेख करता है, तथा हलिरकर, संभवतः हल कर था। इन करों के अलावा, किसानों को शाही सेना और अधिकारियों की सेवा के लिए वृष्टि (बेगार श्रम) के अधीन किया गया था।
- वाकाटक शिलालेख में क्लिप्त (खरीद कर या बिक्री कर) और उपक्लिप्त (अतिरिक्त लघु कर) का उल्लेख है।

Q.98) निम्नलिखित पल्लव शासकों में से किसने मामल्लपुरम के बंदरगाह का निर्माण करवाया था?

a) महेंद्रवर्मन प्रथम
b) नरसिंहवर्मन प्रथम
c) महेंद्रवर्मन द्वितीय
d) नरसिंहवर्मन द्वितीय

Q.98) Solution (b)

- नरसिंहवर्मन I / महामल्ल (6308668 CE) ने अपने पिता की हार का बदला लिया और न केवल पुलकेशिन द्वितीय को हराया बल्कि पश्चिमी चालुक्य साम्राज्य पर भी आक्रमण किया और श्रीलंका के राजकुमार, मानवर्मा की मदद से बादामी पर कब्जा कर लिया और 'वातापीकोंडा' की उपाधि धारण की।
- उन्होंने केवल चालुक्यों पर ही नहीं बल्कि चोलों, चेरों और कालाभरों पर भी विजय प्राप्त की।
- अपने मित्र मानवर्मा की मदद करने के लिए दो नौसैनिक अभियानों को रवाना किया, लेकिन बाद में मानवर्मा हार गए और उन्हें अपने दरबार में राजनीतिक शरण देनी पड़ी।
- वास्तुकला के उत्साही संरक्षक और मामल्लपुरम के बंदरगाह के निर्माण के साथ, उन्होंने महाबलिपुरम में रथ के निर्माण का भी आदेश दिया। यह नरसिंहवर्मन प्रथम के सम्मान में है कि महाबलीपुरम को मामल्लपुरम भी कहा जाता है।

Q.99) चोल ग्राम प्रशासन के संदर्भ में, 'एरिवरिया' (erivariya) शब्द से क्या संदर्भित है

a) शिल्पकारों और व्यापारियों की सभा।
b) अग्रहारों में वयस्क पुरुष सदस्यों का एकत्रित होना
c) जलाशय समिति, जो पानी के वितरण संबंधी कार्यों को देखती थी
d) बंजर भूमि को कृषि भूमि में परिवर्तित करना

Q.99) Solution (c)

- चोल अपने स्थानीय स्व-शासन मॉडल के लिए प्रसिद्ध थे, जिसे पंचायती राज प्रणाली के शुरुआती उदाहरणों में से एक माना जा सकता है।
- उर गैर-ब्रह्मादेय ग्रामों (या वेल्लनवगाई ग्रामों) के स्थानीय निवासियों की सामान्य सभा है, जो बिना किसी औपचारिक नियम या प्रक्रिया के मामलों पर चर्चा करते हैं।

- ब्राह्मणों की विशेष सभा / अग्रहारों में वयस्क पुरुष सदस्यों का एकत्रीकरण होता है, अर्थात्, ये कर-मुक्त ब्रह्मादेय गांव होते थे, जिन्हें स्वायत्तता का बड़े पैमाने पर आनंद मिलता था, उन्हें सभा या महासभा के नाम से जाना जाता है।
- गाँव के मामलों का प्रबंधन एक कार्यकारी समिति द्वारा किया जाता था, जिसमें सदस्य संपत्ति रखने वाले शिक्षित व्यक्ति से या रोटेशन द्वारा चुने जाते थे। इन सदस्यों को हर तीन साल में सेवानिवृत्त होना पड़ता था। अलग-अलग समितियाँ थीं जो कानून और व्यवस्था, न्याय, जलाशय समिति जैसे कि **एरिवरिया' (erivariya)** (जिसे खेतों में पानी के वितरण को देखना पड़ता था) जैसी विभिन्न गतिविधियों की देखभाल करती थीं।

Q.100) चीनी यात्री, ह्वेन त्सांग ने निम्नलिखित में से किसके दरबार का दौरा किया था?

1. पल्लव के नरसिंहवर्मन प्रथम
2. पश्चिमी चालुक्यों के पुलकेशिन द्वितीय
3. हर्षवर्धन

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 3
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.100) Solution (d)

- चीनी बौद्ध तीर्थयात्री, ह्वेन त्सांग ने हर्ष के शासनकाल (606 - 647 A.D) के दौरान भारत का दौरा किया था। उन्होंने अपनी यात्रा का एक लंबा दस्तावेज़ छोड़ दिया है। उन्होंने महायान सिद्धांत के मूल्यों की व्याख्या की तथा दूसरों पर अपनी श्रेष्ठता स्थापित की। उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय का दौरा किया और कुछ समय के लिए एक छात्र के रूप में भी रहे।
- नरसिंहवर्मन I (630-668 A.D.) के शासनकाल के दौरान, ह्वेन त्सांग ने पल्लव की राजधानी कांचीपुरम का दौरा किया।
- पुलकेशिन II (608-642 A.D.) के शासनकाल में सबसे महत्वपूर्ण घटना ह्वेन त्सांग का इनके राज्य में भ्रमण था।

Q.101) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

वैदिक साहित्य	संबद्धता
1. ब्राह्मण	दार्शनिक ज्ञान एवं आध्यात्मिक शिक्षा
2. अरण्यक	रहस्यवाद एवं प्रतीकवाद
3. उपनिषद	यज्ञ एवं अनुष्ठान

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 1 और 3

d) 1, 2 और 3

Q.101) Solution (b)

- 'वैदिक साहित्य' शब्द का अर्थ 'वेदों पर आधारित या व्युत्पन्न साहित्य' है। वैदिक साहित्य के अंतर्गत निम्न ग्रंथ आते हैं:
  - चार वेद यानि संहिता
  - प्रत्येक संहिता से संबद्ध ब्राह्मण
  - अरण्यक, और
  - उपनिषद

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
असत्य	**सत्य**	**असत्य**
ब्राह्मण वेदों की ऋचाओं की व्याख्या करते हैं। वे गद्य में लिखे गए हैं तथा वे अपने रहस्यवादी अर्थों के साथ विभिन्न यज्ञों और अनुष्ठानों का विस्तृत वर्णन करते हैं।	अरण्यक शब्द का अर्थ 'जंगल' है तथा इन्हें मुख्य रूप से जंगलों में रहने वाले ऋषियों और शिष्यों के लिए लिखी जाने वाली 'वन पुस्तकें' कहा जाता है। ये ब्राह्मणों या उनके परिशिष्टों के निष्कर्ष हैं। वे रहस्यवाद और प्रतीकवाद से संबंधित हैं।	उपनिषद शब्द की उत्पत्ति उपनिषद (Upanisad) से हुई है जिसका अर्थ 'किसी के समीप बैठना' है। ये दार्शनिक ज्ञान और आध्यात्मिक शिक्षा से संबंधित हैं।

Q.102) दर्शन के निम्नलिखित स्कूलों में से किसने जीवन के भौतिकवादी दृष्टिकोण को उन्नत किया?

1. सांख्य
2. न्याय
3. वैशेषिक
4. मीमांसा

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 4
b) केवल 2 और 3
c) केवल 1 और 3
d) केवल 2 और 4

Q.102) Solution (c)

- सांख्य के अनुसार, संसार ईश्वर या देवत्व की तुलना में प्रकृति या प्रकृत के लिए अपने सृजन और विकास को अधिक महत्व देता है। यह भौतिकवादी विश्व दृष्टिकोण था।
- इसी प्रकार, वैशेषिक स्कुल ने भौतिक तत्वों की चर्चा को महत्व दिया और इस प्रकार इनका भौतिकवादी अभिविन्यास था।
- हालांकि, योग, न्याय, मीमांसा और वेदांत में गैर-भौतिकवादी दृष्टिकोण था।

- योग ध्यान को मोक्ष पाने के तरीके के रूप में प्रचारित करता है। न्याय ज्ञान प्राप्त करने के लिए तर्क का उपयोग करने का आह्वान करता है और इस प्रकार मोक्ष प्राप्त करता है। मीमांसा ने मुक्ति पाने के लिए वैदिक कर्मकांडों को सही ठहराने के लिए तर्क के उपयोग पर ध्यान केंद्रित किया।
- अन्त में वेदांत कहता है कि केवल ब्रह्म या आत्मा ही वास्तविकता है और बाकी सब कुछ असत्य या माया है, इसलिए ब्रह्म का ज्ञान मोक्ष का मार्ग है।

Q.103) भारत में धार्मिक ग्रंथों के संदर्भ में, 'उत्तराध्यायान सूत्त' पाठ का संबंध किससे है

a) जैन धर्म
b) बौद्ध धर्म
c) वैष्णव
d) शैव

Q.103) Solution (a)

- महावीर के उपदेश उनके शिष्यों द्वारा संकलित किए गए थे। ये अक्सर कहानियों के रूप में होते थे, जो आम लोगों से आसानी से जुड़ सकते थे।
- 'उत्तराध्यायान सूत्त' जैन साहित्य के ग्रंथों में से एक है जो प्राकृत में लिखा गया था तथा बताया गया था कि कैसे कमलावती नाम की एक रानी ने अपने पति को दुनिया त्याग करने के लिए मनाने की कोशिश की थी।

Q.104) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

भारतीय दर्शन के स्कूल	संस्थापक
1. लोकायत	मक्खली गोशाल
2. आजीवक	चार्वाक
3. जैन धर्म	महावीर

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.104) Solution (d)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
असत्य	**असत्य**	**असत्य**
चार्वाक द्वारा स्थापित चार्वाक या लोकायत को विचार के	आजीवक या, 'जीवन के मार्ग के अनुयायी', एक तपस्वी समूह थे	प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव (प्रतीक - बैल), जिनका संदर्भ ऋग्वेद और

भौतिकवादी और नास्तिक स्कूल के रूप में जाना जाता है। लोकायत सामान्य लोगों से प्राप्त विचारों को संदर्भित करता है तथा यह अन्य लोक में विश्वास की कमी दिखाते हुए संसार (लोक) के साथ अंतरंग संपर्क के महत्व को रेखांकित करता है। चार्वाक आनंदपूर्ण जीवन जीने पर जोर देता है और आध्यात्मिक मुक्ति की खोज का विरोध करता है।	जो बुद्ध और महावीर के समय में शुरू हुए, और 14 वीं शताब्दी तक पाए गए। आजीवक की स्थापना मक्खली गोशाल ने की थी। तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व मगध में आजीवक बहुत लोकप्रिय थे तथा मौर्य राजाओं ने आजीवक भिक्षुओं के सम्मान में कई गुफाएँ दान की थीं।	वायु पुराण में भी मिलता है, संस्थापक थे। वर्धमान महावीर जैन परंपरा के 24 वें तीर्थंकर थे। उनका जन्म वैशाली के पास कुंडाग्रम में क्षत्रिय माता-पिता सिद्धार्थ और त्रिशला के यहाँ हुआ था।

Q.105) भारत के धार्मिक इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. महायान सभी प्राणियों के लिए दुख से सार्वभौमिक मुक्ति में विश्वास करता है।
2. स्थिरवाद (Stharvivada) एक हीनयान संप्रदाय है।
3. महायान के विद्वानों द्वारा प्रयुक्त भाषा संस्कृत थी।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.105) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	सत्य
महायान या "महान वाहन" बौद्ध धर्म का एक स्कूल है जो बुद्ध को भगवान के रूप में मानता है तथा बुद्ध और बोधिसत्व की मूर्तियों की पूजा करता है, जो बुद्ध प्रकृति का प्रतीक हैं। महायान सभी प्राणियों (इसलिए 'महान वाहन') के लिए दुःख से सार्वभौमिक मुक्ति में विश्वास करता है।	हीनयान, छोटा वाहन, बुद्ध के मूल शिक्षण या महापुरुषों के सिद्धांत में विश्वास करता है। यह मूर्ति पूजा में विश्वास नहीं करता है तथा आत्म-अनुशासन और ध्यान के माध्यम से व्यक्तिगत मोक्ष प्राप्त करने का प्रयास करता है। हीनयान का अंतिम उद्देश्य इस प्रकार निर्वाण है। स्थिरवाद या थेरवाद एक हीनयान संप्रदाय है। अशोक ने हीनयान को संरक्षण दिया। पाली, जन भाषा का उपयोग हीनयान विद्वानों द्वारा किया गया था।	महायान का अंतिम उद्देश्य "आध्यात्मिक उत्थान" है। यह अमिताभ बुद्ध की कृपा के माध्यम से वैकल्पिक रूप से मोक्ष प्राप्त करने की अनुमति देता है तथा विश्वास और बुद्ध की मानसिकता के लिए अपने आप को समर्पित करता है। महायान की भाषा मुख्य रूप से संस्कृत थी।

Q.106) बुद्ध के पूर्व जन्मों की कहानियाँ, जातक कथाएं निम्नलिखित में से किसका एक हिस्सा हैं?

a) दीग्घ निकाय
b) अंगुत्तर निकाय
c) खुदक्क निकाय
d) मज्झिम निकाय

Q.106) Solution (c)

- तीनों पिटकों को निकायों (पुस्तकों) में विभाजित किया गया है। उदाहरण के लिए, सूक्त पिटक में पाँच निकाय शामिल हैं: दीघ निकाय (लंबे प्रवचनों का संग्रह), मज्झिम निकाय (मध्यम लंबाई के प्रवचनों का संग्रह), सम्युक्त निकया (दयालु प्रवचनों का संग्रह), अंगुत्तर निकाय (संख्या के अनुसार व्यवस्थित प्रवचनों का संग्रह), और खुद्दक निकाय (छोटे संग्रह)।
- खुद्दक निकाय को पन्द्रह पुस्तकों में विभाजित किया गया है, उनमें से प्रमुख हैं जातक (बुद्ध के पूर्व जन्मों की कहानियाँ), धम्मपद (नैतिक कथनों से संबंधित छंद), निदेस (प्रतिपादन/ expositions), बुद्धवंश (बुद्ध का इतिहास)। पतिसंबिदा (विश्लेषणात्मक ज्ञान), थेरगाथा और थेरिगाथा (बौद्ध भिक्षुओं और भिक्षुणियों के गीत)।

Q.107) जैन धर्म के "त्रिरत्न" में निम्नलिखित में से कौन शामिल हैं?

1. सम्यक ज्ञान
2. सम्यक विचार
3. सम्यक चरित्र
4. सम्यक दर्शन
5. सम्यक वाक्

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1, 2 और 4
b) केवल 2, 3 और 5
c) केवल 1, 3 और 4
d) केवल 3, 4 और 5

Q.107) Solution (c)

- जैन धर्म में तीन रत्नों (जिन्हें रत्नत्रय भी कहा जाता है) को सम्यक दर्शन ('सही विश्वास'), सम्यक ज्ञान ('सही ज्ञान') और सम्यक चरित्र ('सही कार्य') के रूप में समझा जाता है।
- तीनों में से कोई एक-दूसरों से मुक्त होकर अनन्य अस्तित्व में नहीं हो सकता है, तथा सभी का होना आध्यात्मिक मुक्ति के लिए आवश्यक है यानी सांसारिक बंधनों से मुक्ति की प्राप्ति को सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन और सम्यक चरित्र के माध्यम से किया जा सकता है।
- बौद्ध धर्म में त्रिरत्न में बुद्ध, धम्म (सिद्धांत, या शिक्षा), और संघ (मठ व्यवस्था, या समुदाय) शामिल हैं। कोई यह कहकर बौद्ध बन जाता है कि 'मैं बुद्ध की शरण में जाता हूं, मैं धम्म की शरण में जाता हूं, मैं संघ की शरण के लिए जाता हूं।'

Q.108) जैन धर्म और बौद्ध धर्म के बीच समानता के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

1. दोनों ने वेदों की सत्ता को अस्वीकृत कर दिया तथा मोक्ष प्राप्त करने के साधन के रूप में मानवीय प्रयास पर जोर दिया।
2. दोनों ने ब्राह्मणों सहित अन्य सभी वर्णों पर क्षत्रिय वर्ण की श्रेष्ठता पर ध्यान केंद्रित किया।
3. दोनों ने सभी जातियों और सामाजिक पृष्ठभूमि के लोगों का स्वागत किया।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.108) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	सत्य
बौद्ध धर्म और जैन धर्म दोनों ने वेदों की सत्ता को अस्वीकार कर दिया, मोक्ष प्राप्त करने के साधन के रूप में त्याग और मानव प्रयास पर जोर दिया, तथा पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए एक मठवासी व्यवस्था की स्थापना की। बौद्ध धर्म की तरह, जैन धर्म मौलिक रूप से नास्तिक है; यद्यपि यह देवताओं के अस्तित्व को पहचानता है, फिर भी यह उन्हें विषयों की सार्वभौमिक योजना में महत्व देने से इनकार करता है और देवताओं को जिन (विजेता) से नीचे रखता है।	जैन और बौद्ध दोनों ही ब्राह्मणों सहित अन्य सभी वर्णों पर क्षत्रिय वर्ण की श्रेष्ठता पर केंद्रित थे। वे दोनों ब्राह्मण के अर्थ को एक नया अर्थ देने का प्रयास करते थे, जो कि अच्छे कार्यों द्वारा प्राप्त की गई स्थिति पर बल देते हुए जोर देते थे। वे एक बुद्धिमान व्यक्ति को स्वीकार करने के अर्थ में 'ब्राह्मण' शब्द का उपयोग करते हैं, जो सच्चा ज्ञान रखता है और एक अनुकरणीय जीवन जीता है।	बौद्ध संघ व्यवस्था की तरह, जैन धर्म में सभी जाति और सामाजिक पृष्ठभूमि के लोगों का स्वागत किया गया। हरिकेशिया नाम के एक विद्वान जैन भिक्षु के बारे में अक्सर उल्लेख मिलता है, जो एक चांडाल परिवार के थे। ब्राह्मण वर्ण का प्रतिनिधित्व भद्रबाहु, दिवाकर, जिनसेन और हरिभद्र द्वारा किया जाता था। इसी तरह, जैन धर्म ने महिला भिक्षुणियों के लिए अपने दरवाजे खोले, जिन्हें आर्यिका या साध्वी के रूप में संबोधित किया जाता था।

Q.109) अशोक के बौद्ध धर्म में धर्मांतरण के बारे में कौन से शिलालेख में उल्लेख है?

a) हाथीगुम्फा अभिलेख
b) भाब्रू अभिलेख
c) कलसी अभिलेख
d) रुम्मिनदेई अभिलेख

Q.109) Solution (b)

- भाब्रु अभिलेख कहता है कि उपगुप्त के प्रभाव में अशोक बौद्ध बन गया था।
- रुम्मिनदेई अभिलेख बुद्ध के जन्मस्थान लुंबिनी के बारे में वर्णन करता है।
- उत्तर भारत में अशोक का एकमात्र अभिलेख, कलसी अभिलेख है। यह देहरादून में स्थित है।

Q.110) बौद्ध परिषदों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

a) प्रथम बौद्ध परिषद महाकस्सप्प की अध्यक्षता में राजगृह में आयोजित की गई थी।
b) वसुमित्र ने वैशाली में आयोजित द्वितीय बौद्ध परिषद की अध्यक्षता की थी।
c) तृतीय बौद्ध परिषद पाटलिपुत्र में अशोक के संरक्षण में आयोजित की गई थी।

d) चौथी बौद्ध परिषद कश्मीर में कनिष्क द्वारा आयोजित की गई थी।

Q.110) Solution (b)

बौद्ध परिषद	स्थान	शासक	अध्यक्ष
पहला (483 ईसा पूर्व)	राजगृह	अजातशत्रु	महकस्सप
दूसरा (383 ईसा पूर्व)	वैशाली	कालाशोक	सब्बकामी
तीसरा (250 ईसा पूर्व)	पाटलिपुत्र	अशोक	मोगलिपुत्त तिस्स
चौथी (पहली शताब्दी ईसा)	कश्मीर	कनिष्क	वसुमित्र

वैशाली में आयोजित दूसरी बौद्ध परिषद की अध्यक्षता सब्बाकामी ने की। इसलिए विकल्प (b) गलत है।

Q.111) तीन 'संगम' या तमिल कवियों का 'एक मिलन, निम्नलिखित में से किसके संरक्षण में बुलाई गई हैं?

a) चेर
b) चोल
c) पांड्य
d) पल्लव

Q.111) Solution (c)

- संगम युग दक्षिण भारत के प्रारंभिक इतिहास में उस अवधि को संदर्भित करता है, जब तमिल में बड़ी संख्या में कविताओं की रचना कई लेखकों ने की थी। 'संगम' शब्द का तात्पर्य तमिल कवियों की सभा या मिलन से है।
- माना जाता है कि मदुरै के पांड्य राजाओं के संरक्षण में तीन संगमों या सभाओं को एक के बाद एक विभिन्न स्थानों पर बुलाया गया था।
- कविताओं को पुराने समय के मार्मिक गीतों पर आधारित किया गया था, तथा अंत में कवियों द्वारा लिखे जाने से पहले उन्हें अनिश्चित काल के लिए मौखिक रूप से प्रसारित किया गया था।

संगम	संगम का स्थान	अध्यक्ष	परिणाम / प्रासंगिक तथ्य
प्रथम	थेनमदुरै (Thenmadurai)	अगस्त्य	इस सभा के कोई अवशेष नहीं बचे हैं।
द्वितीय	कपाटपुरम	अगस्त्य तोलकप्पियार (अगस्त्य का एक शिष्य)	तोल्कपियर द्वारा केवल तोल्कापियम (एक तमिल व्याकरण) अभी मौजूद है।
तृतीय	मदुरै	नक्किरर्	मौजूदा संगम साहित्य के संपूर्ण कोष को संरचित करता है।

Q.112) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

दर्शन	संस्थापक
1. द्वैत	शंकराचार्य
2. विशिष्टाद्वैत	रामानुज
3. शुद्धाद्वैत	निम्बार्क
4. द्वैताद्वैत	वल्लभाचार्य

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है?

a) केवल 1 और 4
b) केवल 2 और 3
c) केवल 1, 2 और 3
d) केवल 1, 3 और 4

Q.112) Solution (d)

- नौवीं शताब्दी में शंकराचार्य ने हिंदू धर्म को एक नया उन्मुखीकरण देते हुए एक हिंदू पुनरुत्थानवादी आंदोलन आरंभ किया। उनका जन्म केरल के कलाडी में हुआ था। अद्वैत या अद्वैतवाद के उनके सिद्धांत का सार आम जन को बहुत आकर्षित करने वाला था। इसके अलावा, सगुणब्रह्मण (गुणों के साथ ईश्वर) के विचार के उदय के साथ निर्गुणब्रह्मण (गुणों के बिना ईश्वर) की अद्वैत अवधारणा के विरुद्ध प्रतिक्रिया भी हुई।
- बारहवीं शताब्दी में, आधुनिक चेन्नई के पास श्रीपेरुम्बुदूर में पैदा हुए रामानुज ने विशिष्टद्वैत का प्रचार किया। उनके अनुसार भगवान सगुणब्रह्मण हैं। रचनात्मक प्रक्रिया और सृष्टि की सभी वस्तुएं वास्तविक हैं, माया नहीं है जैसा कि शंकराचार्य द्वारा कहा गया था। इसलिए, ईश्वर, आत्मा, पदार्थ वास्तविक हैं। लेकिन ईश्वर आंतरिक पदार्थ है और बाकी उसके गुण हैं।
- तेरहवीं शताब्दी में, कन्नड़ क्षेत्र के माधव ने जीवात्मा और परमात्मा के द्वैत या द्वैतवाद का प्रचार किया। उनके दर्शन के अनुसार, संसार एक माया नहीं है बल्कि एक वास्तविकता है। ईश्वर, आत्मा, पदार्थ प्रकृति में अद्वितीय हैं।
- निम्बार्क का द्वैतवाद: द्वैतवाद का अर्थ द्वैतवादी अद्वैतवाद है। इस दर्शन के अनुसार भगवान ने स्वयं को संसार और आत्मा में बदल लिया है। यह संसार और आत्मा ईश्वर (ब्रह्म) से अलग है। वे केवल ईश्वर के सहारे जीवित रह सकते थे। वे अलग हैं लेकिन निर्भर हैं।
- वल्लभाचार्य की शुद्धाद्वैत: वल्लभाचार्य ने वेदांत सूत्र और भगवद्गीता पर भाष्य लिखे। उसके लिए ब्राह्मण (भगवान) श्री कृष्ण थे जिन्होंने स्वयं को आत्मा और पदार्थ के रूप में प्रकट किया। ईश्वर और आत्मा अलग-अलग नहीं हैं, बल्कि एक हैं। उनका ज़ोर शुद्ध गैर-द्वैतवाद पर था। उनके दर्शन को पुष्टिमार्ग (अनुग्रह का मार्ग) के रूप में जाना जाता था तथा स्कूल को रुद्रसम्प्रदाय कहा जाता था।

Q.113) मध्यकालीन भारत के धार्मिक इतिहास में सूफी आंदोलनों के विकास के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह खलीफा के बढ़ते भौतिकवाद के विरोध में उठा था।
2. सूफियों ने धर्मशास्त्रियों द्वारा कुरान की कट्टर व्याख्या की आलोचना की।

3. सभी सिलसिलों के सूफियों ने 'शरीयत' कानूनों को नकार दिया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.113) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य
इस्लाम के शुरुआती शताब्दियों में, धार्मिक उत्साही वाले लोगों का एक समूह जिसे 'सूफी' कहा जाता है,के द्वारा धार्मिक और राजनीतिक संस्था के रूप में खलीफा के बढ़ते भौतिकवाद के विरोध में तप और रहस्यवाद पर बल दिया गया।	सूफियों ने धर्मशास्त्रियों द्वारा अपनाई गई 'कुरान और सुन्नत' (पैगंबर की परंपराओं) की व्याख्या करने की कट्टर परिभाषाओं और विद्वानों के तरीकों की आलोचना की। इसके बजाय उन्होंने ईश्वर के प्रति गहन श्रद्धा और प्रेम के माध्यम से मोक्ष प्राप्त करने पर जोर दिया।	कुछ सूफियों ने सूफी सिलसिलों की कटटरवादी व्याख्या के खिलाफ आंदोलन शुरू किया। उन्होंने अनुष्ठानों को नजरअंदाज कर दिया और अत्यधिक तपस्वियों का पालन किया, ब्रह्मचर्य का पालन किया, आदि वे अलग-अलग नामों से जाने जाते थे, जैसे - 'कलंदर', 'मदारी', 'मलंग्स', 'हैदरी', आदि। उनकी जानबूझकर अवज्ञा के कारण उन्हें , बे-शरा, शरीयत के नाम से जाना जाता था। उन सूफियों के विपरीत, जिन्होंने शरीयत (बा-शरा) का अनुपालन किया था।

Q.114) संगम कालीन निम्नलिखित शब्दों पर विचार करें:

शब्द	संबद्धता
1. पलै (Palai)	बंजर भूमि
2. पनार (Panar)	गायन मंडली
3. पट्टीनापलै (Pattinappalai)	सीमा-शुल्क अधिकारी

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 1 और 2

d) 1, 2 और 3

Q.114) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	**सत्य**	**सत्य**
तोल्काप्पियम भूमि के पांच-प्रकार के विभाजन को संदर्भित करता है - कुरिनजी (पहाड़ी क्षेत्र), मुलई (पशुचारगाह), मरुदम (कृषि), नेयदाल (तटीय) और पलै (मरुस्थल)।	संगम युग के लोगों के बीच कविता, संगीत और नृत्य लोकप्रिय थे। शाही दरबार पनार और विरालियार नामक गायन मंडलों की भीड़ थी। वे लोक गीत और लोक नृत्यों के विशेषज्ञ थे।	भू-राजस्व राज्य की आय का मुख्य स्रोत था जबकि विदेशी व्यापार पर सीमा-शुल्क भी लगाया जाता था। पट्टिनाप्पलै पुहार के बंदरगाह में कार्यरत सीमा-शुल्क अधिकारियों को संदर्भित करता है।

Q.115) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. दशमलव स्थान मूल्य प्रणाली का सबसे पुराना ज्ञात योग्य प्रमाण पिंगल के छंदसूत्र में पाया जा सकता है।
2. वराहमिहिर का पंचसिद्धांत शून्य का प्रतीक और संख्या दोनों के रूप में उपयोग करने वाला सबसे पुराना ज्ञात योग्य पाठ था।
3. अष्टांगसमग्र (Ashtangasamgraha) खगोल विज्ञान पर पहले ग्रंथों में से एक था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.115) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	**सत्य**	**असत्य**
सुल्वसूत्र उस स्थल की तैयारी के लिए मैनुअल थे जहाँ वैदिक यज्ञ अनुष्ठान किए जाने थे तथा उन्होंने ज्यामिति की नींव रखी। गणित शास्त्र (गणित) कहीं अधिक उन्नत था क्योंकि दशमलव स्थान मान प्रणाली का सबसे पुराना ज्ञात योग्य प्रमाण ज्योतिष पर एक तीसरी शताब्दी के कार्य में पाया जा सकता है जिसे **सफ़ुजिध्वजा**	लेकिन इससे भी पहले के काम में, पिंगल के छंदसूत्र, शून्य प्रतीक का उल्लेख मैट्रिक्स में प्रयुक्त डॉट के रूप में करता है। वराहमिहिर का **पंचसिद्धांत, जो गुप्त काल से संबंधित था, शून्य का प्रतीक और संख्या दोनों के रूप में उपयोग करने के लिए सबसे आरंभिक ज्ञात पाठ था।**	चिकित्सा के क्षेत्र में, वाग्भट्ट इस अवधि के थे। वह प्राचीन भारत की महान चिकित्सा तिकड़ी के अंतिम विद्वान थे। अन्य दो विद्वान चरक और सुश्रुत गुप्त युग से पहले के थे। **वाग्भट अष्टांगसमग्रह (चिकित्सा की आठ शाखाओं का सारांश) के लेखक** थे। सुश्रुत की सुश्रुत संहिता शल्य

(Sphujidhvaja) द्वारा **यवनजटक (Yavanajataka)** कहा जाता है (जो कि शून्य का उल्लेख नहीं करता है)।		चिकित्सा से संबंधित है।

Q.116) अभिधर्मकोश, आज भी बौद्ध धर्म का एक महत्वपूर्ण विश्वकोश माना जाता है, यह निम्नलिखित में से किसके द्वारा लिखा गया था?

a) बुद्धघोष
b) धर्मकीर्ति
c) वसुबंधु
d) अश्वघोष

Q.116) Solution (c)

- असंग और वसुबंधु दो भाई थे, जिन्होंने चौथी शताब्दी ईस्वी में पंजाब क्षेत्र में प्रचार-प्रसार किया था।
- असंग अपने गुरु मैत्रेयनाथ द्वारा स्थापित योगाचार या विज्ञानवाद स्कूल के सबसे महत्वपूर्ण शिक्षक थे।
- वसुबंधु का सबसे महत्त्वपूर्ण कार्य, 'अभिधर्मकोश', अभी भी बौद्ध धर्म का एक महत्वपूर्ण विश्वकोश माना जाता है।
- अश्वघोष संस्कृत में 'बुद्धचरित' के लेखक हैं।
- पांचवीं शताब्दी में रहने वाले बुद्धघोष एक महान पाली विद्वान थे। उनका सबसे प्रसिद्ध कार्य 'विशुद्धिमग्गा' (शुद्धिकरण का मार्ग) है', जो बुद्ध के मोक्ष के थेरवाद की अवधारणा का एक व्यापक सारांश और विश्लेषण है।
- दिङ्नाग को बौद्ध तर्क के संस्थापक के रूप में जाना जाता था। धर्मकीर्ति जो सातवीं शताब्दी ईस्वी में रहते थे, एक महान बौद्ध तर्कशास्त्री, सूक्ष्म दार्शनिक विचारक और वार्ताकार थे।

Q.117) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

साहित्यिक कार्य	लेखक
1. रघुवंशम्	कालिदास
2. देवीचन्द्रगुप्तम	दंडिन
3. मृच्छकटिकम्	शूद्रक
4. पंचतंत्र की कहानियाँ	विशाखदत्त
5. किरातार्जुनीयम्	भारवि

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1, 2 और 4

b) केवल 3, 4 और 5
c) केवल 1, 3 और 5
d) केवल 1, 2, 3 और 4

Q.117) Solution (c)

- गुप्त काल में संस्कृत भाषा प्रमुख हो गई थी। नागरी लिपि ब्राह्मी लिपि से विकसित हुई थी।
- चन्द्रगुप्त द्वितीय का दरबार प्रतिष्ठित नवरत्नों द्वारा सुशोभित था। उनके बीच कालिदास सबसे महत्त्वपूर्ण थे। उनका मुख्य कार्य संस्कृत नाटक शकुंतला था। इसे संसार की 'सौ सर्वश्रेष्ठ पुस्तकों' में से एक माना जाता है। उन्होंने दो अन्य नाटक - मालविकाग्निमित्र और विक्रमोवर्शियम लिखे। उनके दो प्रसिद्ध महाकाव्य रघुवंश और कुमारसंभव हैं। ऋतुसंहार और मेघदुत उनके दो गीत काव्य हैं।
- विशाखदत्त इस अवधि के एक और प्रतिष्ठित लेखक थे। वह दो संस्कृत नाटकों, मुदाराक्षस और देवीचंद्रगुप्तम के लेखक थे।
- शुद्रक इस युग के एक प्रसिद्ध कवि थे तथा उनकी पुस्तक मृच्छकटिकम हास्य और करुणा में समृद्ध है।
- भारवि की किरातार्जुनीयम् अर्जुन और शिव के बीच संघर्ष की कहानी है। दंडिन कविदास और दासकुमारचारित के लेखक थे।
- इस अवधि का एक अन्य महत्वपूर्ण कार्य वासवदत्ता, सुबंधु द्वारा लिखा गया था। गुप्त काल के दौरान पंचतंत्र की कहानियां विष्णु शर्मा द्वारा रची गई थीं। बौद्ध लेखक अमरसिंह ने अमरकोश नाम के एक ग्रंथ की रचना की।

Q.118) निम्नलिखित विदेशी यात्रियों में से किसने गंगा की घाटी को 'ब्राह्मणवाद की भूमि' (land of Brahmanism) कहा था?

a) मेगस्थनीज़
b) मार्को पोलो
c) टॉलेमी
d) फा ह्यान

Q.118) Solution (d)

- प्रसिद्ध चीनी तीर्थयात्री फ़ा ह्यान ने चंद्रगुप्त द्वितीय के शासनकाल के दौरान भारत का दौरा किया था। अपने नौ साल भारत में रहने के बाद, उन्होंने गुप्त साम्राज्य में छह साल बिताए। फा ह्यान गुप्त साम्राज्य की धार्मिक, सामाजिक और आर्थिक स्थिति पर बहुमूल्य जानकारी प्रदान करता है।
- उनके अनुसार, उत्तर पश्चिमी भारत में बौद्ध धर्म एक उत्कर्ष की स्थिति में था लेकिन गंगा की घाटी में यह उपेक्षा की स्थिति में था। वह गंगा की घाटी को 'ब्राह्मणवाद की भूमि' के रूप में संदर्भित करता है। फा-ह्यान में कपिलवस्तु और कुशीनगर जैसे कुछ बौद्ध पवित्र स्थानों की असंतोषजनक स्थिति का उल्लेख है। उनके अनुसार साम्राज्य की आर्थिक स्थिति समृद्ध थी।

Q.119) शासक कनिष्क द्वारा निम्नलिखित महान विद्वानों और प्रख्यात व्यक्तित्वों में से किसे संरक्षण दिया गया था?

1. अगेसीलौस (Agesilaus)
2. नागार्जुन
3. मातंग दिवाकर
4. चरक

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1, 2 और 4
c) केवल 2, 3 और 4
d) केवल 1, 2 और 3

Q.119) Solution (b)

- कुषाण वंश के सबसे महत्वपूर्ण शासक कनिष्क (78 - 120 ई.) ने उस समय के महान विद्वानों और प्रख्यात व्यक्तित्वों का संरक्षण किया:
- अश्वघोष: एक बौद्ध विद्वान, जिन्होंने बुद्धचरित (बुद्ध की पवित्र जीवनी) लिखी तथा सौन्दरानंद (एक संस्कृत काव्य) की रचना की।
- चरक: उन्हें आयुर्वेद के पिता के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने चरकसंहिता नाम की दवा पर एक किताब लिखी थी
- वसुमित्र: एक प्रसिद्ध दार्शनिक जिनके द्वारा लिखित बौद्ध दर्शन के ज्ञानकोश को महाविभाषा कहा जाता है।
- नागार्जुन: उन्हें अक्सर एक भारतीय आइंस्टीन कहा जाता है जिन्होंने अपने समय में थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी का प्रस्ताव एक सूत्र, प्रजना परिमता सूत्र (*Prajna Parimata Sutra*) के रूप में किया। वह महायान सिद्धांत के एक महान प्रतिपादक थे और उन्होंने माध्यमिका (जिसे सूर्यवद स्कूल भी कहा जाता है) को प्रचारित किया, जो शून्यता पर केंद्रित है
- मथारा: वह एक मंत्री थे जो अपने असामान्य बुद्धिमत्ता के लिए जाने जाते थे।
- अगेसीलौस: एक यूनानी इंजीनियर, जिनके मार्गदर्शन में, यह माना जाता है, पुरुषपुर का महान स्तूप बनाया गया था।
- हर्षवर्धन (606 – 647 ई.) विद्या के महान संरक्षक थे। उनके जीवनी लेखक बाणभट्ट ने उनके शाही दरबार को सुशोभित किया। हर्षचरित के अलावा, उन्होंने कादम्बरी लिखी। हर्ष के दरबार में अन्य साहित्यकार मातंग दिवाकर और प्रसिद्ध वृहतहरि थे, जो कवि, दार्शनिक और व्याकरणविद थे।

Q.120) इब्न बतूता, एक विदेशी यात्री के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. वह एक इतालवी यात्री था।
2. वह मुहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल के दौरान भारत आया था।
3. उनकी यात्रा की पुस्तक को 'किताब-उल-हिंद' कहा जाता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.120) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	असत्य
मोरक्को का एक विदेशी यात्री इब्न	उन्होंने दिल्ली के सुल्तान मुहम्मद	उन्होंने अरबी में यात्रा पर

बतूता 1333 में सिंध पहुंचा।	बिन तुगलक के बारे में सुना था तथा मुल्तान और उच से गुजरते हुए उन्हें दिल्ली के लिए स्थापित एक उदार कला और ज्ञान के संरक्षक के रूप में इसकी प्रतिष्ठा ने आकर्षित किया था। सुल्तान उनकी विद्वता से प्रभावित हुए, और उन्हें दिल्ली का क़ाज़ी या न्यायाधीश नियुक्त किया।	'किताब-उल-रिहला' लिखी। 'किताब-उल-हिंद' फारस के अल-बरूनी द्वारा लिखी गई थी।

Q.121) लखुदियार शैल चित्रों (Lakhudiyar rock paintings) के बारे में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

1. मनुष्य, पशु तथा सफेद, काले और लाल गेरूआ रंगों में ज्यामितीय पैटर्न के चित्रण होते हैं।
2. अधिरोपण (superimposition) के बिना हाथ से संबद्ध नृत्य करते हुए मानव चित्र इन चित्रों की विशेषता हैं।
3. लहरदार रेखाएं, आयत में भरे ज्यामितीय डिज़ाइन और बिंदुओं के समूह (groups of dots) भी यहाँ देखे जा सकते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.121) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	सत्य
उत्तराखंड के लखुदियार में सुयाल नदी के तट पर स्थित लखुदियार के शैल आश्रयों में प्रागैतिहासिक चित्र हैं। लखुदियार का शाब्दिक अर्थ,	मनुष्य को छड़ी जैसे रूपों में दर्शाया जाता है। यहाँ दर्शाया गया दिलचस्प दृश्यों में से एक **हाथ से संबद्ध नृत्य करती मानव आकृतियों**	एक लंबी नाक वाला पशु (long-snouted animal), एक लोमड़ी और एक बहु-पैर वाली छिपकली मुख्य पशु रूपांकन हैं। **लहरदार**

एक लाख गुफाएँ हैं। यहां चित्रों को तीन श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है: **मनुष्य, जानवर और सफेद, काले और लाल गेरू में ज्यामितीय पैटर्न**।	**का है। चित्रों में कुछ अधिरोपण है।** सबसे प्राचीन काले रंग में हैं; इनके बाद लाल गेरूआ रंग के चित्र हैं और अंतिम समूह में सफेद चित्र हैं।	**रेखाएं, आयत में भरे ज्यामितीय डिज़ाइन और डॉट्स के समूह** भी यहाँ देखे जा सकते हैं।

Q.122) निम्नलिखित युग्मों का मिलान करें:

सिंधु घाटी की कलाकृतियाँ	प्रयुक्त सामग्री
1. नृत्य करती हुई लड़की	A. टेरकोटा
2. दाढ़ी रखे हुए पुजारी	B. कांसा
3. पुरुष धड़ (Male Torso)	C. बलुआ पत्थर
4. मातृदेवी	D. स्टेटाइट

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) 1 – A ; 2 – D ; 3 – C ; 4 – B
b) 1 – A ; 2 – C ; 3 – D ; 4 – B
c) 1 – B ; 2 – D ; 3 – C ; 4 – A
d) 1 – B ; 2 – C ; 3 – D ; 4 – A

Q.122) Solution (c)

सिंधु घाटी की कलाकृतियाँ	प्राप्त स्थल	प्रयुक्त सामग्री
नृत्य करती हुई लड़की	मोहनजोदड़ो	**कांसा**
दाढ़ी रखने वाला पुजारी	मोहनजोदड़ो	सोपस्टोन / **स्टेटाइट**
पुरुष धड़	हड़प्पा	लाल **बलुआ पत्थर**
मातृदेवी	मोहनजोदड़ो	**टेरकोटा**

Q.123) सिंधु घाटी सभ्यता के मृदभांडों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. मृदभांडों में मुख्य रूप से बहुत अच्छे हस्तनिर्मित होते हैं, बहुत कम चाक पर बने होते थे।
2. बहु-रंगीय (Polychrome) मृदभांड दुर्लभ थें।
3. तराशे हुए बर्तन आम थे तथा तराशी गई सजावट बर्तन के आधारों तक सीमित थी।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा ग़लत है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 1 और 3

d) इनमें से कोई भी नहीं

Q.123) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	असत्य
सिंधु घाटी के मृदभांडों में मुख्य रूप से बहुत ही उत्कृष्ट चाक पर बने हुए मृदभांड पाए गए हैं, जिसमें बहुत कम हस्तनिर्मित हैं। बहु-चित्रित बर्तन की तुलना में सादे मिट्टी के बर्तन अधिक आम थे। सादा मिट्टी के बर्तनों में महीन लाल मिट्टी या धूसर मिट्टी प्रयुक्त हुई है। इसमें घुंडी वाले बर्तन भी शामिल हैं, जो हत्थे (knobs) की पंक्तियों के साथ अलंकृत होते थे। काले पेंट वाले बर्तन में लाल रंग की रेखा की बारीक कोटिंग होती है, जिस पर ज्यामितीय और जानवरों के डिजाइनों को चमकदार काले रंग में निष्पादित किया जाता है।	**बहु -चित्रित (Polychrome) मृदभांड दुर्लभ है** तथा इसमें मुख्य रूप से लाल, काले और हरे रंग में ज्यामितीय पैटर्न से सजाए गए छोटे फूलदान शामिल हैं, कभी-कभी सफेद और पीले भी।	तराशे हुए बर्तन भी दुर्लभ थे तथा तराशी गई सजावट बर्तन के आधारों तक, सीमित थी,

Q.124) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

स्तूप स्थल	राज्य
1. जाग्यापेट	आंध्र प्रदेश
2. बैराट	मध्य प्रदेश
3. देवनीमोरी (Devnimori)	कर्नाटक

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है?

a) केवल 1
b) केवल 1 और 2
c) केवल 3
d) केवल 2 और 3

Q.124) Solution (d)

- **राजस्थान में बैराट स्तूप** एक मौर्यकालीन वृत्ताकार स्तूप-तीर्थ है (अशोक द्वारा), जो लकड़ी के छब्बीस अष्टकोणीय स्तंभों के साथ बारी-बारी से ईंट-पत्थर के चूने से बने पैनलों से बना है, जो एक खुले वर्गीय प्रांगण के चारों ओर व्यवस्थित कक्षों की एक डबल पंक्ति के साथ मठवासी अवशेष है। यह स्थान दो अशोक कालीन शिलालेखों के लिए प्रसिद्ध है और यहां महत्वपूर्ण प्राचीन बौद्ध अवशेष पाए जाते हैं।
- **देवनीमोरी स्तूप गुजरात** में शामलाजी के पास मेशवो नदी के तट पर स्थित है।
- **आंध्र प्रदेश के वेंगी में जगयपेट्टा**, अमरावती, भट्टीप्रोलू, नागार्जुनकोंडा, गोली आदि जैसे कई स्तूप स्थल हैं।

Q.125) प्रयाग प्रशस्ति में निम्नलिखित में से किस शासक का शिलालेख है?

1. अशोक
2. समुद्रगुप्त
3. जहांगीर

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.125) Solution (d)

- **इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख या प्रयाग प्रशस्ति** सबसे महत्वपूर्ण अभिलेखीय साक्ष्यों में से एक है।
- यह अशोक द्वारा बौद्ध धर्म के प्रचार के बारे में अपने अध्यादेशों को बताने के उद्देश्य से बनाया गया था।
- गुप्त सम्राट, समुद्रगुप्त (4 वीं शताब्दी ई.) के बारे में बाद में शिलालेखों में वर्णन विशेष रूप से उल्लेखनीय है।
- इसके अलावा शिला पर उत्कीर्ण मुगल सम्राट, जहाँगीर द्वारा 17 वीं शताब्दी के शिलालेख भी हैं।

Q.126) अमरावती स्कूल कला के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह स्वदेशी रूप से विकसित की गयी थी तथा बाहरी संस्कृतियों से प्रभावित नहीं थी।
2. अमरावती स्कूल की मूर्तियां सफेद पत्थर का उपयोग करके बनाई गई थीं।
3. इस स्कूल की मूर्तियों में त्रिभंगा मुद्रा का अत्यधिक उपयोग किया गया है, अर्थात् शरीर तीन झुकाव के साथ था।

ऊपर दिए गए कौन से कथन सही हैं?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.126) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	सत्य

भारत के दक्षिणी भागों में, सातवाहन शासकों के संरक्षण में, अमरावती स्कूल कला कृष्णा नदी के तट पर विकसित हुई। प्रमुख स्थान जहाँ इस शैली का विकास हुआ, वे अमरावती, नागार्जुनिकोंडा, गोली, घंटाशाला और वेंगी हैं। **यह स्वदेशी रूप से विकसित हुई थी तथा बाहरी संस्कृतियों से प्रभावित नहीं थी।**	**अमरावती स्तूपों में प्रयुक्त सामग्री में एक विशिष्ट सफेद संगमरमर भी है** तथा अमरावती मूर्तियों में मानव, पशु और पुष्प रूपों में गहरा और शांत प्रकृतिवाद के साथ संचलन और ऊर्जा की भावना है।	मथुरा और गांधार स्कूल एकल छवियों पर केंद्रित थे, जबकि अमरावती स्कूल ने गतिशील छवियों या कथा कला के उपयोग पर अधिक जोर दिया। **इस स्कूल की मूर्तियों में त्रिभंग मुद्रा का अत्यधिक उपयोग किया गया है, अर्थात् शरीर में तीन ओर झुकाव रहता था।**

Q.127) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

मंदिर	मंदिर वास्तुकला की शैली
1. सूर्य मंदिर, कोणार्क	नगार
2. होयसल मंदिर, कर्नाटक	द्रविड़
3. मार्कंडेश्वर मंदिर, महाराष्ट्र	वेसर

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) केवल 1 और 2

Q.127) Solution (c)

- देश में मंदिरों के दो व्यापक व्यवस्था ज्ञात हैं - **उत्तर में नागर और दक्षिण में द्रविड़**। कई बार, नागर मंदिरों और द्रविड़ मंदिरों के चयनात्मक मिश्रण के माध्यम से बनाई गई एक स्वतंत्र शैली के रूप में मंदिरों की **वेसर शैली** का उल्लेख कुछ विद्वानों द्वारा किया गया है।
- मंदिर की वास्तुकला के उत्तर भारतीय शैली (नागर शैली) के कुछ सबसे अच्छे उदाहरण खजुराहो समूह के मंदिर, सूर्य मंदिर, कोणार्क, सूर्य मंदिर मोढेरा, गुजरात आदि हैं।
- बेलूर, हलेबिड और सोमनाथपुरा में होयसल मंदिर वेसर शैली के प्रमुख उदाहरण हैं। इसलिए युग्म 2 गलत है।
- महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में मार्कंडेश्वर या मार्कंडेदेव मंदिर है। वे 'मिनी खजुराहो' या 'विदर्भ के खजुराहो' के नाम से प्रसिद्ध हैं। वे शैव, वैष्णव और शक्ति विश्वास से संबंधित हैं। मंदिर उत्तर भारत के मंदिरों के नागर समूह से संबंधित हैं। इसलिए युग्म 3 गलत है।

Q.128) इनमें से सबसे अधिक संख्या में गुफाओं की खुदाई किस स्थान से हुई है?

a) अजंता
b) जुन्नार
c) एलोरा

d) कन्हेरी

Q.128) Solution (b)

- जुन्नार में सबसे अधिक संख्या में गुफा का उत्खनन हुआ है - दो सौ से अधिक गुफाएँ जबकि मुंबई में कन्हेरी में एक सौ आठ गुफाएँ उत्खनित हुई हैं।
- कुल मिलाकर जुन्नार के आसपास चार पहाड़ियों में स्थित 220 से अधिक परस्पर स्वतंत्र शिलाकृत गुफाएं हैं। भारत में जुन्नार में सबसे बड़ी और सबसे लंबी गुफा की खुदाई हुई है। गुफाओं के बीच सबसे प्रसिद्ध लेन्याद्री परिसर (Lenyadri complex) है। यह लगभग 30 शिला-कृत गुफाएं ज्यादातर बौद्ध गुफाओं की एक श्रृंखला का प्रतिनिधित्व करती हैं।
- अजंता में उनतीस (29) गुफाएँ हैं।
- एलोरा में चौंतीस (34) बौद्ध, ब्राह्मण और जैन गुफाएँ हैं।

Q.129) सप्तमातृक (*saptamatrikas*) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. सप्तमातृक बौद्ध धर्म में पूजित सात महिला देवताओं का एक समूह है।
2. कदंब ताम्र पत्रों के साथ-साथ आरंभिक चालुक्य और पूर्वी चालुक्य ताम्र पत्रों में सप्तमातृक पूजा के संदर्भ हैं।
3. नागार्जुनकोंडा शिलालेख दक्षिण भारत का सबसे प्राचीन संस्कृत शिलालेख है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.129) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	असत्य
सप्तमातृक हिंदू धर्म में पूजित सात महिला देवताओं का एक समूह है जो अपने संबंधित देवताओं की ऊर्जा को व्यक्त करती हैं। वे ब्राह्मणी (ब्रह्मा की पत्नी), महेश्वरी (शिव की पत्नी), कुमारी (कुमारी की पत्नी), वैष्णवी (विष्णु की पत्नी), वराही (वराह की पत्नी, या वर, विष्णु का अवतार [अवतार)), इंद्राणी (इंद्र की पत्नी), और चामुंडा, या यामी (यम की पत्नी) है।	कदंब ताम्र पत्रों के साथ-साथ आरंभिक चालुक्य और पूर्वी चालुक्य ताम्र पत्रों में सप्तमातृक पूजा के संदर्भ हैं।	सभी उपलब्ध साक्ष्यों ने यह साबित कर दिया है कि 207 ई. में जारी सातवाहन राजा विजया का आंध्र प्रदेश में चेबरोलू शिलालेख दक्षिण भारत का अब तक का सबसे प्राचीनतम संस्कृत शिलालेख है। अब तक 4 वीं शताब्दी में जारी इक्ष्वाकु राजा एहवाल चंटमुला के नागार्जुनकोंडा शिलालेख को दक्षिण भारत में सबसे प्राचीन संस्कृत शिलालेख माना जाता था।

Q.130) प्राचीन भारत में गुप्त काल के गुफा चित्रों के कौन से उदाहरण हैं?

1. बाघ
2. कार्ले
3. अजंता
4. भज
5. एलोरा

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2, 3 और 4
c) केवल 1, 3 और 5
d) केवल 1, 2, 4 और 5

Q.130) Solution (a)

- प्राचीन भारत के गुप्त काल में गुफा चित्रकारी के केवल दो ज्ञात उदाहरण देखे गए। गुफा चित्र मध्य प्रदेश में बाघ गुफाओं और महाराष्ट्र में अजंता गुफाओं में पाए जाते हैं।

Q.131) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

दक्षिण भारत के मंदिर	निर्माता
1. मीनाक्षी मंदिर, मदुरै	पंड्या
2. तटीय मंदिर, महाबलीपुरम	पल्लव
3. विरुपाक्ष मंदिर, पट्टडकल	राष्ट्रकूट

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से मेल खाता है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.131) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य
मीनाक्षी मंदिर या मीनाक्षी-सुंदरेश्वर मंदिर, एक ऐतिहासिक हिंदू मंदिर है जो तमिलनाडु के मंदिर शहर मदुरई में वैगई नदी के दक्षिणी तट पर स्थित है। मीनाक्षी	मामल्लापुरम में तटीय मंदिर और कांचीपुरम में कैलाशनाथ मंदिर पल्लव राजा नरसिंहवर्मन द्वितीय या राजसिम्हा (695 -722 ई.) के शासनकाल के दौरान बनाए गए	पट्टुडक्कल में विरुपाक्ष मंदिर और संगमेश्वर मंदिर अपनी द्रविड़ शैली के लिए प्रसिद्ध हैं। कांचीपुरम में कैलाशनाथ मंदिर के मॉडल पर विरुपाक्ष मंदिर

मंदिर का निर्माण राजा कुलशेखर पंड्या (1190-1216 ई.) ने करवाया था। मीनाक्षी मंदिर में विश्व का सबसे ऊंचा गोपुरम है। गोपुरम की कला नायक शैली में अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँच गई थी।	थे।	बनाया गया है। इसका निर्माण चालुक्य राजा विक्रमादित्य द्वितीय की रानियों में से एक ने किया था। कांची से लाए गए मूर्तिकारों को इसके निर्माण में लगाया गया था।

Q.132) भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में, शब्द 'संधार', 'निरंधार' और 'सर्वतोभद्र' निम्नलिखित में से किसके साथ संबद्ध हैं?

a) मंदिर वास्तुकला
b) बौद्ध साहित्य
c) शिला-कृत गुफाएँ
d) शास्त्रीय संगीत

Q.132) Solution (a)

- प्रारंभिक ब्राह्मण मंदिरों में किसी एक देवता की प्रमुख प्रतिमा होती थी। ये मंदिर तीन प्रकार के होते थे - संधार प्रकार (बिना प्रदक्षिणापथ के), निरंधार प्रकार (प्रदक्षिणापथ के साथ), और सर्वतोभद्र (जिसमें सभी दिशाओं से पहुँचा जा सकता है)।
- कुछ महत्वपूर्ण प्रारंभिक मंदिर स्थल उत्तर प्रदेश में देवगढ़, मध्य प्रदेश के विदिशा के पास एरण, नचना-कुठार और उदयगिरि हैं। ये मंदिर एक साधारण संरचना हैं, जिसमें एक बरामदा, एक हॉल और पीछे एक मुख्य मंदिर होते है।

Q.133) निम्नलिखित में से कौन मौर्य मूर्तिकला परंपरा के उदाहरण हैं?

1. सारनाथ में सिंहचतुर्मुख स्तम्भशीर्ष (Lion Capital)
2. सारनाथ में बैठे हुए बुद्ध (Seated Buddha)
3. दीदारगंज यक्षिणी

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.133) Solution (b)

- सारनाथ में पाए गए मौर्य स्तम्भशीर्ष, जिसे सिंहचतुर्मुख स्तम्भशीर्ष (Lion Capital) के नाम से जाना जाता है, मौर्यकालीन मूर्तिकला परंपरा का सबसे अच्छा उदाहरण है। यह हमारा राष्ट्रीय प्रतीक भी है। इसे काफी सावधानी के साथ उकेरा गया है - चमकदार गर्जन शेर की आकृति एक वृत्ताकार अबेकस पर मजबूती से खड़ी हैं जो घोड़े, बैल, शेर और हाथी की आकृति के साथ हैं, सटीकता के साथ निष्पादित हुई हैं, जो मूर्तिकला तकनीकों में काफी महारत दिखाती हैं। । धम्मचक्रप्रवर्तन (बुद्ध द्वारा प्रथम उपदेश) का प्रतीक यह स्तंभशीर्ष बुद्ध के जीवन में इस महान ऐतिहासिक घटना का एक मानक प्रतीक बन गया है।

- आधुनिक पटना के पास दीदारगंज से चौरी (flywhisk) पकड़े यक्षिणी की आदमकद खड़ी आकृति मौर्य काल की मूर्तिकला परंपरा का एक और अच्छा उदाहरण है। इसे पटना संग्रहालय में रखा गया है, यह एक चमकदार सतह के साथ बलुआ पत्थर से बनी गोलाई में एक लंबी, अच्छी तरह से आनुपातिक, मुक्त खड़ी मूर्ति है।
- पांचवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में सारनाथ से बैठे हुए बुद्ध की आकृति सारनाथ में संग्रहालय में रखी गई है। इसे चुनार के बलुआ पत्थर से बनाया गया है। बुद्ध को पद्मासन में एक सिंहासन पर बैठा दिखाया गया है। यह मूर्तिकला के सारनाथ स्कूल का एक अच्छा उदाहरण है जो गुप्त काल के दौरान उभरा था।

Q.134) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

मूर्तिकला (*Sculpture*)	गुफाएं
1. गजासुर शिव (Gajasura Shiva)	एलोरा
2. मारा विजय (Mara Vijaya)	अजंता
3. महेशमूर्ति (Maheshmurthi)	एलीफेंटा

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से मेल खाता है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.134) Solution (d)

- गुफा संख्या 15, एलोरा में गजासुर शिव की मूर्ति है।
- मार विजया का विषय अजंता की गुफाओं में चित्रित किया गया है। यह गुफा संख्या 26 की दाहिनी दीवार पर उकेरी गई एकमात्र मूर्तिकला है।
- एलिफेंटा में महेशमूर्ति की आकृति छठी शताब्दी ईस्वी पूर्व की है। यह मुख्य गुफा मंदिर में स्थित है। पश्चिमी दक्कन की मूर्तिकला की परंपरा में, यह शिला गुफाओं में मूर्तिकला चित्र बनाने में गुणात्मक उपलब्धि का सबसे अच्छा उदाहरण है।

Q.135) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

संरचनाएं	अर्थ
1. हमाम	धार्मिक निर्देश देने का स्थान
2. सराय	यात्रियों के रुकने का स्थान
3. नक्कारखाना	ड्रम हाउस

4. खानकाह	घड़ी टावर (Watch towers)

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से मेल खाता है?

a) केवल 2 और 3
b) केवल 1 और 4
c) केवल 2, 3 और 4
d) केवल 1, 2 और 3

Q.135) Solution (a)

- **हमाम** - एक तुर्की स्नानागार जो सार्वजनिक स्नान का स्थान होता है।
- **सराय** - सराय काफी हद तक एक साधारण वर्गाकार या आयताकार योजना पर बनाया गया था तथा इसका उद्देश्य भारतीय और विदेशी यात्रियों, तीर्थयात्रियों, व्यापारियों, व्यवसायियों आदि को अस्थायी आवास प्रदान करना था।
- **नक़्क़ार ख़ाना** - ड्रम हाउस जहाँ से औपचारिक संगीत बजाया जाता था, जो आमतौर पर गेट के ऊपर स्थित होता था। मुगल महल-परिसरों में यह एक लोकप्रिय विशेषता थी।
- **खानकाह या रिबत (Khanqahs or Ribat) -** एक इमारत है जो विशेष रूप से सूफी भाईचारे या सूफी (tariqa) सभाओं के लिए बनाई गई है तथा यह आध्यात्मिक वापसी और चरित्र सुधार के लिए एक जगह है।

Q.136) नायक चित्रकला के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह मामूली क्षेत्रीय संशोधनों और संयोजनों के साथ विजयनगर शैली का विस्तार है।
2. लेपाक्षी में दक्षिणामूर्ति की पेंटिंग इस शैली का एक अच्छा उदाहरण है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.136) Solution (a)

- सत्रहवीं और अट्ठारहवीं शताब्दी में नायक वंश की पेंटिंग तमिलनाडु के थिरुपरकुंरम, श्रीरंगम और तिरुवरूर में देखी जाती हैं। थिरुपरकुंरम में, पेंटिंग चौदहवीं और सत्रहवीं शताब्दी के दो अलग-अलग कालखंडों में पाई जाती हैं। प्रारंभिक चित्र वर्धमान महावीर के जीवन के दृश्यों को दर्शाते हैं।
- नायक चित्र महाभारत और रामायण के प्रसंगों को दर्शाते हैं और कृष्ण-लीला के दृश्य भी दर्शाते हैं।
- तिरुवरुर में, मुचुकुंद की कहानी सुनाने वाला एक चित्रण है। चिदंबरम में, शिव और विष्णु से संबंधित कथाओं का वर्णन करने वाले चित्र हैं - जिसमें शिव के रूप में भिक्षाटन मूर्ति, मोहिनी के रूप में विष्णु हैं।
- आरकोट जिले के चेंगम में श्री कृष्ण मंदिर में रामायण की कहानी का वर्णन करते हुए 60 चित्र हैं, जो नायक चित्रों के अंतिम चरण का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- ऊपर दिए गए उदाहरणों से पता चलता है कि **नायक चित्रों में मामूली क्षेत्रीय संशोधनों और समावेशन के साथ विजयनगर शैली का अधिकतर विस्तार था**। इसलिए कथन 1 सही है।

- ज्यादातर चित्रों में, आकृतियां एक समतल पृष्ठभूमि पर बनी होती हैं। विजयनगर के लोगों की तुलना में पुरुष आकृतियों को पतली कमर वाले लेकिन कम भारी पेट के साथ दिखाया गया है। पिछली शताब्दियों और निम्नलिखित परंपराओं के अनुसार कलाकार ने संचलन को प्रभावित करने और स्थान को गतिशील बनाने की कोशिश की है। तिरुवलंजलि में नटराज की पेंटिंग एक अच्छा उदाहरण है।
- लेपाक्षी, आंध्र प्रदेश में, शिव मंदिर की दीवारों पर विजयनगर चित्रों के शानदार उदाहरण हैं - शिव धनुष और तीर के साथ सूअर (Boar) का शिकार करते हुए, दक्षिणामूर्ति चित्र आदि। इसलिए कथन 2 गलत है।

Q.137) भारत-सारसेनिक वास्तुकला (Indo-Saracenic Architecture) में, निम्नलिखित में से कौन सी सजावटी शैली का उपयोग किया जाता है?

1. उच्च और निम्न झुकी हुई नक्काशी (High and low relief carving)
2. चौकोर (Tessellation)
3. जाली का उपयोग और सुलेख (Calligraphy)
4. दीवार की सतह पर रहने वाले जीवित रूपों का चित्रण
5. अरबस्क (Arabesque)

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1, 3 और 4
b) केवल 1, 2, 3 और 5
c) केवल 2, 3 और 5
d) 1, 2, 3, 4 और 5

Q.137) Solution (b)

इंडो-सारासेनिक या इंडो-इस्लामिक वास्तुकला में इस्तेमाल किए जाने वाले सजावटी रूप

- इन रूपों में उत्कीर्णन या महीन चुने (stucco) के माध्यम से प्लास्टर पर डिजाइनिंग शामिल थी। डिजाइन या तो सादे थे या रंगों से कवर थे।
- रूपांकनों पर पेंटिंग या पत्थरों से नक्काशी भी की गई थी। इन रूपांकनों में फूलों की किस्में, दोनों उप-महाद्वीप और बाहर के स्थानों से, विशेष रूप से ईरान से, शामिल थीं। मेहराब के आंतरिक घटों में कमल की कली का अत्यधिक इस्तेमाल हुआ था।
- दीवारों को सरू, चिनार और अन्य पेड़ों के साथ-साथ फूलों और पत्तियों से भी सजाया गया था। फर्श को सजाने वाले फूल रूपांकनों के कई जटिल डिजाइन भी वस्त्र और कालीन पर पाए जाने थे।
- चौदहवीं, पंद्रहवीं और सोलहवीं शताब्दियों में भी दीवारों और गुंबदों की सतह के लिए टाइल का उपयोग किया गया था। लोकप्रिय रंग नीले, फ़िरोज़ा, हरे और पीले थे।
- इसके बाद **चौकोर (मोज़ेक डिज़ाइन) और पित्रे ड्यूरा की तकनीकों** को विशेष रूप से दीवारों के पैनलों में सतह की सजावट के लिए उपयोग किया गया। कई बार लैपिस लज़ुली का उपयोग आंतरिक दीवारों या कैनोपियों पर किया जाता था।
- अन्य सजावट में **अरबस्क, सुलेख (calligraphy) तथा उच्च और निम्न झुकी हुई नक्काशी और जाली का एक विपुल उपयोग** शामिल था। उच्च झुकी नक्काशी में तीन आयामी रूप थे। मेहराब सादे और स्क्वाट (squat) थे और कभी-कभी उच्च और नुकीले होते थे।
- सोलहवीं शताब्दी के बाद से मेहराब को त्रिपर्णी (trefoil) या कई पत्थरों से बनाया गया था।
- छत केंद्रीय गुंबद और अन्य छोटे गुंबदों और छोटे मीनारों का मिश्रण था। केंद्रीय गुंबद एक उल्टे कमल के फूल आकृति और एक धातु या पत्थर के शिखर के साथ सबसे ऊपर था।

- हिंदुओं ने अपनी धार्मिक आस्था के अनुसार मूर्तियों और चित्रों को सजाया, जबकि इस्लाम ने किसी भी सतह पर जीवित रूपों के चित्रांकन के लिए मना किया, अपनी धार्मिक कला और वास्तुकला को विकसित किया जिसमें अरबस्क, ज्यामितीय पैटर्न तथा प्लास्टर और पत्थर पर सुलेख (calligraphy) की कला शामिल थी।

Q.138) नंदलाल बोस, एक कलाकार के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. वह बंगाल स्कूल कला के उल्लेखनीय चित्रकारों में से एक थे।
2. उन्हें भारत के संविधान की मूल पांडुलिपि को सुशोभित करने के लिए जाना जाता है।
3. वह ललित कला अकादमी के फैलो के रूप में चुने जाने वाले पहले कलाकार थे।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.138) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य
बंगाल स्कूल को 1940-1960 में चित्रों की मौजूदा शैलियों के लिए एक प्रतिक्रियावादी दृष्टिकोण माना जाता है। बंगाल स्कूल का विचार 20 वीं शताब्दी की शुरुआत में अबनिंद्रनाथ टैगोर की रचनाओं के साथ आया। नंदलाल बोस (1882 - 1966) अबनिंद्रनाथ टैगोर के शिष्य थे, और इस स्कूल के एक उल्लेखनीय चित्रकार थे।	बोस ने एक कर्मचारी के साथ चलते हुए गांधी जी का सफेद आधार प्रिंट पर एक काला चित्र बनाया जो अहिंसा आंदोलन के लिए प्रतिष्ठित छवि बन गया। उन्हें जवाहरलाल नेहरू द्वारा भारत सरकार के पुरस्कारों में भारत रत्न और पद्म श्री सहित प्रतीक को चित्रित करने के लिए कहा गया था। **उन्हें भारत के संविधान की मूल पांडुलिपि को सुशोभित करने के लिए भी जाना जाता है।**	वह वर्ष 1956 में ललित कला अकादमी, भारत की राष्ट्रीय कला अकादमी के फैलो के रूप में चुने जाने वाले **दूसरे कलाकार** बने। बंगाल स्कूल कला के जैमिनी रॉय 1955 में फैलो के रूप में चुने जाने वाले पहले कलाकार थे।

Q.139) पट्टचित्र चित्रकला (Pattachitra paintings) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह ओडिशा की एक पारंपरिक दीवार-आधारित स्क्रॉल पेंटिंग है।
2. कलाकार प्रारंभिक चित्र के लिए एक पेंसिल या लकड़ी के कोयला का उपयोग करते थे।
3. पेंट में प्रयुक्त सामग्री सब्जी, पृथ्वी सामग्री और खनिज स्रोतों से लिए जाते हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.139) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	असत्य	सत्य
पट्टचित्र पेंटिंग्स ओडिशा की एक पारंपरिक कपड़ा-आधारित स्क्रॉल पेंटिंग है, जो अपने चित्रात्मक अवधारणा, पेंटिंग की तकनीक, रेखा निर्माण और रंग योजना के कारण अपनी अनूठी जगह बनाती है। इन चित्रों को पारंपरिक रूप से महापात्रों द्वारा तैयार किया गया था, जो ओडिशा में एक मूल कलाकार जाति है।	**कलाकार प्रारंभिक चित्र के लिए एक पेंसिल या लकड़ी का कोयला का उपयोग नहीं करता है**। पट्टचित्र में, चित्रकला की सीमाओं को पहले पूरा करना एक परंपरा है। जब पेंटिंग पूरी हो जाती है तो इसे चारकोल की आग के ऊपर रखा जाता है तथा सतह पर लाख (lacquer) लगाया जाता है। यह पेंटिंग को प्रतिरोधी और टिकाऊ बनाता है, इसके अलावा यह एक चमकदार फिनिशिंग भी देता है।	भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलराम और बहन सुभद्रा, कृष्ण लीला, भगवान विष्णु के अवतार, पंचतंत्र, पुराणों, रामायण-महाभारत और गीत गोविंद से पौराणिक और लोक कथाओं का चित्रण। **पेंट में प्रयुक्त सामग्री सब्जी, पृथ्वी सामग्री और खनिज स्रोतों से होती हैं।** कायथा के पेड़ का गोंद मुख्य घटक है, और इसका उपयोग विभिन्न रंजक बनाने के लिए आधार के रूप में किया जाता है।

Q.140) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

1. चेरियल चित्रकला - मध्य प्रदेश
2. मांडना चित्रकला - राजस्थान
3. पैटकर चित्रकला - झारखंड

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2 और 3
c) केवल 3
d) केवल 1 और 3

Q.140) Solution (b)

- **मांडना पेंटिंग राजस्थान और मध्य प्रदेश भारत में दीवार और फर्श की पेंटिंग हैं**। मांडना घर और चूल्हा की रक्षा के लिए तैयार की जाती हैं, घर में देवताओं का स्वागत के लिए और उत्सव के अवसरों पर उत्सव के प्रतीक के रूप में बनायी जाती हैं। राजस्थान के सवाई माधोपुर क्षेत्र की गाँव की महिलाओं के पास सही समरूपता और सटीकता के डिजाइन के विकास के लिए कौशल है। जमीन को गाय के गोबर से रति, स्थानीय मिट्टी और लाल गेरू से तैयार किया जाता है। नीबू या चाक पाउडर का उपयोग आकृति बनाने के लिए किया जाता है। नियोजित उपकरण कपास का एक टुकड़ा, बालों का एक गुच्छेदार, या खजूर की झाड़ (date stick) से बना एक अल्पविकसित ब्रश होता है। डिजाइन में गणेश, मोर, काम करती महिलाएं, बाघ, पुष्प आकृति आदि बनाये जाते हैं
- झारखंड के पूर्वी हिस्से में स्थित अमदुबी गाँव को पैटकर का गाँव भी कहा जाता है। 'पैटकर' इस गांव की पारंपरिक पेंटिंग है, जो एक कला का रूप है जो प्राचीन काल से गांव में मौजूद है। **पैटकर चित्रों को झारखंड के स्क्रॉल चित्रों के रूप में भी जाना जाता है।** यह चित्रकला रूप पश्चिम बंगाल, बिहार, उड़ीसा और भारत के अन्य आस-पास के राज्यों में लोकप्रिय है। झारखंड के आदिवासी

कलाकारों ने स्क्रॉल पेंटिंग की इस कला को बढ़ावा दिया है जिसका उपयोग लंबे समय से कहानी कहने और सामाजिक-धार्मिक रीति-रिवाजों में किया जाता रहा है। इस रूप से संबंधित चित्रों में मृत्यु के बाद मानव जीवन के साथ क्या होता है, इसका एक सामान्य विषय है। यह स्क्रॉल पेंटिंग बंगाली और झारखंडी दैनिक जीवन को भी प्रतिबिंबित करती है। पैटकर चित्रकला के ऐतिहासिक काल का पता पश्चिम बंगाल राज्य से जुड़ी संस्कृति से लगाया जा सकता है, लेकिन अब कला केवल अमदुबी गाँव में प्रचलित है। पैटकर चित्रकला को पट्ट चित्रकला से व्युत्पन्न माना जा सकता है।

- **चेरियल स्क्रॉल पेंटिंग,** नकाशी कला का एक शैलीगत संस्करण है, जो स्थानीय रूपांकनों में **तेलंगाना** के अद्वितीय गुणों से भरपूर है। वे वर्तमान में केवल हैदराबाद, तेलंगाना, भारत में बनाई जाती हैं।

Q.141) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

क्षेत्रीय संगीत	क्षेत्र या राज्य
1. छकरी (Chhakri)	कश्मीर
2. लमन (Laman)	उत्तराखंड
3. पंडवानी	छत्तीसगढ़

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.141) Solution (c)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
सत्य	**असत्य**	**सत्य**
छकरी, कश्मीर: छकरी एक समूह गीत है जो कश्मीर के लोक संगीत की एक सर्वाधिक लोकप्रिय शैली है। यह नूत (मिट्टी का बर्तन), रबाब, सारंगी आरैर तुम्बाकनरी (ऊँची गर्दन वाला मिट्टी का एक बर्तन), के साथ गाया जाता है।	लमन, हिमाचल प्रदेश: 'लमन'में बालिकाओं का एक समूह, एक छन्द गाता है और लड़कों का एक समूह गीत के जरिए उत्तर देता है। यह घन्टों तक चलता है। यह रुचिकर इसलिए है कि इसमें लड़कियां पहाड़ की चोटी पर गाते हुए शायद ही दूसरी चोटी पर गाने वाले लड़कों का मुख देखती हैं। बीच में पहाड़ होता है जहाँ प्रेम गीत गूँजता है।	पंडवानी, छत्तीसगढ़: पंडवानी में, महाभारत से एक या दो घटनाओं को चुन कर कथा के रूप में निष्पादित किया जाता है। मुख्य गायक पूरे निष्पादन के दौरान सतत रूप से बैठा रहता है और सशक्त गायन व सांकेतिक भंगिभाओं के साथ एक के बाद एक सभी चरित्रों की भाव-भंगिमाओं का अभिनय करता है।

	इनमें से अधिकांश गीत विशेष रूप से कुल्लू घाटी में गाए जाते हैं ।	

Q.142) निम्नलिखित पर विचार करें:

1. जवाली (Javali)
2. टप्पा
3. धामर (Dhamar)
4. कीर्तनम (Kirtanam)
5. तिल्लना (Tillana)

उपरोक्त में से कौन से रूप कर्नाटक संगीत के हैं?

a) केवल 1, 2 और 3
b) केवल 1, 4 और 5
c) केवल 2, 3 और 4
d) केवल 3, 4 और 5

Q.142) Solution (b)

कर्नाटक संगीत के संगीत रूप (Musical forms of Carnatic Music):

- गीतम (Gitam): यह राग के आसान और मधुर प्रवाह के साथ सबसे सरल प्रकार की रचना है।
- सुलाड़ी (Suladi): सुलाड़ी एक तालमालिका है, जो अलग-अलग ताल में होने वाले खंड होते हैं।
- स्वराजति (Svarajati): इसमें तीन खंड होते हैं, जिन्हें पल्लवी, अनुपल्लवी और चरणम कहा जाता है। विषय या तो भक्तिपूर्ण है, वीर या अमोघ होते हैं।
- जतिसावरम (Jatisavaram): यह लयबद्ध उत्कृष्टता और जाति पैटर्न के उपयोग के लिए जाना जाता है।
- वर्णम (Varnam): यह एकमात्र रूप है जिसका हिंदुस्तानी संगीत में एक समकक्ष नहीं मिलता है। इस रूप को वर्णम कहा जाता है क्योंकि प्राचीन संगीत में 'वर्ण' नामक स्वर समूह के कई पैटर्न इसकी बनावट में परस्पर जुड़े हुए हैं।
- कीर्तनम (Kirtanam): यह भक्ति सामग्री या साहित्य के भक्ति भाव के लिए मूल्यवान है।
- कृति (Kriti): यह कीर्तनम से विकसित हुई। यह एक अत्यधिक विकसित संगीत रूप है।
- पडा (Pada): पडा तेलगु और तमिल में विद्वानों की रचनाएँ हैं और मुख्य रूप से नृत्य के रूप में रचित हैं।
- तिल्लना (Tillana): यह हिंदुस्तानी संगीत के तराना के अनुरूप है, एक छोटा और संक्षिप्त रूप है। यह मुख्य रूप से, इसके तेज और आकर्षक संगीत के कारण एक नृत्य शैली है।
- जवाली (Javali): एक जावली प्रकाश शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र से संबंधित एक रचना है। कॉन्सर्ट कार्यक्रमों और नृत्य संगीत समारोहों में गाया जाता है, जावालियों को आकर्षक धुनों के कारण लोकप्रिय बनाया जाता है जिसमें वे संगीतबद्ध होते हैं।

- पल्लवी (Pallav): यह रचनात्मक संगीत की सबसे महत्वपूर्ण शाखा है। यह उन्नत करने की व्यवस्था की अनुमति देता है।

- हिंदुस्तानी संगीत में ध्रुपद, ख्याल, टप्पा, चतुरंग, तराना, सरगम, ठुमरी और रागसागर, होरी और धामर जैसे गायन की दस प्रमुख शैलियाँ हैं।

Q.143) कुटियाट्टम कला के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

1. यह केरल का एक पारंपरिक संस्कृत प्रदर्शन कला नृत्य है।
2. कुटियाट्टम में नांगियार कुथु, पुरुष प्रदर्शन का एकल खंड है।
3. इसे यूनेस्को ने 'मानवता की मौखिक और अमूर्त विरासत की उत्कृष्ट कृति' के रूप में मान्यता दी है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 3
d) 1, 2 और 3

Q.143) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	सत्य
कुटियाट्टम केरल के सबसे पुराने पारंपरिक थिएटर रूपों में से एक है तथा यह संस्कृत रंगमंच परंपराओं पर आधारित है। इसकी शैलीबद्ध और संहिताबद्ध रंगमंचीय भाषा में, नेत्र अभिनय (आंख की अभिव्यक्ति) और हस्स अभिनय (इशारों की भाषा) प्रमुख हैं। वे मुख्य चरित्र के विचारों और भावनाओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं।	यह पारंपरिक रूप से कुट्टमपालम नामक सिनेमाघरों में किया जाता है, जो हिंदू मंदिरों में स्थित होते हैं। कुटियाट्टम का प्रदर्शन पुरुष अभिनेताओं के समुदाय द्वारा किया जाता है, जिन्हें चकयार कहा जाता है और महिला कलाकारों को नांगियार कहा जाता है, जिन्हें नंबियार नामक ड्रमर द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। पकरनट्टम कुटियट्टम का एक पहलू है जिसमें पुरुष और महिला भूमिकाओं को शामिल करना तथा भावनात्मक रूप से शामिल करना शामिल है। कुटियाट्टम में नांगियार कुथु महिला प्रदर्शन का एकल खंड है।	इसे यूनेस्को ने 'मानवता की मौखिक और अमूर्त विरासत की उत्कृष्ट कृति' के रूप में मान्यता दी है।

Q.144) निम्नलिखित कैलेंडर प्रकारों पर विचार करें:

1. विक्रम संवत
2. शक संवत
3. हिजरी कैलेंडर
4. ग्रेगोरियन कैलेंडर

इनमें से कौन से कैलेंडर, सौर कैलेंडर हैं?

a) केवल 2 और 4
b) केवल 1 और 3
c) केवल 3, 2 और 4
d) केवल 1, 2 और 4

Q.144) Solution (a)

भारत में, चार प्रकार के कैलेंडर का पालन किया जाता है:

- **विक्रम संवत:** विक्रम युग ईसाई युग से 56 वर्ष पहले आरंभ हुआ था, यानी लगभग 56 ईसा पूर्व और बंगाल के क्षेत्र को छोड़कर लगभग पूरे भारत में लागू है। इतिहासकारों का मानना है कि यह युग उज्जैन के राजा विक्रमादित्य द्वारा स्थापित किया गया था, जो शक शासकों पर अपनी जीत का स्मरण करते हैं। यह प्राचीन हिंदू कैलेंडर पर आधारित एक चंद्र कैलेंडर है।
- **शक संवत:** इस कैलेंडर रूप की शुरुआत राजा शालिवाहन ने 78 ईस्वी में की थी। यह शक युग के रूप में भी जाना जाता था क्योंकि यह इस जनजाति का था, जिससे शालिवाहन संबंध रखता था। शक कैलेंडर चंद्र महीने और सौर वर्ष के साथ **चंद्र-सौर (Luni-solar)** है।
- **हिजरी कैलेंडर:** इस कैलेंडर में अरबी मूल है। पहले इसे आमुलफ़ील के रूप में कहा जाता है, यह पैगंबर मोहम्मद की मृत्यु के बाद, इनकी हिजरत मक्का से मदीना में को मनाने के लिए, जो उनके जीवन के 52 वें वर्ष में 622 ईस्वी में हुआ था, हिजरी आरंभ हुआ, यह वर्ष हिजरी युग के लिए शून्य वर्ष बन गया। इस कैलेंडर के अंतर्गत एक चंद्र वर्ष है और इसे 12 महीनों में विभाजित किया जाता है, एक वर्ष में 354 दिन।
- **ग्रेगोरियन कैलेंडर:** यह कैलेंडर ईसाई धर्म के संस्थापक ईसा मसीह के जन्मदिन पर आधारित है। यह जनवरी के पहले दिन से शुरू होने वाला एक सौर वर्ष है और इसमें 365 दिन, 5 घंटे, 48 मिनट और 46 सेकंड शामिल हैं।

Q.145) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

ब्लॉक प्रिंटिंग तकनीक (*Block Printing Techniques*)	**धरोहर**
1. बगरू (Bagru)	राजस्थान
2. बाघ (Bagh)	मध्य प्रदेश
3. अजरख (Ajrakh)	महाराष्ट्र

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.145) Solution (a)

युग्म 1	**युग्म 2**	**युग्म 3**
सत्य	**सत्य**	**असत्य**
बगरू ब्लॉक प्रिंटिंग राजस्थन के बगरू गांव में चिप्पा समुदाय द्वारा किए गए प्राकृतिक रंग के साथ मुद्रण की एक पारंपरिक तकनीक है। परंपरागत रूप से, बगरू में मुद्रित रूपांकनों को बोल्ड लाइनों के साथ बड़ा किया जाता है।	बाघ प्रिंट एक पारंपरिक भारतीय हस्तशिल्प है जो मध्य प्रदेश के धार जिले के बाघ में उत्पन्न होता है। इस प्रक्रिया में हाथ से मुद्रित लकड़ी के ब्लॉक रिलीफ प्रिंट की विशेषता होती है जो प्राकृतिक रूप से पिग्मेंट और डाई के साथ होता है।	अजरख एक ब्लॉक-प्रिंटेड टेक्सटाइल है जो नील (indigo) और मजीठ (madder) सहित प्राकृतिक रंगों का उपयोग करते हुए रंगे हुए है। यह गुजरात के कच्छ में खत्री समुदाय द्वारा बनाया गया है तथा इसके रंग- लाल के साथ नीला - और इसके जटिल ज्यामितीय और पुष्प पैटर्न द्वारा प्रतिष्ठित है।

Q.146) विभिन्न भाषाओं में महिला लेखकों के योगदान पर, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. लाल देद, संस्कृत में 'वत्सुन या वक्ष' नामक रहस्यवादी कविता की शैली की निर्माता थीं।
2. मीरा बाई ने तीन भाषाओं यानी गुजराती, राजस्थानी और हिंदी में लिखा।
3. अक्कामहादेवी (Akkamahadevi) ने कन्नड़ में लिखा तथा अव्वाईयर (Avvayyar) ने तेलुगु में लिखा।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.146) Solution (b)

- उस अवधि के दौरान विभिन्न भाषाओं में महिला लेखकों का योगदान विशेष ध्यान देने योग्य है। महिला लेखक, घोषा, लोपामुद्रा, गार्गी, मैत्रेयी, अपाला, रोमाशा ब्रह्मवादिनी, आदि, वेदों के दिनों से ही (6000 ई.पू. - 4000 ई.पू.), मुख्यधारा की संस्कृत साहित्य में महिलाओं की छवि पर केंद्रित थीं।
- पाली में मुत्ता और उबबिरि और मेट्टिका जैसे बौद्ध भिक्षुणी (6 ठी शताब्दी ई.पू.) के गीत पीछे छूट गए जीवन के लिए भावनाओं की पीड़ा को व्यक्त करते हैं। अलवर की महिला कवियों (6 वीं शताब्दी ई.) ने अंडाल और अन्य की तरह, परमात्मा के प्रति अपने प्रेम की अभिव्यक्ति दी।
- **लाल देद (1320-1384),** कश्मीर की मुस्लिम कवयित्री, वत्सुन या वक्ष नामक रहस्यवादी काव्य की शैली की रचनाकार थीं, जिसका शाब्दिक अर्थ "वाक्" (आवाज) है। लाल वक्ष के रूप में विख्यात, उनके छंद कश्मीरी भाषा की शुरुआती रचनाएँ हैं तथा आधुनिक कश्मीरी साहित्य के इतिहास में एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इसलिए कथन 1 गलत है।
- मीरा बाई, गुजराती, राजस्थानी और हिंदी में (उन्होंने तीन भाषाओं में लिखीं), तमिल में अववयार, और कन्नड़ में अक्कामहादेवी, अपनी सरल गीतात्मक तीव्रता और केंद्रित भावनात्मक अपील के लिए जानी जाती हैं। कथन 3 गलत है क्योंकि अववयार ने तमिल साहित्य में योगदान दिया।

Q.147) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. हिंदुस्तानी संगीत की उत्पत्ति वैदिक काल में हुई, जबकि कर्नाटक संगीत की उत्पत्ति भक्ति आंदोलन के दौरान हुई।
2. हिंदुस्तानी संगीत राग-आधारित (raga based) है जबकि कर्नाटक संगीत कृति- आधारित (kriti-based) है।
3. हिंदुस्तानी संगीत में समरूपता (homogenous) है तथा कर्नाटक संगीत में एक विषम (heterogeneous) भारतीय परंपरा है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 1 और 2
d) 1, 2 और 3

Q.147) Solution (c)

कर्नाटक और हिंदुस्तानी संगीत के बीच अंतर

- कर्नाटक संगीत की उत्पत्ति दक्षिण भारत में हुई जबकि हिंदुस्तानी संगीत उत्तर भारत में। हिंदुस्तानी संगीत की उत्पत्ति वैदिक काल में हुई, जबकि कर्नाटक संगीत की उत्पत्ति भक्ति आंदोलन के दौरान हुई। इस प्रकार दोनों का धर्म से बड़ा संबंध है।
- हिंदुस्तानी संगीत राग आधारित है जबकि कर्नाटक कृति-आधारित है। हिन्दुस्तानी शुद्ध स्वर बनाम कर्नाटक गमका आधारित रागों पर जोर देते हैं।
- यह माना जाता है कि 13 वीं शताब्दी से पहले भारत का संगीत कमोबेश एक समान था। हिंदुस्तानी वैदिक, इस्लामी और फारसी परंपराओं के साथ संश्लेषण करता है। कर्नाटक तुलनात्मक रूप से अछूता और मूल रूप से विकसित है।
- कर्नाटक संगीत में समरूपता है और हिंदुस्तानी संगीत में एक विषम भारतीय परंपरा है। इसलिए कथन 3 गलत है।
- कर्नाटक संगीत में अधिक धर्मनिरपेक्ष हिंदुस्तानी परंपराओं की तुलना में संयमित और बौद्धिक चरित्र है।

Q.148) भारत में किसी भाषा को 'शास्त्रीय भाषा' घोषित करने के लिए, निम्नलिखित में से कौन सा मापदंड पूरा करना होता है?

1. इसने 2500 वर्षों की अवधि का इतिहास दर्ज किया हो।
2. साहित्यिक परंपरा मूल होनी चाहिए तथा दूसरे भाषाई समुदाय से उधार नहीं ली गयी होनी चाहिए।
3. इसके प्राचीन ग्रंथ बोलने वालों की पीढ़ियों द्वारा एक मूल्यवान विरासत माने जाते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.148) Solution (c)

- संस्कृति मंत्रालय के अनुसार, शास्त्रीय भाषा के रूप में वर्गीकरण के लिए विचार की जाने वाली भाषाओं की पात्रता निर्धारित करने के लिए निम्नलिखित मानदंड निर्धारित किए गए थे:
    - 1500-2000 वर्षों की अवधि में इसके प्रारंभिक ग्रंथों / दर्ज इतिहास की उच्च प्राचीनता; इसलिए कथन 1 गलत है।
    - प्राचीन साहित्य / ग्रंथों का एक निकाय, जिसे बोलने वालों की पीढ़ियों द्वारा एक मूल्यवान विरासत माना जाता है;
    - साहित्यिक परंपरा मूल है और दूसरे भाषण समुदाय से उधार नहीं ली गई है;
    - शास्त्रीय भाषा और साहित्य आधुनिक से अलग होने के कारण, शास्त्रीय भाषा और इसके बाद के रूपों या इसके दोषों के बीच एक असंतोष भी हो सकता है। "
- शास्त्रीय भाषा में अर्जित लाभ हैं:
    - शास्त्रीय भाषाओं में अध्ययन के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया गया है।
    - विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) इन भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान परियोजनाओं को पुरस्कृत करता है तथा केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शास्त्रीय भाषाओं के लिए एक निश्चित संख्या में प्राध्यापक नियुक्त करता है।
    - शास्त्रीय भारतीय भाषाओं में प्रख्यात विद्वानों के लिए दो प्रमुख वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार दिए जाते हैं।

- वर्तमान में, छह भाषाओं को 'शास्त्रीय' स्थिति का आनंद मिलता है: तमिल (2004 में घोषित), संस्कृत (2005), कन्नड़ (2008), तेलुगु (2008), मलयालम (2013) और ओडिया (2014)।

Q.149) निम्नलिखित में से किस शास्त्रीय नृत्य को 'गतिशील मूर्तिकला' (Mobile Sculpture) के नाम से भी जाना जाता है?

a) कुचिपुड़ी
b) ओडिसी
c) कथकली
d) सत्रिया नृत्य

Q.149) Solution (b)

- उदयगिरि-खंडगिरि की गुफाएँ ओडिसी नृत्य के आरंभिक उदाहरण हैं। नृत्य रूप का नाम नाट्य शास्त्र में उल्लिखित 'ओड्रा नृत्य' से लिया गया है।
- यह मुख्य रूप से 'महारों' द्वारा प्रचलित था तथा जैन राजा खारवेल द्वारा संरचित था। इस क्षेत्र में वैष्णववाद के आगमन के साथ, महारी प्रणाली अयोग्य हो गई। इसके बजाय, युवा लड़कों को भर्ती किया गया और कला के रूप को जारी रखने के लिए महिलाओं के रूप में कपड़े पहने। उन्हें 'गोटीपुआ' के नाम से जाना जाने लगा। इस कला का एक और प्रकार, 'नर्तला' शाही दरबारों में प्रचलित रहा।
- ओडिसी की कुछ विशेषताएं हैं:
    - यह भावनाओं को व्यक्त करने के लिए मुद्रा और मुद्राओं के उपयोग में भरतनाट्यम के समान है।
    - 'त्रिभंगा' और 'चौक' दो मूल मुद्राएँ हैं।
    - नृत्य के दौरान, निचला शरीर काफी हद तक स्थिर रहता है और धड़ की गति होती है। हाथ के इशारे नृत्य भाग के दौरान भाव व्यक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
    - गरिमा, कामुकता और सुंदरता का प्रतिनिधित्व करते हुए ओडिसी नृत्य शैली अद्वितीय है।
    - नर्तक उसके शरीर के साथ जटिल ज्यामितीय आकार और पैटर्न बनाते हैं। इसलिए, इसे 'गतिशील मूर्तिकला' के रूप में जाना जाता है।

Q.150) कठपुतली के निम्नलिखित रूपों पर विचार करें:

1. यमपुरी (Yampuri)
2. थोलपावकुथु (Tholpavakoothu)
3. रावण छाया (Ravanachaya)
4. पुतुल नाच (Putul Nauch)
5. तोगलु गोमबेयेट्टा

भारत में निम्नलिखित में से कौन छाया कठपुतली (shadow puppetry) के प्रकार हैं?

a) केवल 1, 2 और 5
b) केवल 2, 3 और 5
c) केवल 1, 3 और 4
d) केवल 2, 3, 4 और 5

Q.150) Solution (b)

विभिन्न कठपुतली रूप:

स्ट्रिंग कठपुतली (String Puppetry)	**छाया कठपुतली (Shadow Puppetry)**
गोम्बियट्टा (कर्नाटक)	**तोगलू गोम्बियट्टा (कर्नाटक)**
बोम्मलट्टम (तमिलनाडु)	**थोलू बोम्मलता (आंध्र प्रदेश)**
कठपुतली (राजस्थान)	**थोलपावकुथु (केरल)**

कुंधई (ओडिशा)	**रावण छाया (ओडिशा)** 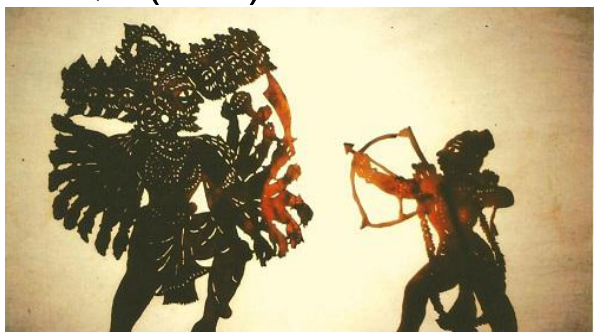
रॉड कठपुतली (Rod Puppetry)	**दस्ताना कठपुतली (Glove Puppetry)**
पुतुल नाच (पश्चिम बंगाल)	पावाकुथु (केरल)
यमपुरी (बिहार)	

Q.151) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

लोक कला	धरोहर
1. कलमकारी	तमिलनाडु
2. ग्रामिया कलाई (Gramiya Kalai)	आंध्र प्रदेश
3. ऐपन (Aipan)	उत्तराखंड

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) केवल 1 और 2

Q.151) Solution (b)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
असत्य	**असत्य**	**सत्य**
कलमकारी आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों में प्राकृतिक रंगों का उपयोग करते हुए, इमली की कलम से सूती या रेशमी कपड़े पर की जाने वाली हाथ की पेंटिंग है।	ग्रामिया कलाई तमिलनाडु की एक लोक कला है।	ऐपन (Aipan) कुमाऊँ, उत्तराखंड की पारंपरिक कला (चित्रकला रूप) में से एक है। इसका बड़ा सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व

है।

Q.152) भारत के निम्नलिखित मार्शल आर्ट को उत्पत्ति स्थान के साथ मिलान करें:

1. कलारिपयाट्टू (Kalaripayattu)	तमिलनाडु
2. सिलम्बम (Silambam)	केरल
3. चेबी गद-गा (Cheibi Gad-ga)	बिहार
4. परि-खंड (Pari-Khanda)	मणिपुर

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) 1 – A ; 2 – B ; 3 – C ; 4 – D
b) 1 – A ; 2 – B ; 3 – D ; 4 – C
c) 1 – B ; 2 – A ; 3 – C ; 4 – D
d) 1 – B ; 2 – A ; 3 – D ; 4 – C

Q.152) Solution (d)

कलारीपयट्टु, **Kerala**	सिलंबम, **Tamil Nadu**
चेबी गद-गा, **Manipur**	परि-खंड, **Bihar**

- कलारीपयट्टु को केवल कलारी के नाम से भी जाना जाता है, एक भारतीय मार्शल आर्ट और युद्ध शैली है, जिसकी उत्पत्ति आधुनिक केरल में हुई थी।
- सिलंबम एक हथियार आधारित भारतीय मार्शल आर्ट है जो भारतीय उपमहाद्वीप में आधुनिक तमिलनाडु में उत्पन्न हुई है और लगभग 1000 ईसा पूर्व में उत्पन्न होने का अनुमान है। इस प्राचीन युद्ध शैली का उल्लेख तमिल संगम साहित्य 400 ई.पू मिलता है .
- मणिपुर की सबसे प्राचीन मार्शल आर्ट में से एक, चेबी गद-गा में तलवार और ढाल का उपयोग करके लड़ाई करना शामिल है। इसे अब एक तलवार और चमड़े की ढाल के स्थान पर नरम चमड़े में संलग्न छड़ी के लिए संशोधित किया गया है।
- राजपूतों द्वारा बनाया गया परि-खंड, बिहार में मार्शल आर्ट का एक रूप है। इसमें तलवार और ढाल का इस्तेमाल करके लड़ाई करना शामिल है। अभी भी बिहार के कई हिस्सों में प्रचलित है, छऊ नृत्य में इसके चरणों और तकनीकों का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। वास्तव में यह मार्शल आर्ट छऊ नृत्य का आधार है जिसमें इसके सभी तत्व अवशोषित होते हैं। इस मार्शल आर्ट के नाम में दो शब्द हैं, 'परि' जिसका अर्थ है ढाल जबकि 'खंड' तलवार को संदर्भित करता है, इस प्रकार इस कला में तलवार और ढाल दोनों का उपयोग होता है।
- सही मिलान कलारीपयट्टू (केरल) है; सिलंबम (तमिलनाडु); चेबी गाद-गा (मणिपुर); परि-खंड (बिहार)।

Q.153) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

लोक नृत्य	धरोहर
1. काकसर (Kaksar)	ओडिशा
2. रास	गुजरात
3. कोली	महाराष्ट्र

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है?

a) केवल 1
b) केवल 1 और 2
c) केवल 3
d) इनमें से कोई नहीं

Q.153) Solution (a)

- भारत में लोक नृत्य उस समुदाय की संस्कृति और परंपरा का प्रतिनिधित्व करते हैं जहां से यह उत्पन्न हुआ था।
- लोक नृत्य आमतौर पर संबंधित समुदाय के उत्सव के दौरान किए जाते हैं- प्रसव, त्योहार, विवाह आदि।

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
असत्य	**सत्य**	**सत्य**
काक्सर लोक नृत्य: यह छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में अबूझमरिया जनजाति द्वारा किया जाता है, ताकि देवता का आशीर्वाद प्राप्त किया जा सके तथा एक समृद्ध फसल का आनंद लिया जा सके। यह नर्तकियों को एक ही नृत्य मंडली से अपने जीवन साथी चुनने की अनुमति देता है।	रास, डांडिया रास के रूप में लोकप्रिय गुजरात के सबसे लोकप्रिय लोक नृत्यों में से एक है। कृषि गतिविधियों से जुड़े, इसे किसानों का व्यावसायिक नृत्य कहा जा सकता है। डांडिया रास अपना नाम डांडिया से लेता है, लकड़ी की एक जोड़ी, जिससे समय चिह्नित किया जाता था।	कोली महाराष्ट्र के सबसे लोकप्रिय नृत्य रूपों में से एक है जो महाराष्ट्र के मछुआरे लोग - कोली से अपना नाम प्राप्त करता है। ये मछुआरे अपनी अलग पहचान और जीवंत नृत्य के लिए प्रसिद्ध हैं। उनके नृत्यों में उनके व्यवसाय के तत्व शामिल हैं जो मछली पकड़ रहे हैं।

Q.154) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

उत्तर पूर्व के त्यौहार	जनजातीय समूह
1. म्योको (Myoko)	मिश्मी
2. वांग्ला (Wangala)	गारो
3. मोत्सु मोंग (Moatsu Mong)	रेंगमा

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.154) Solution (b)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
असत्य	**सत्य**	**असत्य**
अपातानी गांवों में निवास करने वाले कई जनजातियों द्वारा म्योको उत्सव मनाया जाता है। यह इन गांवों के बीच एकजुटता और मित्रता की भावना को बनाए रखने के बारे में है। म्योको त्योहार आठ अपातानी ग्रामीणों द्वारा एक रोटेशन आधार पर मनाया जाता है।	प्रमुख गारो जनजाति मुख्य रूप से मेघालय में वांगला उत्सव मनाती है। त्योहार सर्दियों की शुरुआत को इंगित करता है और फसल के बाद के मौसम के लिए एक संकेत के रूप में मनाया जाता है।	नागालैंड में **एओ जनजाति (Ao tribe)** के मोत्सु मोंग त्योहार बुवाई के मौसम के पूरा होने का प्रतीक है। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम है जो प्रत्येक वर्ष 1 मई से 3 मई तक मनाया जाता है। मोत्सु मोंग एक बहुत ही रंगीन उत्सव है और समृद्ध नागा संस्कृति का भी प्रतीक है।

Q.155) रानी-की-वाव के बारे में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

1. यह रानी उदयमति द्वारा निर्मित एक महल है जो सोलंकी राजवंश के राजा भीमदेव प्रथम के स्मारक के रूप में है।
2. यह एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है, जो सरस्वती के तट पर, पाटन, गुजरात में स्थित है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.155) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
असत्य	**सत्य**
रानी-की-वाव को रानी उदयमति द्वारा सोलंकी राजवंश के राजा भीमदेव प्रथम के स्मारक के रूप में बनाया गया है। यह 11 वीं शताब्दी की **बावड़ी (एक**	यह सरस्वती के तट पर, पाटन, गुजरात स्थित है। यह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के तहत एक संरक्षित स्मारक है और सांस्कृतिक स्थल पर यूनेस्को की मूर्त

महल नहीं) है तथा गुजरात में बावड़ी के बेहतरीन उदाहरणों में से एक है। यह सात मंजिला है जिसमें पाँच मौजूद हैं और 800 से अधिक विस्तृत मूर्तियां हैं जो बची हुई हैं।	विश्व धरोहर स्थलों की सूची में भारत के अंतर्गत सूचीबद्ध है।

Q.156) 'मोहिनीअट्टम' (Mohiniyattam) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसकी उत्पत्ति का पता तमिलनाडु के मंदिरों से लगाता है।
2. यह एक शास्त्रीय एकल नृत्य है, जो केवल महिलाओं द्वारा किया जाता है।
3. यह हल्के चेहरे के भावों के साथ हाथ के इशारों और मुखाभिनय पर जोर देता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2 और 3
c) केवल 3
d) 1, 2 और 3

Q.156) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	**असत्य**	**सत्य**
मोहिनीअट्टम का शाब्दिक अर्थ हिंदू पौराणिक कथाओं के आकाशीय जादू 'मोहिनी' के नृत्य के रूप में है। एक पुराण कथा के अनुसार, भगवान विष्णु ने समुद्र के मंथन और भस्मासुर के वध के प्रकरण के संबंध में, असुरों को लुभाने के लिए एक 'मोहिनी' का भेष धारण किया था। केरल के मंदिरों से इसकी उत्पत्ति का पता चलता है।	यह केरल का शास्त्रीय एकल नृत्य रूप है, जो पुरुष और महिला दोनों द्वारा किया जाता है। महिला मंदिर नर्तकियों के एक समुदाय के अस्तित्व को साबित करने के साक्ष्य हैं, जिन्होंने मंदिर के पुजारियों द्वारा मंत्रों के साथ अभिव्यक्त इशारों को जोड़कर मंदिर के अनुष्ठानों की सहायता की।	मोहिनीअट्टम की विशेषता सुंदर, बिना किसी झटके या अचानक छलांग के साथ शरीर की गतिविधियों का संचालन है। यह लास्य शैली का है जो स्त्रीलिंग, कोमल और सुडौल है। पैर की क्रिया थकाऊ नहीं है और धीरे से प्रस्तुत किया जाता है। सूक्ष्म चेहरे के भावों के साथ हाथ के इशारों और मुखाग्नि को महत्व दिया जाता है।

- मोहिनीअट्टम नृत्य की अन्य मुख्य विशेषताएं हैं
  - समुद्र के लहरों और नारियल, ताड़ के पेड़ और धान के खेतों की लहरों की तरह संचलनों तथा ऊपर और नीचे संचलन द्वारा जोर दिया जाता है।
  - नांगियार कुथु और महिला लोक नृत्यों काकोट्टिकाली और तिरुवतिराकली से संचलनों का उधार लिया गया है।
  - मोहिनीअट्टम अभिनय पर जोर देता है। नर्तक पदम और पाद वर्णम जैसी रचनाओं में मौजूद चरित्र और भावनाओं से स्वयं को पहचानता है जो चेहरे के भावों के लिए पर्याप्त अवसर देते हैं।

Q.157) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

शिल्प	धरोहर
1. तवलोह्लपुआन (Tawlhlohpuan)	मेघालय
2. अरनमुला कन्नडी (Aranmula kannadi)	कर्नाटक
3. कंडांगी साड़ी (Kandangi Sarees)	केरल

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.157) Solution (d)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
असत्य	**असत्य**	**असत्य**
तवलोह्लपुआन मिज़ोरम से भारी, कॉम्पैक्ट रूप से बुने हुए, अच्छी गुणवत्ता वाले कपड़े के लिए एक माध्यम है तथा इसे हाथ से बनाए जाने वाले ताना, बुनाई, कताई और जटिल डिजाइन के लिए जाना जाता है।	अरनमुला कन्नडी, (अरनमुला दर्पण) एक हस्तनिर्मित धातु-मिश्र धातु दर्पण है, जिसे केरल के पठानमथिट्टा के एक छोटे से शहर अरनमुला में बनाया गया है।	कंडांगी साड़ी हस्तनिर्मित सूती साड़ी हैं जो तमिलनाडु में निर्मित होती हैं।

Q.158) इस जनजातीय कला की उत्पत्ति पश्चिमी घाटों से हुई है, जिसमें मुख्य रूप से कई आकृति बनाने, मछली पकड़ने, शिकार, त्योहारों, नृत्य और बहुत अन्य जैसी दैनिक जीवन की गतिविधियों को चित्रित करने के लिए वृत्त, त्रिकोण और वर्गों का उपयोग किया जाता है। वह जो इसे दूसरों से अलग करता है, वह मानव आकृति: एक वृत्त और दो त्रिकोण है।
उपरोक्त गद्यांश निम्नलिखित कला रूपों में से किसका वर्णन करता है?

a) फाड़ चित्रकला
b) सौरा चित्रकला
c) पिथौरा चित्रकला
d) वर्ली चित्रकला

Q.158) Solution (d)

- वर्ली चित्रकला: चित्रकला का नाम उन लोगों से लिया गया है, जो पेंटिंग परंपरा को आगे बढ़ाते रहे हैं जो 2500-3000 ईसा पूर्व तक जाती है।
- उन्हें वर्ली कहा जाता है, स्वदेशी लोग जो मुख्य रूप से गुजरात-महाराष्ट्र सीमा पर रहते हैं। इन चित्रों में मध्यप्रदेश के भीमबेटका के भित्ति चित्रों से घनिष्ठ समानता है, जो पूर्व-ऐतिहासिक काल की है।
- इन कर्मकांडों के चित्रों में एक चौका या चौक का मुख्य रूप है, जो मछली पकड़ने, शिकार, खेती, नृत्य, जानवरों, पेड़ों और त्योहारों को चित्रित करने वाले दृश्यों से घिरा हुआ है।
- परंपरागत रूप से, चित्रों को बहुत मूल ग्राफिक शब्दावली का उपयोग करके दीवारों पर किया जाता है, जिसमें एक त्रिकोण, एक चक्र और एक वर्ग शामिल होता है।
- ये आकृतियाँ प्रकृति से प्रेरित हैं, अर्थात् सूर्य या चंद्रमा से वृत्त, शंक्वाकार आकार के पेड़ों या पहाड़ों से त्रिकोण और पवित्र बाड़े या भूमि के टुकड़े से वर्ग बनाये जाते हैं, एक मानव या जानवर का प्रतिनिधित्व करने के लिए, दो त्रिकोण टिप में शामिल होते हैं, उनके सिर की तरह काम करने वाले मंडलियों के साथ।
- आधार मिट्टी, शाखाओं और गोबर के मिश्रण से बना है जो इसे एक लाल गेरुआ रंग देता है। पेंटिंग के लिए केवल सफेद रंगद्रव्य का उपयोग किया जाता है, जो गोंद और चावल पाउडर के मिश्रण से बना होता है।

Q.159) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

पारंपरिक कढ़ाई (*Embroidary Traditions*)	राज्य
1. कशीदा (Kashida)	कश्मीरी
2. कसुटी (Kasuti)	कर्नाटक
3. कलाबट्टू (Kalabattu)	उत्तर प्रदेश

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.159) Solution (d)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
सत्य	**सत्य**	**सत्य**
कशीदा एक लोकप्रिय कश्मीरी सुई कार्य तकनीक है, जो पारंपरिक रूप से कपड़ों पर काम में लाई जाती है जैसे कि स्टोल,	कसुटी भारत के कर्नाटक राज्य में प्रचलित लोक कढ़ाई का एक पारंपरिक रूप है। कसुटी काम जो बहुत जटिल है कभी-कभी हाथ से	जरदोजी या जरी या कलाबट्टू धातु के तारों में की जाने वाली कढ़ाई का काम है। वाराणसी, लखनऊ, सूरत, अजमेर, भोपाल

ऊनी तीतर और रग। 	5,000 टांके लगाना शामिल होता है और पारंपरिक रूप से इल्कल साड़ियों की तरह पोशाक पर बनाया जाता है। 	और हैदराबाद ज़री के काम के लिए महत्वपूर्ण केंद्र हैं। इस काम में, धातु की सिल्लियों को पिघलाया जाता है और छिद्रित स्टील शीट के माध्यम से दबाया जाता है।

Q.160) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

यूनेस्को के रचनात्मक शहरों के नेटवर्क	रचनात्मक क्षेत्र
1. जयपुर	शिल्प और लोक कला
2. हैदराबाद	फिल्में
3. चेन्नई	मीडिया कला
4. मुंबई	डिज़ाइन
5. वाराणसी	संगीत

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1, 2 और 3
b) केवल 3, 4, और 5
c) केवल 1 और 5
d) केवल 1, 2, 4 और 5

Q.160) Solution (c)

- 2004 में बनाया गया यूनेस्को का रचनात्मक शहरों का नेटवर्क (UCCN) का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर अपनी विकास योजनाओं के केंद्र में रचनात्मकता और सांस्कृतिक उद्योगों को रखने तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय रूप से सहयोग करने और अभिनव सोच और कार्रवाई के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने का एक आम उद्देश्य है। ।
- नेटवर्क में सात रचनात्मक क्षेत्र शामिल हैं: शिल्प और लोक कला, मीडिया कला, फिल्म, डिजाइन, गैस्ट्रोनॉमी (पाक कला), साहित्य और संगीत।
- यूनेस्को के रचनात्मक शहरों के नेटवर्क में भारतीय शहर हैं

- मुंबई (फिल्म्स क्रिएटिव)
- हैदराबाद (गैस्ट्रोनॉमी)
- चेन्नई और वाराणसी (संगीत)
- जयपुर (शिल्प और लोक कला)

Q.161) राष्ट्रकूट वंश के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

a) इसकी स्थापना दंतिदुर्ग ने की थी, जिसने गुर्जरों को हराया था।
b) उनके तहत, मंदिर वास्तुकला की वेसर शैली पहली बार प्रकट हुई थी।
c) राष्ट्रकूट वंश के कृष्ण प्रथम ने एलोरा में शानदार शिलाकृत एकाश्म कैलाश मंदिर का निर्माण करवाया था।
d) राष्ट्रकूट वंश के अमोघवर्ष प्रथम को अक्सर उनके धार्मिक स्वभाव के कारण "दक्षिण का अशोक" कहा जाता था।

Q.161) Solution (b)

- राष्ट्रकूट कन्नड़ मूल के थे और कन्नड़ भाषा उनकी मातृभाषा थी। दन्तिदुर्ग राष्ट्रकूट वंश का संस्थापक था। उसने गुर्जरों को पराजित किया तथा मालवा पर अधिकार कर लिया। इसके पश्चात्, उसने कीर्तिवर्मन द्वितीय को हराकर चालुक्य साम्राज्य का विनाश किया। इस प्रकार, राष्ट्रकूट दक्कन में एक सर्वोपरि शक्ति बन गये।
- चालुक्य कला के महान संरक्षक थे। उन्होंने संरचनात्मक मंदिरों (**structural temples**) के निर्माण में वेसर शैली विकसित की। हालांकि, वेसर शैली राष्ट्रकूट और होयसल के अंतर्गत ही अपने चरमोत्कर्ष तक पहुंची। इसलिए विकल्प (बी) गलत है।
- एलोरा और एलीफेंटा में राष्ट्रकूटों की कला और वास्तुकला देखने को मिलती है। एलोरा में, सबसे उल्लेखनीय मंदिर कैलाश मंदिर है। कृष्णा प्रथम ने गंग और वेंगी के पूर्वी चालुक्यों को हराया। कृष्ण प्रथम ने एलोरा में शानदार शिलाकृत एकाश्म कैलाश मंदिर का निर्माण करवाया।
- अमोघवर्ष प्रथम (814–878 ई.) राष्ट्रकूट के सबसे प्रसिद्ध शासकों में से एक था, जिसने एक नई राजधानी का निर्माण किया, जो मान्याखेत (आधुनिक मलखेड) थी। उन्होंने वेंगवल्ली में आक्रमणकारी पूर्वी चालुक्यों को हराया और वीरनारायण की उपाधि धारण की। वे साहित्य के संरक्षक थे तथा स्वयं कन्नड़ और संस्कृत में निपुण विद्वान थे। उन्होंने कविराजमर्ग लिखा, जो काव्यों पर सबसे प्रथम कन्नड कार्य था और संस्कृत में प्राणोत्सर्ग रत्नमाला लिखा। उनके धार्मिक स्वभाव, कला और साहित्य में उनकी रुचि तथा उनके शांति-प्रिय स्वभाव के कारण, उनकी तुलना अक्सर सम्राट अशोक से की जाती है और उन्हें "दक्षिण का अशोक" कहा जाता है, एवं उनकी तुलना विद्वान पुरुषों को संरक्षण देने के लिए गुप्त राजा विक्रमादित्य से भी की जाती है।

Q.162) पाल साम्राज्य का पूर्वी भारत में नवीं शताब्दी के मध्य तक प्रभुत्व था। निम्नलिखित में से कौन सा कथन पाल साम्राज्य के बारे में सही नहीं है / हैं?

1. धर्मपाल के अधीन पाल साम्राज्य ने असम, उड़ीसा और नेपाल तक विस्तार किया।
2. पाल का रोमन साम्राज्य के साथ घनिष्ठ व्यापार और सांस्कृतिक संपर्क था।
3. पाल शासक बौद्ध धर्म के साथ-साथ जैन धर्म के महान संरक्षक थे।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.162) Solution (d)

- 750 -1000 ईस्वी सन् की अवधि को तीन महत्वपूर्ण राजनीतिक शक्तियों के विकास से चिह्नित किया गया था, अर्थात्, गुर्जर-प्रतिहार (जो पश्चिमी भारत और ऊपरी गंगा घाटी में 10 वीं शताब्दी के मध्य तक प्रभावी थे), पाल (जिन्होंने 9 वीं शताब्दी के मध्य तक पूर्वी भारत पर शासन किया था), और राष्ट्रकूट (जिन्होंने दक्खन पर अपना प्रभाव बना लिया था तथा उत्तर और दक्षिण भारत के क्षेत्रों पर भी नियंत्रण किया था)।

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	असत्य	असत्य
देवपाल (810 -850 ई.) ने प्राग्योतिषपुर / कामरुप (असम), उड़ीसा (उत्कल) के कुछ हिस्सों और आधुनिक नेपाल को शामिल करने के लिए पाल साम्राज्य का विस्तार किया। उन्होंने पूरे उत्तर भारत में हिमालय से लेकर विंध्य तक और पूर्व से पश्चिमी महासागरों तक शुल्क/ उपहार लेने का दावा किया।	उत्तरी भारत में, 750–1000 ई. अवधि को ठहराव की अवधि माना जाता था तथा यहां तक कि व्यापार और वाणिज्य के मामले में भी गिरावट आई थी। यह मुख्य रूप से रोमन साम्राज्य के पतन के कारण था जिसके साथ पहले भारत ने व्यापार संबंधों को समृद्ध किया था। पाल का दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ व्यापारिक और सांस्कृतिक संपर्क था।	पाल राजा बौद्ध धर्म, विशेषकर महायान और बौद्ध धर्म के तांत्रिक स्कूल के अनुयायी थे। उन्होंने पूर्वी भारत में मठ (विहार) और मंदिर बनाकर इस धर्म को बहुत बढ़ावा दिया। पाल की विरासत अभी भी तिब्बती बौद्ध धर्म में परिलक्षित होती है। पाल शासक केवल बौद्ध धर्म के महान संरक्षक थे।

Q.163) भारत में मुस्लिम शासन की स्थापना के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. पहला मुस्लिम राज्य भारत में अजमेर में मजबूती से स्थापित किया गया था।
2. तराइन की दूसरी लड़ाई में कन्नौज पर मुसलमानों का अधिकार हो गया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.163) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
उत्तर भारत के हिंदू राजकुमारों ने पृथ्वीराज चौहान के नेतृत्व में एक संघ का गठन किया। 1191 में दिल्ली के पास तराइन की पहली लड़ाई में पृथ्वीराज ने मुहम्मद गोरी को हराया। इस पराजय से गोरी ने बहुत अपमानित महसूस किया। 1192 में तराइन के आगामी युद्ध में, मुहम्मद गोरी ने पृथ्वीराज की सेना को पूरी तरह से पराजित कर दिया, जिसे पकड़ लिया गया और मार दिया गया। तराइन की दूसरी लड़ाई एक निर्णायक लड़ाई थी। यह राजपूतों के लिए एक बड़ी आपदा थी। पहला मुस्लिम राज्य, इस	1193 में कुतुब-उदीन ऐबक ने मुहम्मद गोरी द्वारा एक और आक्रमण के लिए जमीन तैयार की। यह आक्रमण गढ़वाल शासक जयचंद्र के खिलाफ निर्देशित किया गया था। मुहम्मद ने जयचंद्र की सेनाओं को पराजित किया। चंदावर की लड़ाई के बाद कन्नौज पर मुसलमानों अधिकार हो गया था। तराइन और चंदावर की लड़ाइयों ने भारत में तुर्की शासन की स्थापना में योगदान दिया।

प्रकार भारत में अजमेर में मजबूती से स्थापित हुआ और भारत के इतिहास में एक नया युग आरंभ हुआ।	

Q.164) दिल्ली सल्तनत के विभागों के निम्नलिखित युग्मों पर इसके प्राथमिक कार्यों के साथ विचार करें:

1. दीवान-ए- रियासत - धार्मिक मामलों का विभाग।
2. दीवान-ए- कोही - कृषि विभाग।
3. दीवान-ए- बंदगान - दासों का विभाग।

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी सही ढंग से सुमेलित है / हैं?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.164) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	सत्य
अलाउद्दीन खिलजी ने दीवान-ए-रियासत को नायब-ए-रियासत नामक एक अधिकारी के अधीन अलग विभाग बनाया। दीवान-ए-रियासत का प्राथमिक कार्य सुल्तान द्वारा जारी आर्थिक नियमों को लागू करना तथा बाजारों और कीमतों को नियंत्रित करना था। हर व्यापारी बाजार विभाग के तहत पंजीकृत था। दीवान-ए-रिसालत धार्मिक मामलों का विभाग था।	मुहम्मद बिन तुगलक ने कृषि विभाग, दीवान-ए- कोही की स्थापना की। उन्होंने एक योजना आरंभ की जिसके तहत किसानों को बीज खरीदने और खेती का विस्तार करने के लिए तकावी ऋण (खेती के लिए ऋण) दिया गया।	फिरोज शाह तुगलक ने शाही कारखाने विकसित किए, जिनमें हजारों दासों को काम पर रखा गया था, जिन्हें दीवान-ए-बंदगान (दासों का विभाग) के तहत आयोजित किया गया था। प्रभारी -अधिकारी वक़ील-ए-दर थे। अनाथों और विधवाओं की देखभाल के लिए दीवान-ए-खैरात (धर्मार्थ विभाग) नामक एक नया विभाग बनाया गया था।

Q.165) निम्नलिखित में से किस दिल्ली सुल्तान ने खलीफा से मंसूर (*mansur*), अनुमति पत्र प्राप्त किया था?

1. इल्तुतमिश
2. बलबन
3. अलाउद्दीन खिलजी
4. मुहम्मद बिन तुगलक
5. फिरोज शाह तुगलक

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1, 2 और 3
b) केवल 2, 3 और 4
c) केवल 1, 4 और 5
d) केवल 3, 4 और 5

Q.165) Solution (c)

- दिल्ली सल्तनत अपने धर्म इस्लाम के साथ एक इस्लामिक राज्य था। सुल्तानों ने स्वयं को खलीफा का प्रतिनिधि माना। उन्होंने खुतबों या प्रार्थना में खलीफा का नाम शामिल किया तथा इसे अपने सिक्कों पर अंकित किया।
- हालाँकि बलबन ने स्वयं को भगवान की छाया कहा, लेकिन उसने खुतबा और सिक्कों में खलीफा का नाम शामिल करने का अभ्यास जारी रखा। इल्तुतमिश, मुहम्मद बिन तुगलक और फिरोज तुगलक ने खलीफा से मंसूर या अनुमति पत्र प्राप्त किया था।
- इल्तुतमिश एक महान राजनेता था। उसे 1229 में अब्बासिद खलीफ़ा से मान्यता प्राप्त पत्र, मंसूर मिला था, जिसके द्वारा वह भारत का वैधानिक संप्रभु शासक बन गया था।

Q.166) अमीर ख़ुसरो के योगदान के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. उन्होंने हिंदू और ईरानी प्रणालियों के सम्मिश्रण द्वारा क़व्वाली (*qawwalis*) के रूप में जाने जाने वाले हल्के संगीत की एक नई शैली विकसित की।
2. उन्होंने फ़ारसी कविता की एक नई शैली का निर्माण किया जिसे सबक-ए-हिंद कहा जाता है।
3. उनका कार्य तुगलकनामा, ग़यासुद्दीन तुगलक के उदय से संबंधित है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.166) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	सत्य
अमीर खुसरो (1252-1325) ने घोरा और सनम जैसे कई नए राग प्रस्तुत किए। उन्होंने हिंदू और ईरानी प्रणालियों के सम्मिश्रण द्वारा कव्वाली के रूप में जाने जाने वाले हल्के संगीत की एक नई शैली विकसित की। सितार के आविष्कार का श्रेय भी उन्हें ही दिया गया।	अमीर खुसरो प्रसिद्ध फारसी लेखक थे और उन्होंने कई कविताएँ लिखी थीं। उन्होंने कई काव्य रूपों के साथ प्रयोग किया और फारसी कविता की एक नई शैली का निर्माण किया जिसे सबक-ए-हिंद या भारतीय शैली कहा जाता है।	उन्होंने कुछ हिंदी छंद भी लिखे। अमीर खुसरो का खजाईन-उल-फ़ुतुह अलाउद्दीन के विजय के बारे में बात करता है। उनका प्रसिद्ध कार्य तुगलकनामा ग़यासुद्दीन तुगलक के उदय से संबंधित है।

Q.167) दिल्ली सल्तनत के दौरान सिक्कों की प्रणाली के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारत में बलबन ने अरबी सिक्का और चांदी का टंका प्रस्तुत किया।
2. अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल के दौरान सोने के सिक्के या दीनार लोकप्रिय हुए।
3. मुहम्मद बिन तुगलक ने सोने के सिक्कों का मुद्रण बंद कर दिया और सांकेतिक मुद्रा आरंभ की।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.167) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	असत्य
सिक्के की प्रणाली भी दिल्ली सल्तनत के दौरान विकसित हुई थी। इल्तुतमिश ने अरबी सिक्के को भारत में प्रस्तुत किया और 175 ग्राम वजन का चांदी का टंका मध्यकालीन भारत में एक मानक सिक्का बन गया। एक चांदी का टंका खिलजी शासन के दौरान 48 जीतल और तुगलक शासन के दौरान 50 जीतल में विभाजित किया गया था। चाँदी का टंका आधुनिक रुपये का आधार बना।	दक्षिण भारतीय विजय के बाद अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल में सोने के सिक्के या दीनार लोकप्रिय हुए। ताँबे के सिक्के संख्या में कम और अदिनांकित थे।	मुहम्मद बिन तुगलक ने न केवल सांकेतिक मुद्रा का प्रयोग किया था बल्कि कई प्रकार के सोने और चांदी के सिक्के भी जारी किए थे। उनका आठ अलग-अलग स्थानों पर मुद्रण किया गया था। उसके द्वारा कम से कम पच्चीस प्रकार के सोने के सिक्के जारी किए गए थे।

Q.168) सूफीवाद के बारे में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

a) सूफीवाद फारस में उत्पन्न इस्लाम के भीतर एक उदारवादी सुधार आंदोलन था।
b) सूफियों का मानना था कि मानवता की सेवा ईश्वर की सेवा के समान है।
c) सूफीवाद में, एक पीर या गुरु के मार्गदर्शन को धारणा की भावना से भगवान का ज्ञान प्राप्त करने के लिए एक आवश्यक शर्त माना जाता था।
d) सूफ़ी प्रेम और भक्ति को मोक्ष प्राप्ति का एकमात्र साधन मानते हैं।

Q.168) Solution (c)

- सूफीवाद इस्लाम के भीतर एक उदार सुधार आंदोलन था। इसकी उत्पत्ति फारस में हुई और ग्यारहवीं शताब्दी तक भारत में फैल गया था। लाहौर के पहले सूफी संत शेख इस्माइल ने अपने विचारों का प्रचार आरंभ किया। भारत के सूफी संतों में सबसे प्रसिद्ध ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती थे, जो अजमेर में बस गए थे जो उनकी गतिविधियों का केंद्र बन गया था।
- सूफीवाद ने प्रेम और भक्ति के तत्वों को भगवान की प्राप्ति के प्रभावी साधन के रूप में बल दिया। ईश्वर के प्रेम का अर्थ मानवता का प्रेम था और इसलिए सूफियों का मानना था कि मानवता की सेवा ईश्वर की सेवा के लिए समान है।
- सूफीवाद में, आत्म अनुशासन को धारणा की भावना से भगवान का ज्ञान प्राप्त करने के लिए एक आवश्यक शर्त माना जाता था। उनके अनुसार किसी के पास एक पीर या गुरु का मार्गदर्शन होना चाहिए, जिसके बिना आध्यात्मिक विकास असंभव है। सूफीवाद ने भी अपने अनुयायियों में सहिष्णुता की भावना पैदा की। इसलिए विकल्प (c) गलत है।
- जबकि रूढ़िवादी मुसलमान बाह्य आचरण पर जोर देते हैं, सूफी लोग आंतरिक शुद्धता पर जोर देते हैं। रूढ़िवादी संस्कारों के अंध पालन में विश्वास करते हैं, जबकि सूफी प्रेम और भक्ति को मोक्ष प्राप्त करने का एकमात्र साधन मानते हैं।
- सूफीवाद की इन उदार और गैर-कट्टरवादी विशेषताओं का मध्यकालीन भक्ति संतों पर गहरा प्रभाव था। जब भारत में सूफी आंदोलन लोकप्रिय हो रहा था, उसी समय भक्ति पंथ हिंदुओं के मध्य दृढ़ता प्राप्त कर रहा था। प्रेम और निस्वार्थ भक्ति के सिद्धांतों पर आधारित दो समानांतर आंदोलनों ने दोनों समुदायों को एक साथ लाने में बहुत योगदान दिया। हालांकि, यह प्रवृत्ति लंबे समय तक नहीं चली।

Q.169) गुरु नानक के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. वह निर्गुण भक्ति संत और समाज सुधारक थे।
2. उन्होंने सिख धर्म के पवित्र धार्मिक ग्रंथ आदि ग्रन्थ का संकलन किया।
3. वह मुगल सम्राट बाबर के समकालीन थे।
4. उन्होंने एक मध्य मार्ग की वकालत की जिसमें आध्यात्मिक जीवन को गृहस्थ के कर्तव्यों के साथ जोड़ा जा सके।

निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2 और 3
c) केवल 1 और 4
d) केवल 1, 3 और 4

Q.169) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
सत्य	असत्य	सत्य	सत्य
गुरु नानक देव (1469 – 1539 ई.) सिख धर्म के पहले सिख गुरु और संस्थापक थे। वह निर्गुण भक्ति संत और समाज सुधारक थे। उनका जन्म 1469 में तलवंडी (जिसका नाम बाद में ननकाना साहिब रखा गया था) लाहौर के पास हुआ था। वे जाति के सभी विभेदों के साथ-साथ धार्मिक प्रतिद्वंद्विता और कर्मकांडों के भी विरोधी थे, तथा उन्होंने ईश्वर की एकता का प्रचार किया और औपचारिकता और कर्मकांड की निंदा की।	उन्होंने लंगर (एक सामुदायिक रसोई) की अवधारणा प्रस्तुत की। आदि ग्रंथ यानी गुरु ग्रंथ साहिब गुरु अर्जुन देव (5 वें सिख गुरु) द्वारा संकलित सिख धर्म की पवित्र धार्मिक पुस्तक है।	गुरु नानक देव (1469 – 1539 ई.) मुगल सम्राट बाबर (1526 - 1530) के समकालीन थे।	उन्होंने चरित्र की पवित्रता और आचरण पर बहुत जोर दिया, मार्गदर्शन के लिए भगवान, और गुरु की आवश्यकता को पहली शर्त माना। कबीर की तरह, उन्होंने एक मध्य मार्ग की वकालत की जिसमें आध्यात्मिक जीवन को गृहस्थ के कर्तव्यों के साथ जोड़ा जा सकता है। मुक्ति का उनका विचार जड़ता आनंद की स्थिति का नहीं था, बल्कि सामाजिक प्रतिबद्धता की एक मजबूत भावना के साथ सक्रिय जीवन की खोज था।

Q.170) इबादत खाना के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह अकबर द्वारा धार्मिक और आध्यात्मिक विषयों पर चर्चा करने के लिए स्थापित किया गया था।
2. इसे मुस्लिमों, हिंदुओं, ईसाइयों और पारसियों के लिए खोला गया था।
3. औरंगज़ेब के शासनकाल के दौरान इबादत ख़ाना में वाद-विवाद बंद कर दिया गया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.170) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य
1575 में, अकबर ने फतेहपुर सीकरी में इबादत खाना नामक प्रार्थना का एक हॉल बनाया। उन्होंने धार्मिक और आध्यात्मिक विषयों पर बहस करने के लिए केवल चयनित विद्वानों और धर्मशास्त्रियों को बुलाया। 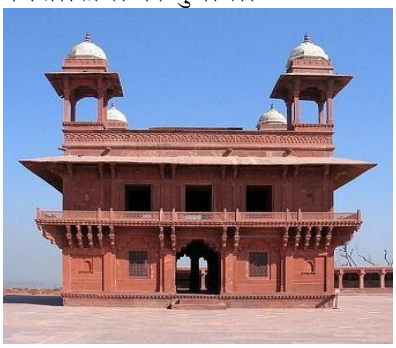	प्रारंभ में केवल मुस्लिम मौलवियों को बहस के लिए आमंत्रित किया गया था, लेकिन उनके द्वारा बनाई गई अव्यवस्था ने बादशाह अकबर को अपमानित किया। बाद में उन्होंने इसे हिंदुओं से संबंधित विभिन्न संप्रदायों, ईसाइयों और पारसियों के लिए खोल दिया।	लेकिन सभी धर्मों के विद्वानों द्वारा बनाई गई अव्यवस्था के कारण अकबर ने सोचा कि बहस से विभिन्न धर्मों के बीच बेहतर समझ पैदा नहीं हुई है, लेकिन महान कटुता के रूप में, प्रत्येक धर्म के प्रतिनिधियों ने दूसरों को बदनाम किया है तथा अपने धर्म को दूसरों से बेहतर साबित करने की कोशिश की है। इसलिए, 1582 में, अकबर ने इबादत खाना में वाद-विवाद बंद कर दिया था।

Q.171) निम्नलिखित में से किसने भागवत गीता और उपनिषदों का फारसी भाषा में अनुवाद किया था?

a) अबुल फैजी
b) अब्दुल हमीद लाहौरी
c) दारा शिकोह
d) इनायत खान

Q.171) Solution (c)

- दारा शिकोह, मुगल सम्राट शाहजहाँ का सबसे बड़ा पुत्र था, जिसने 1642 में, दारा शिकोह को औपचारिक रूप से अपने उत्तराधिकारी की पुष्टि की, उसे शहजादा-ए-बुलंद इकबाल की उपाधि प्रदान की।
- वह अपने भाई औरंगजेब के खिलाफ उत्तराधिकार का युद्ध हारने के बाद मारा गया था।
- उन्होंने 1657 में भगवद् गीता के साथ-साथ उपनिषदों का अपने मूल संस्कृत से फारसी में अनुवाद किया ताकि मुस्लिम विद्वानों द्वारा उनका अध्ययन किया जा सके।
- फारसी भाषा में महाभारत का अनुवाद अबुल फैजी की देखरेख में किया गया था।
- अब्दुल हमीद लाहौरी, पादशाह नामा के लेखक और इनायत खान ने शाहजहाँ नामा लिखा था।

Q.172) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

मुग़ल प्रशासन के अंतर्गत पद	प्राथमिक कार्य / भूमिका
1. मुतसद्दी (*Mutasaddi*)	बंदरगाह का गवर्नर
2. शिकदार (*Shiqdar*)	सरकार इकाई में कार्यकारी अधिकारी

3. मुहतसिब (*Muhtasibs*)	लोगों के आचरण पर नजर रखना

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) केवल 1 और 2

Q.172) Solution (b)

Suba (province) ⟶ *Subedar* (Governor)
↓
Sarkar (District) ⟶ *Faujdar* (Law and order) and *Amalguzar* (Assessment and collection of the land revenue)
↓
Parganas (sub- districts) ⟶ *Shiqdar* (Executive officer).
↓
Village ⟶ *Muqaddam* (village head man)

- फौजदार का प्राथमिक कर्तव्य कानून और व्यवस्था बनाए रखना तथा क्षेत्रों के निवासियों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा करना था। जब भी बल की आवश्यकता होती थी, वह राजस्व के समय पर संग्रह में सहायता करता था।
- अमालगुजार या आमिल राजस्व संग्रहकर्ता थे। उनका कर्तव्य राजस्व संग्रह का आकलन और पर्यवेक्षण करना था।

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
सत्य	**असत्य**	**सत्य**
बंदरगाह प्रशासन प्रांतीय प्राधिकरण से स्वतंत्र था। बंदरगाह के गवर्नर को मुतसद्दी कहा जाता था जो सीधे सम्राट द्वारा नियुक्त किया जाता था। मुतसद्दी ने माल पर कर एकत्र किया और एक सीमा शुल्क गृह बनाए रखा। उन्होंने बंदरगाह पर टकसाल गृह की भी देखरेख की।	परगना के स्तर पर, शिक़दार कार्यकारी अधिकारी थे। उन्होंने राजस्व संग्रह के कार्य में आमिल की सहायता की थी। कानूनगो ने परगना में जमीन के सभी रिकॉर्ड रखे थे। कोतवाल मुख्य रूप से शाही सरकार द्वारा कस्बों में नियुक्त किए जाते थे और कानून व्यवस्था के प्रभारी थे।	नैतिकता के नियमों के सामान्य पालन को सुनिश्चित करने के लिए अकबर द्वारा मुहतासिब (सार्वजनिक नैतिकता के रक्षक) भी नियुक्त किए गए थे।

Q.173) भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में, 'हम्ज़ानामा' का संबंध किससे है

a) मुगल प्रशासन का वर्णन।
b) लघु चित्रों का संग्रह।
c) हुमायूँ की आत्मकथा।
d) मुगल राजाओं द्वारा जारी शाही आदेश।

Q.173) Solution (b)

- हम्ज़ानामा 1200 लघु चित्रों का एक संग्रह है तथा तीसरे मुगल सम्राट अकबर द्वारा प्राथमिक महत्वपूर्ण कार्यों में से एक था।
- यह पैगंबर मोहम्मद के चाचा अमीर हम्ज़ा के कारनामों की कहानी कहता है। इन्हें कागज के बजाय सूती कपड़े पर चित्रित किया गया था। इस लघु चित्रों में यह देख सकते हैं कि वास्तुकला इंडो-फ़ारसी है, पेड़ के प्रकार मुख्य रूप से दक्कनी चित्रकला से प्राप्त होते हैं और महिला प्रकार आरंभिक राजस्थानी चित्रों से अनुकूलित होते हैं, महिलाएं चौकोर किनारे वाली स्कर्ट और पारदर्शी मुस्लिम घूंघट पहनती हैं। पुरुषों द्वारा पहने जाने वाले टर्बन्स छोटे और तंग होते हैं, जो अकबर काल के विशिष्ट हैं।
- मुगल शैली आगे चलकर यूरोपीय चित्रों से प्रभावित हुई, जो मुगल दरबार में आई, और कुछ पश्चिमी तकनीक जैसे छायांकन और परिप्रेक्ष्य को समाहित किया। उनका उत्पादन अकबर के चित्रालय के लिए एक बहुत बड़ा उपक्रम था, जिसमें अब्द अल-समद और मीर सैय्यद अली सहित कई प्रख्यात फारसी कलाकार कार्यरत थे।

Q.174) इतिमाद उद दौला के मकबरे के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसका निर्माण आगरा में मुगल सम्राट शाहजहाँ द्वारा किया गया था।
2. यह भारत में पहले मकबरे के रूप में प्रसिद्द है, जो पूरी तरह से सफेद संगमरमर से बनाया गया है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा गलत है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.174) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
असत्य	सत्य
इतिमाद उद दौला के मकबरे का निर्माण मुगल रानी नूरजहाँ ने 1622 और 1628 के बीच करवाया था, जहाँ उसके पिता इतिमाद उद दौला को दफनाया गया था। इतिमद उद दौला या मिर्जा गियास-उद-दीन या गियास बेग मुगल रानी और जहांगीर की पत्नी नूरजहाँ के पिता थे।	यह भारत में पूरी तरह से सफेद संगमरमर से निर्मित होने वाला संपूर्णता में पहला मकबरा होने के लिए प्रसिद्ध है। यह इस्लामी वास्तुकला का एक आदर्श उदाहरण है; मकबरे में धनुषाकार प्रवेश द्वार, अष्टकोणीय आकार के मीनारें, अति सुंदर नक्काशीदार पुष्प पैटर्न का उपयोग, जटिल संगमरमर-स्क्रीन का काम और जड़ने का कार्य हुआ है। 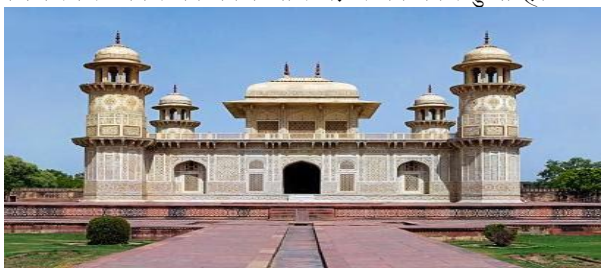

Q.175) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. मुगल चित्रकला जहाँगीर के शासनकाल के दौरान अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँच गयी थी।
2. किले के निर्माण का चरमोत्कर्ष अकबर के शासनकाल के दौरान पहुंचा था।

3. शाहजहाँ के शासनकाल में मस्जिद-निर्माण अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँच गया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2 और 3
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.175) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	सत्य
मुगल चित्रकला जहाँगीर के शासनकाल के दौरान अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँची। उन्होंने अबुल हसन, बिशन दास, मधु, अनंत, मनोहर, गोवर्धन और उस्ताद मंसूर जैसे कई चित्रकारों को नियुक्त किया।	किले-निर्माण का चरमोत्कर्ष शाहजहाँ के शासनकाल के दौरान पहुँचा। दिल्ली का प्रसिद्ध लाल किला अपने रंग महल, दीवान-ए-आम और दीवान-ए-ख़ास के साथ था। उन्होंने दिल्ली में जामा मस्जिद, लाहौर में शालीमार बाग और शाहजहानाबाद शहर का निर्माण भी किया। मयूर सिंहासन के निर्माण भी करवाया, जो अमीर ख़ुसरो के दोहे अंकित पर आधारित हैं: "यदि धरती पर स्वर्ग है, तो वह यहाँ है"।	शाहजहाँ के शासनकाल में मस्जिद-निर्माण अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँच गया था। उन्होंने आगरा में ताजमहल और मोती मस्जिद (पूरी तरह से सफेद संगमरमर में निर्मित), शीश महल और आगरा में मुसम्मन बुर्ज (जहाँ उन्होंने अपने अंतिम वर्ष कैद में बिताए थे) का निर्माण किया, जबकि दिल्ली में जामा मस्जिद लाल पत्थर से बनी थी।

Q.176) विजयनगर साम्राज्य के कृष्ण देव राय के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. उनके दरबार में नवरत्नों के रूप में जाने जाने वाले साहित्यकारों में नौ प्रतिष्ठित साहित्यकार थे।
2. वे स्वयं एक संस्कृत कार्य, आमुक्तमाल्यद तथा एक तेलुगु कार्य, जांबवती कल्याणम के लेखक थे।
3. बड़ी संख्या में रायगोपुरम के निर्माण के अलावा, उन्होंने एक नया शहर भी बनाया जिसका नाम नागालपुरम था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) केवल 1 और 3

Q.176) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	असत्य	सत्य
कृष्ण देव राय (1509 - 1530), हालांकि एक वैष्णव थे, उन्होंने सभी	अल्लासानी पेद्दन्ना सबसे महान थे और उन्हें आंध्रकविता पितामह कहा	उन्होंने दक्षिण भारत के अधिकांश मंदिरों की मरम्मत करवाई। उन्होंने

धर्मों का सम्मान किया। वह साहित्य और कला के महान संरक्षक थे तथा उन्हें आंध्र भोज के नाम से जाना जाता था। अष्टदिग्गजों के नाम से प्रसिद्ध आठ विद्वान उनके शाही दरबार में थे। नौ नवरत्न अकबर के दरबार में थे और कृष्ण देव राय के दरबार में नहीं।	जाता था। उनके महत्वपूर्ण कार्यों में मनुचरितम और हरिकथासरम शामिल हैं। पिंगल सुरन्ना और तेनाली रामकृष्ण अन्य महत्वपूर्ण विद्वान थे। कृष्णदेव राय ने स्वयं एक तेलुगु कार्य, आमुक्त माल्यद तथा संस्कृत रचनाएँ, जाम्बवती कल्याणम और उषापरिनयम लिखी हैं।	विजयनगर में प्रसिद्ध विट्ठलस्वामी और हजारा रामास्वामी मंदिरों का भी निर्माण करवाया। उन्होंने अपनी रानी नागलदेवी की याद में एक नया शहर भी बनाया, जिसका नाम नागालपुरम था। इसके अलावा, उन्होंने बड़ी संख्या में रायगोपुरम का निर्माण भी करवाया।

Q.177) विजयनगर साम्राज्य के अंतर्गत प्रशासन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. प्रांतीय गवर्नरों के पास स्वायत्तता का एक बड़ा अधिकार था।
2. भूमि राजस्व आम तौर पर उपज का एक-छठां भाग तय किया गया था।
3. विजयनगर शासकों के अधीन, ग्राम स्वशासन की चोल परंपराओं को काफी कमजोर कर दिया गया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.177) Solution (d)

- विजयनगर साम्राज्य के तहत एक सुव्यवस्थित प्रशासन था। राय (राजा) को कार्यकारी, न्यायिक और विधायी मामलों में पूर्ण अधिकार प्राप्त था। वह अपील का सर्वोच्च न्यायालय था। न्याय के मामले में, अंग-भंग और हाथियों से रौदने जैसे कठोर दंड दिए गए थे। राजा को अपने दैनिक प्रशासन में मंत्रियों की एक परिषद द्वारा सहायता प्रदान की गई थी।
- राज्य को विभिन्न प्रशासनिक इकाइयों में विभाजित किया गया था, जिन्हें मंडलम, नाडु, स्थल और अंत में ग्रामों में विभाजित किया गया था।

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**सत्य**	**सत्य**
प्रांतों के गवर्नर पहले शाही राजकुमार होते थे। बाद में, शासक परिवारों और कुलीनों के जागीर से संबंधित व्यक्तियों को भी गवर्नर के रूप में नियुक्त किया गया था। प्रांतीय गवर्नरों के पास स्वायत्तता का एक बड़ा अधिकार था क्योंकि उन्होंने अपने दरबारों में अपने स्वयं के अधिकारियों को नियुक्त किया, और अपनी सेनाओं को बनाए रखा। कभी-कभी, उन्होंने अपने स्वयं के सिक्के भी जारी किए (हालांकि छोटे मूल्यवर्ग में)।	भूमि राजस्व, श्रद्धांजलि तथा जागीरदार और सामंती प्रमुखों से उपहार के अलावा, बंदरगाहों पर एकत्र किए गए सीमा शुल्क, विभिन्न व्यवसायों पर कर, सरकार की आय के अन्य स्रोत थे। भूमि राजस्व आम तौर पर उपज का एक छठा भाग तय किया गया था।	मंडलम के गवर्नर को मंडलेश्वर या नायक कहा जाता था। विजयनगर शासकों ने प्रशासन में स्थानीय अधिकारियों को पूर्ण अधिकार दिए। यह ध्यान रखना आवश्यक है कि विजयनगर शासकों के अधीन ग्राम स्व-शासन की चोल परंपराएँ काफी कमजोर हो गयी थीं। उनकी स्वतंत्रता और पहल पर अंकुश लगाने के लिए वंशानुगत नायक प्रथा में वृद्धि हुई थी।

Q.178) पेशवा बाजी राव प्रथम के बारे में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

a) वह शिवाजी के बाद गुरिल्ला रणनीति के सबसे बड़े प्रतिपादक थे।
b) उन्होंने मराठा प्रमुखों के बीच संघ की व्यवस्था (system of confederacy) आरंभ की।
c) उनके शासनकाल के दौरान, छत्रपति से सर्वोच्च शक्ति पेशवा को हस्तांतरित की गई थी।
d) उन्होंने पुर्तगालियों से साल्सेट और बसीन को छीन लिया था।

Q.178) Solution (c)

- बाजी राव प्रथम (1720–1740 ई.) बालाजी विश्वनाथ के सबसे बड़े पुत्र थे, जिन्होंने उन्हें पेशवा के रूप में सफलता दिलाई। वह शिवाजी के बाद गुरिल्ला रणनीति के सबसे बड़े प्रतिपादक थे। अपने जीवनकाल के दौरान, उन्होंने कभी भी एक लड़ाई नहीं हारी और मराठा शक्ति उनके अधीन अपने चरम पर पहुंच गई। उन्होंने उत्तर-पूर्व विस्तार की नीति तैयार की।
- उन्होंने आम दुश्मन, मुगलों के खिलाफ हिंदू प्रमुखों के समर्थन को सुरक्षित करने के लिए हिंदू-पादशाही (हिंदू साम्राज्य) के विचार का प्रचार किया और लोकप्रिय बनाया। दक्कन में उनके कट्टर प्रतिद्वंद्वी निज़ाम-उल-मुल्क थे, जिन्होंने बाजी राव और शाहू के खिलाफ कोल्हापुर के राजा के साथ लगातार साजिश रची। हालाँकि, बाजी राव ने निज़ाम को दोनों ही मौकों पर हराया, जब वे पालखेड़ और भोपाल में लड़े, तथा उन्हें दक्खन के छह प्रांतों के चौथ और सरदेशमुखी देने के लिए मजबूर किया।
- 1722 ई. में, उन्होंने साल्सेट और बसीन को पुर्तगालियों से छीन लिया। उन्होंने 1728 ई. में प्रशासनिक राजधानी को सतारा से पुणे स्थानांतरित कर दिया।
- उन्होंने मराठा प्रमुखों के बीच संघ की व्यवस्था शुरू की। इस प्रणाली के तहत, प्रत्येक मराठा प्रमुख को एक क्षेत्र सौंपा गया था जिसे स्वायत्त रूप से प्रशासित किया जा सकता था। परिणामस्वरूप, कई मराठा परिवार प्रमुख हो गए और भारत के विभिन्न हिस्सों में अपना अधिकार स्थापित कर लिया। वे बड़ौदा में गायकवाड़, नागपुर में भोंसले, इंदौर में होल्कर, ग्वालियर में सिंधिया और पूना में पेशवा थे।
- बालाजी बाजी राव प्रथम / नाना साहिब प्रथम (1740-61 ई.) के शासनकाल के दौरान, राजा राम ने संगोला समझौते (जिसे 1750 की संवैधानिक क्रांति के रूप में भी जाना जाता है) को अंजाम दिया, जिसे सर्वोच्च शक्ति छत्रपति को पेशवा में स्थानांतरित कर दिया गया था। इसलिए विकल्प (c) गलत है।

Q.179) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

उत्तराधिकारी राज्य	संस्थापक
1. हैदराबाद	चिन किलिच खान
2. अवध	सआदतुल्ला खान
3. बंगाल	मुर्शिद कुली खान

ऊपर दिए गए युग्मों में से, कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 1
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.179) Solution (a)

- मुगल साम्राज्य के पतन के बाद, 18 वीं शताब्दी में उत्तराधिकारी राज्यों का उदय हुआ। मुगल प्रांतों के गवर्नरों द्वारा स्वायत्तता के दावे के परिणामस्वरूप वे मुगल साम्राज्य से अलग हो गए। ये थे हैदराबाद, बंगाल और अवध।

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
सत्य	सत्य	सत्य
निज़ाम-उल-मुल्क आसफ़ जाह (1724-48): हैदराबाद राज्य की स्थापना 1724 में तुरानी समूह के एक शक्तिशाली कुलीन, क़मर-उद-दीन-सिद्दीकी ने की थी। वह अपनी उपाधि चिन किलिच खान (सम्राट औरंगजेब द्वारा सम्मानित), निजाम-उल-मुल्क (फर्रुखसियर द्वारा सम्मानित) और आसफ जाह (मोहम्मद शाह द्वारा सम्मानित) द्वारा भी जाना जाता है।	मुर्शिद कुली खान (1717-27): बंगाल के स्वतंत्र राज्य की स्थापना मुर्शिद कुली खान ने की थी, जिसे मोहम्मद हादी के नाम से भी जाना जाता है। बंगाल के साथ मुर्शिद कुली का संबंध 1700 में आरंभ हुआ, जब औरंगज़ेब ने बंगाल को दीवान के रूप में भेजा, जहाँ वे सफल राजस्व प्रशासक साबित हुए।	सआदत खान (1722-39) अवध के स्वतंत्र राज्य के संस्थापक थे। 1722 में उन्हें मुगल सम्राट द्वारा अवध का गवर्नर नियुक्त किया गया था। सूबे में विद्रोह करने वाले ज़मींदारों को वश में करने का कठिन काम उन्हें दिया गया था। उन्होंने भूमि कर का भुगतान करने से इनकार कर दिया था और अपने किलों और सेनाओं के साथ स्वायत्त प्रमुखों की तरह व्यवहार किया था। वह एक वर्ष के भीतर इस कार्य में सफल रहा और प्रशंसा में, सम्राट मोहम्मद शाह ने उसे बुरहान-उल-मुल्क की उपाधि से सम्मानित किया। सादतुल्ला खान कर्नाटक का नवाब था।

Q.180) ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा प्राप्त निम्नलिखित में से कौन सी विशेषाधिकार कंपनी के लिए मैग्ना कार्टा के रूप में माना जाता है?

a) मुगल सम्राट जहांगीर और चंद्रगिरी के शासक द्वारा कारखानों को स्थापित करने की अनुमति।
b) गोलकुंडा के सुल्तान द्वारा कंपनी को जारी किया गया 'स्वर्णिम फरमान'
c) सूबेदार ने सभी शुल्कों के स्थान पर, 3,000 रुपये के वार्षिक भुगतान के बदले बंगाल में व्यापार करने की अनुमति दी।
d) मुगल बादशाह फर्रुखसियर द्वारा जारी किए गए तीन फरमान।

Q.180) Solution (d)

- 1715 में, मुग़ल सम्राट फ़र्रुखसियर के दरबार में जॉन सरमन के नेतृत्व में एक अंग्रेजी मिशन ने तीन प्रसिद्ध फरमान हासिल किए, जिससे कंपनी को बंगाल, गुजरात और हैदराबाद में कई मूल्यवान विशेषाधिकार मिले। इस प्रकार प्राप्त फरमानों को कंपनी का मैग्ना कार्टा माना जाता था।
- उनकी महत्वपूर्ण शर्तें थीं:
  - बंगाल में, कंपनी के आयात और निर्यात को अतिरिक्त सीमा शुल्क से छूट दी गई थी, जिसमें केवल भुगतान किए गए 3,000 रुपये के वार्षिक भुगतान को करना था।
  - कंपनी को इस तरह के माल के परिवहन के लिए दस्तक (पास) जारी करने की अनुमति दी गई थी।
  - कंपनी को कलकत्ता के आसपास अधिक भूमि किराए पर लेने की अनुमति दी गई थी।
  - हैदराबाद में, कंपनी ने व्यापार में शुल्कों से स्वतंत्रता के अपने मौजूदा विशेषाधिकार को बरकरार रखा और केवल मद्रास के लिए प्रचलित किराए का भुगतान करना पड़ा।

- सूरत में, 10,000 रुपये के वार्षिक भुगतान के लिए, ईस्ट इंडिया कंपनी को सभी शुल्कों के भुगतान से छूट दी गई थी।
- यह फरमान था कि मुम्बई साम्राज्य में कंपनी के सिक्कों का चलन पूरे मुगल साम्राज्य में लागू था।

Q.181) सिंधु घाटी सभ्यता के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. हड़प्पावासियों द्वारा उत्पादित कपास को यूनानियों द्वारा 'सिंधन' (*Sindon*) के रूप में जाना जाता था।
2. प्रचलन में कोई धात्विक मुद्रा नहीं थी तथा व्यापार वस्तु विनिमय के माध्यम से आयोजित किया गया था।
3. हड़प्पा वासियों ने बड़े पैमाने पर पशुओं को पालतू बनाया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.181) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	सत्य
हड़प्पा सभ्यता कपास का उत्पादन करने वाली सबसे पहले ज्ञात सभ्यता थी। यह यूनानियों द्वारा सिंध क्षेत्र में होने के कारण 'सिंधन' के रूप में जाना जाता है। सिंधु मैदान में, लोगों द्वारा नवंबर में बाढ़ के मैदानों में बीज बोए जाते थे, जब बाढ़ का पानी वापस चला जाता था, अगले बाढ़ के आगमन से पहले अप्रैल में गेहूं और जौ की अपनी फ़सल काट ली जाती थी। उन्होंने स्वयं की आवश्यकता हेतु पर्याप्त खाद्यान्न का उत्पादन किया और अधिशेष खाद्यान्न को अन्न भंडार में रखा जाता था।	हड़प्पा व्यापार नेटवर्क और अर्थव्यवस्था के प्रमुख पहलू - उन्होंने आंतरिक और बाह्य व्यापार किया। प्रचलन में कोई धात्विक मुद्रा नहीं थी तथा व्यापार वस्तु विनिमय के माध्यम से आयोजित किया गया था। अंतर्देशीय परिवहन मुख्य रूप से बैलगाड़ी द्वारा किया जाता था।	हड़प्पा वासियों ने बड़े पैमाने पर पशुओं को पालतू बनाया। मवेशियों (बैल, भैंस, बकरी, कूबड़ वाले बैल, भेड़, सूअर, गधे, ऊंट) के अलावा, बिल्लियों और कुत्तों को भी पालतू बनाया गया था। घोड़े को नियमित रूप से इस्तेमाल नहीं किया गया था लेकिन हड़प्पावासी हाथी और गैंडे से अच्छी तरह से परिचित थे। यह ध्यान रखना उचित है कि हड़प्पा संस्कृति घोड़े पर केंद्रित नहीं थी।

Q.182) भारत में धार्मिक प्रथाओं के संदर्भ में, "मुर्तिपुजक" (Murtipujaka) संप्रदाय किससे संबंधित हैं

a) बौद्ध धर्म
b) जैन धर्म
c) वैष्णव धर्म
d) शैव धर्म

Q.182) Solution (b)

- जैन धर्म संसार के सबसे प्राचीन धर्मों में से एक है। जैन धर्म को श्रमण धर्म, निर्ग्रंथ धर्म आदि के रूप में भी जाना जाता था, यह किसी अन्य धर्म की शाखा नहीं है, बल्कि अलग-अलग समयों के दौरान इन विभिन्न नामों से पहचाना जाने वाला एक स्वतंत्र धर्म है।
- इनके तीर्थंकरों ने जिन भी कहा है। एक जिन के अनुयायी को जैन कहा जाता है और जिन के अनुयायियों के नाम पर धर्म को जैन धर्म कहा जाता है। प्रत्येक तीर्थंकर जैन क्रमिक व्यवस्था को पुनर्जीवित करता है। जैन व्यवस्था को जैन संघ के नाम से जाना जाता है। वर्तमान जैन संघ को भगवान महावीर द्वारा पुन: स्थापित किया गया था, जो वर्तमान समय अवधि के 24 वें और अंतिम तीर्थंकर थे।
- जैन व्यवस्था दो प्रमुख संप्रदायों में विभाजित थी- दिगंबर संप्रदाय और श्वेतांबर संप्रदाय।
- दिगंबर संप्रदाय, हाल के शताब्दियों में, निम्नलिखित उप-संप्रदायों में विभाजित हो गया है:

प्रमुख उप-संप्रदाय:

1. बिसपंथ (Bisapantha)
2. तेरापंथ (Terapantha)
3. तरणपंथ या समयपंथ (Taranapantha or Samaiyapantha)

लघु उप संप्रदाय:

1. गुमनपंथ (Gumanapantha)
2. तोतापंथ (Totapantha)

दिगंबर संप्रदाय की तरह, श्वेतांबर संप्रदाय को भी तीन मुख्य उप-संप्रदायों में विभाजित किया गया है:

1. **मूर्तिपूजक (Murtipujaka),**
2. स्थानकवासी (Sthanakvasi), और
3. तेरापंथी (Terapanthi)

Q.183) त्रिपिटक के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. विनय पिटक में संघ के भिक्षुओं और भिक्षुणियों के लिए नियम थे।
2. सुत्त पिटक में संवाद रूप में विभिन्न सिद्धांत संबंधी मुद्दों पर बुद्ध के प्रवचन शामिल हैं।
3. अभिधम्म पिटक ग्रंथों को 'बुद्धवचन' या 'बुद्ध के शब्द' के रूप में भी जाना जाता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.183) Solution (a)

- बौद्ध धर्म की सभी शाखाओं में उनके मुख्य धर्मग्रंथों के हिस्से के रूप में त्रिपिटक है, जिसमें तीन पुस्तकें हैं - सुत्त (पारंपरिक शिक्षण), विनय (अनुशासनात्मक संहिता), और अभिधम्म (नैतिक मनोविज्ञान)।

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य

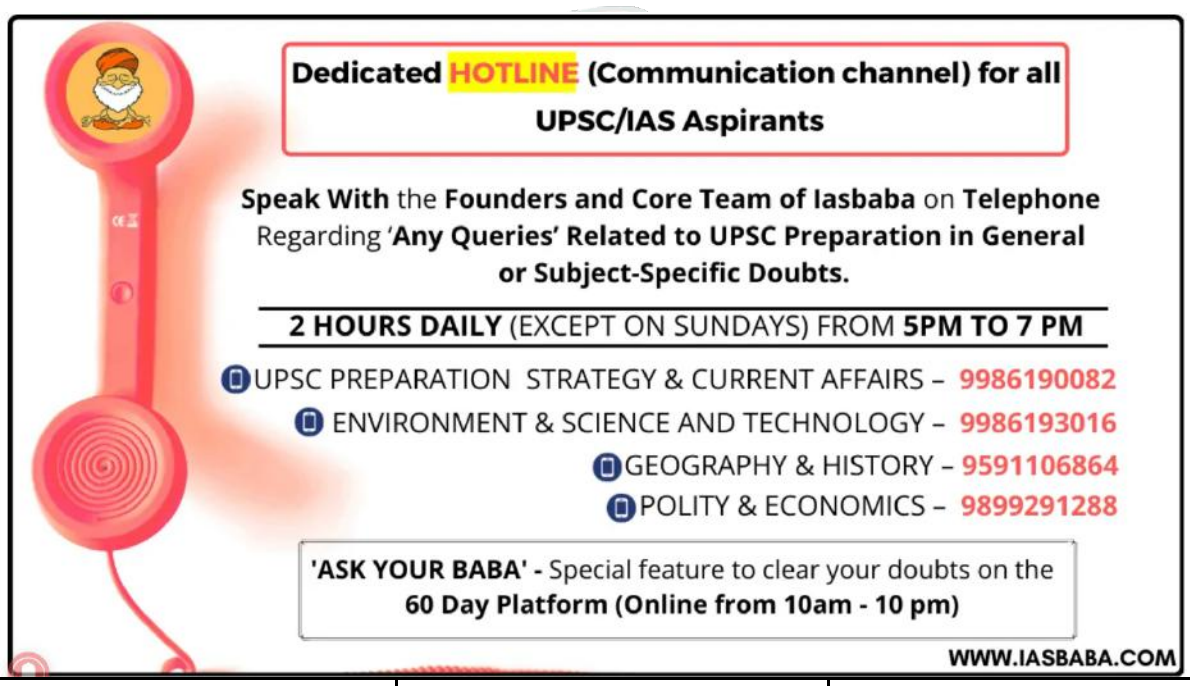

विनय पिटक (अनुशासनात्मक टोकरी): इसमें संन्यासी के भिक्षुओं और भिक्षुणियों के लिए नियम (संघ) हैं। इसमें पत्तिमोक्ख भी शामिल है - इनके लिए मठवासी अनुशासन और प्रायश्चितों के विरुद्ध पापों की एक सूची है। संन्यासी नियमों के अलावा, विनय ग्रंथों में सिद्धांतवादी अनुष्ठान, अनुष्ठान ग्रंथ, जीवनी कथाएँ, और 'जातक'	सुत्त पिटक (प्रवचन सूत्र / टोकरी): सुत्त पिटक में संवाद रूप में विभिन्न सिद्धांत संबंधी मुद्दों पर बुद्ध के प्रवचन शामिल हैं, क्योंकि यह उन ग्रंथों को संदर्भित करता है जिनमें माना जाता है कि बुद्ध ने स्वयं कहा था। कुछ सूत्र के अपवाद के साथ, इस पाठ का अधिकार सभी बौद्ध स्कूलों द्वारा स्वीकार किया जाता है। इन प्रवचनों को उस तरीके के आधार पर व्यवस्थित किया गया था	अभिधम्म पिटक (उच्च शिक्षण की टोकरी): इसमें सारांश, प्रश्न और उत्तर, सूची आदि के माध्यम से सुत्त पिटक की शिक्षाओं का गहन अध्ययन और व्यवस्था शामिल है।

या 'जन्म कथाओं' के कुछ तत्व शामिल हैं।	जिसमें उन्हें वितरित किया गया था।	

Q.184) महायान बौद्ध धर्म की निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार करें:

1. बुद्ध की व्याख्या एक पारलौकिक व्यक्ति के रूप में की गई थी, जो सभी बनने की आकांक्षा कर सकते थे।
2. यह बुद्ध की स्वर्गिकता (heavenliness) में विश्वास रखता है, न कि बुद्ध की मूर्ति पूजा में।
3. बोधिसत्व की अवधारणा बौद्ध धर्म के इस संप्रदाय के तहत विकसित की गई है।

ऊपर दी गई कौन सी विशेषताएँ सही हैं / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.184) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	सत्य
महायान एक दार्शनिक आंदोलन है जिसने सार्वभौमिक मोक्ष की संभावना की घोषणा की है, जो अनुयायियों को करुणामय प्राणियों के रूप में सहायता प्रदान करता है जिन्हें बोधिसत्व कहा जाता है। इसका लक्ष्य सभी प्राणियों के लिए बुद्धत्व (बुद्ध बनना) की संभावना को खोलना था। बुद्ध केवल एक ऐतिहासिक व्यक्ति बनकर रह गए, बल्कि एक पारलौकिक व्यक्ति के रूप में व्याख्या की गई, जो सभी बनने की आकांक्षा कर सकते थे।	महायान या "महान वाहन" बुद्ध के बुद्धत्व और बुद्ध की मूर्ति की पूजा तथा बोधिसत्व को बुद्ध प्रकृति का प्रतीक मानते हैं।	महायान विचारधारा का केंद्र बोधिसत्व का विचार है, जो बुद्ध बनना चाहता है। गैर-महायान बौद्ध धर्म में प्रमुख विचार के विपरीत, जो इनके प्रबोधन (बोधी), या ज्ञानोदय से प्रथम बुद्ध को बोधिसत्व के पद तक सीमित करता है, महायान कहता है कि कोई भी ज्ञान/ प्रबोधन प्राप्त करने की आकांक्षा रख सकता है और जिससे वह बोधिसत्व बन जाता है। बोधिसत्व की अवधारणा बौद्ध धर्म के महायान संप्रदाय के तहत विकसित की गई है।

Q.185) प्रसिद्ध सुल्तानगंज बुद्ध, भारतीय मूर्तिकला के निम्नलिखित में से किस स्कूल से संबंधित है?

a) मथुरा स्कूल
b) गांधार स्कूल
c) अमरावती स्कूल
d) सारनाथ स्कूल

Q.185) Solution (d)

- मूर्तिकला के सारनाथ स्कूल का एक उल्लेखनीय उदाहरण सुल्तानगंज बुद्ध (बिहार में भागलपुर के पास) है।
- सारनाथ में बुद्ध की छवियों में दोनों कंधों को कवर करने वाली सादे पारदर्शी पर्दे हैं। सिर के चारों ओर प्रभामंडल में बहुत कम अलंकरण है।

Q.186) भारत के मध्यकालीन इतिहास के संदर्भ में, शब्द 'जरीबाना' और 'मुहासिलाना' निम्नलिखित में से किसके लिए है?

a) शेरशाह सूरी के प्रशासन में किसानों द्वारा भुगतान किए गए उपकर।
b) मुगलों द्वारा सूफी संतों को दी गई अनुदान भूमि।
c) मुगल काल के दौरान मौजूद दासों के प्रकार।
d) अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल के दौरान व्यापारियों द्वारा किया गया सीमा शुल्क भुगतान।

Q.186) Solution (a)

- शेर शाह ने पहली बार फसल दरों (रय) की अनुसूची प्रस्तुत की। उन्होंने ज़बती-ए-हर-साल (भूमि मूल्यांकन प्रत्येक वर्ष) को अपनाकर भूमि राजस्व प्रणाली में सुधार किया तथा सभी खेती योग्य भूमि को तीन प्रमुखों (अच्छी, मध्यम, बुरी) में वर्गीकृत किया।
- राज्य के हिस्से का निर्धारण करने के लिए आमिलों ने खेती के तहत भूमि की माप का उपयोग किया। राज्य की हिस्सेदारी औसत उपज का एक तिहाई थी और इसका भुगतान नकद या फसल में किया गया था।
- किसानों को एक पट्टा (शीर्षक विलेख) और एक क़बुलियत (समझौते का विलेख) दिया गया, जिसने किसान अधिकारों और करों को निर्धारित किया।
- भू-राजस्व के अलावा, कृषकों को कुछ अतिरिक्त उपकरों का भुगतान भी करना पड़ता था, जैसे कि जरीबाना या 'सर्वेक्षक शुल्क' और मुहासिलाना या 'कर संग्रह शुल्क' जो क्रमशः 2.5% और 5 प्रतिशत भूमि राजस्व की दर से थे।

Q.187) विजयनगर साम्राज्य की 'अमर-नायक' प्रणाली के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

1. नायक सेना के कमांडर थे जिन्हें शासन करने के लिए क्षेत्र दिए गए थे।
2. नायक अपने अमरम में कृषि गतिविधियों के विस्तार के लिए उत्तरदायी थे।
3. नायक को केवल किसानों से कर एकत्र करने का अधिकार था।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.187) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य
विजयनगर प्रशासन की महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक अमर-नायक प्रणाली थी। सेना के शीर्ष-ग्रेड अधिकारियों को नायक या पलायगार या पोलिगार के रूप में जाना जाता था। दिलचस्प बात यह है कि इन अधिकारियों को उनकी सेवाओं के बदले जमीन (अमरम) दी गई थी, जबकि सैनिकों को आमतौर पर नकद में भुगतान किया जाता था।	नायक अपने अमरम (क्षेत्र) में कृषि गतिविधियों के विस्तार के लिए उत्तरदायी थे। उसने अपने क्षेत्र में कर एकत्र किया और इस आय के साथ अपनी सेना, घोड़ों, हाथियों और युद्ध के हथियारों को बनाए रखा जो उसे राय या विजयनगर शासक को आपूर्ति करना था।	अमर-नायक को क्षेत्र में किसानों, कारीगरों और व्यापारियों से कर और अन्य बकाया राशि एकत्र करने की अनुमति थी। कुछ राजस्व का उपयोग मंदिरों और सिंचाई कार्यों के रखरखाव के लिए भी किया जाता था। नायक किलों के सेनापति भी थे।

Q.188) निम्नलिखित में से किस गुफा में, नटराज की मूर्ति, सप्तमातृकों के पूर्ण-आकार के बड़े चित्रण से घिरी हुई पाई गई?

a) एहोल की गुफाएँ
b) गुंटापल्ली की गुफाएँ
c) पित्तलखोरा गुफाएँ
d) बादामी की गुफाएँ

Q.188) Solution (a)

- सप्तमातृक हिंदू धर्म में पूजित सात महिला देवताओं का एक समूह है जो अपने संबंधित देवताओं की ऊर्जा को व्यक्त करती हैं।
- ऐहोल (कर्नाटक) में रावण फाड़ी गुफा में सबसे महत्वपूर्ण मूर्तियों में से एक नटराज की है, जो सप्तमातृकों के पूर्ण-आकार के बड़े चित्रण से घिरी है।
- सप्तमातृक: शिव के बाएं तीन और उनके दाहिने ओर चार हैं। चित्र सुंदर, पतले शरीर वाले होते हैं, लंबे, अंडाकार चेहरे बेहद ऊंचे बेलनाकार मुकुट सबसे ऊपर होते हैं तथा छोटे धारीदार धोती पहने हुए दर्शायी जाती हैं, जो सुसज्जित धारियों से चिह्नित होती हैं।

Q.189) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

रंगमंच का रूप	राज्य
1. स्वांग (Swang)	बिहार
2. भाओना (Bhaona)	असम
3. भवाई	मध्य प्रदेश

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 1 और 3
d) केवल 2 और 3

Q.189) Solution (c)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
असत्य	**सत्य**	**असत्य**
स्वांग पंजाब और हरियाणा के क्षेत्र में मनोरंजन का एक और लोकप्रिय स्रोत है। वे मुख्य रूप से संगीत नाटक हैं, जिसमें छंद के माध्यम से गाया जाता है, साथ में इकतारा, हारमोनियम, सारंगी, ढोलक और खरताल का संगीत होता है।	भाओना असम, खासकर माजुली द्वीप का एक लोक रंगमंच है। विचार मनोरंजन और नाटक के माध्यम से लोगों को धार्मिक और नैतिक संदेश फैलाना है। यह अंकिया नाट की प्रस्तुति है और वैष्णव विषय सामान्य हैं। सूत्रधार (कथावाचक) नाटक का वर्णन करता है और पवित्र ग्रंथों से छंद गाता है। गीत और संगीत भी इसका एक हिस्सा हैं।	भवाई गुजरात और राजस्थान का एक लोकप्रिय लोक रंगमंच है, जो मुख्य रूप से कच्छ और काठियावाड़ के क्षेत्रों में होता है। इस रूप में छोटे नाटकों की एक श्रृंखला का वर्णन करने के लिए नृत्य का एक व्यापक उपयोग शामिल है, जिसे वैश या स्वंग के रूप में जाना जाता है, प्रत्येक अपने स्वयं के कथानक के साथ होते हैं। नाटक का विषय आम तौर पर रोमांटिक होता है। यह

नाटक एक अर्ध-शास्त्रीय संगीत के साथ होता है, जिसे एक अलग लोक शैली में खेला जाता है, जैसे कि भुंगला, झांझा और तबला। सूत्रधार को भवाई थिएटर में नायक के रूप में जाना जाता है।

Q.190) निम्नलिखित में से कौन, भारत की यूनेस्को सूची में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत में शामिल हैं?

1. कालबेलिया
2. संकीर्तन
3. यक्षगान
4. कथकली
5. नवरोज उत्सव

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1, 3, और 4
b) केवल 1, 2 और 5
c) केवल 2, 4 और 5
d) केवल 1, 2, 3 और 5

Q.190) Solution (b)

यूनेस्को सूची की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत

- सूची उन अमूर्त विरासत तत्वों से बनी है जो सांस्कृतिक विरासत की विविधता को प्रदर्शित करने में मदद करते हैं और इसके महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाते हैं।
- यह सूची 2008 में स्थापित की गई थी, जब अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए कन्वेंशन प्रभावी हुआ था।
- यूनेस्को ने अपने अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के बैनर तले तीन सूचियों को बनाए रखा है:
    - तत्काल सुरक्षा की आवश्यकता में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची।
    - मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची।
    - अच्छे सुरक्षा अभ्यासों का रजिस्टर।

भारत की यूनेस्को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत

क्रम सं	अमूर्त सांस्कृतिक विरासत	सम्मिलन वर्ष

1	वैदिक जप की परंपरा	2008
2	रामलीला, रामायण का पारंपरिक प्रदर्शन	2008
3	कुटियाट्टम, संस्कृत थिएटर	2008
4	रम्मन, गढ़वाल हिमालय का धार्मिक त्योहार और अनुष्ठान थियेटर	2009
5	मुदियेट्टू, आनुष्ठानि थिएटर और केरल का नृत्य नाटक	2010
6	कालबेलिया लोक गीत और राजस्थान के नृत्य	2010
7	छऊ नृत्य	2010
8	लद्दाख का बौद्ध जप: ट्रांस हिमालयन लद्दाख क्षेत्र, जम्मू और कश्मीर: भारत में पवित्र बौद्ध ग्रंथों का पाठ	2012
9	संकीर्तन, अनुष्ठानिक गायन, ढोलक वादन और नृत्य, मणिपुर	2013
10	जंडियाला गुरु, पंजाब, भारत के ठठेरों के बीच बर्तन बनाने के पारंपरिक पीतल और तांबे के शिल्प	2014
11	योग	2016
12	नवरोज उत्सव	2016
13	कुंभ मेला	2017

Q.191) चित्रकला की कोटा, बूंदी और झालावाड़ शैली, निम्नलिखित में से किस स्कूल की चित्रकला है?

a) मेवाड़ स्कूल
b) मारवाड़ स्कूल
c) हाडोती स्कूल
d) धुंदर स्कूल

Q.191) Solution (c)

राजस्थान में चित्रकला के स्कूल:

- सोलहवीं शताब्दी के पूर्ववर्ती दशकों में, कला के राजपूत स्कूलों ने विशेष शैलियों का विस्तार करना आरंभ कर दिया, जिसमें आदिवासी और साथ ही, दूरस्थ क्षेत्रों की विशेष शैलियों को शामिल किया गया।
- राजस्थानी चित्रकला में 4 प्रमुख स्कूल (मेवाड़, मारवाड़, हाड़ोती और धुंदर) शामिल हैं, जिनके भीतर कई कल्पनात्मक शैली हैं, जो इन कलाकारों का उपयोग करने वाली विभिन्न रियासतों को रेखांकित कर सकते हैं।

स्कूल	शैलियाँ	विशेषताएं

मेवाड़ स्कूल	नाथद्वारा, चावंड, उदयपुर, सावर और देवगढ़ चित्रकला की शैलियाँ	• सरल ज्वलंत रंग और प्रत्यक्ष मार्मिक अपील द्वारा प्रतिष्ठित।
मारवाड़ स्कूल	किशनगढ़, बीकानेर, जोधपुर, पाली, नागौर और घनेराव शैली।	• मुग़ल प्रभाव और कुलीनों को दरबार में और घोड़ों के दृश्यों को अंकित किया गया • त्योहारों, चित्रों, हाथी युद्ध, शिकार अभियान और समारोहों को आम तौर पर दर्शाया जाता है। • विषयों में भगवान कृष्ण के जीवन से एकत्रित दृश्य भी शामिल हैं।
हाड़ोती स्कूल	कोटा, बूंदी और झालावाड़ शैली	• राव चत्तर शाल (उन्हें शासक, शाहजहाँ द्वारा दिल्ली का राज्यपाल बनाया गया था) के अधीन थी। • हाड़ोती क्षेत्र कला का खजाना था। हाड़ोती चित्रों को राजपूत शैली में चित्रों की सबसे अधिक श्रेष्ठता के साथ देखा जाता है।
धूंदर स्कूल	अंबर, जयपुर, शेखावाटी और उनियारा शैली	• अपने कुलीन लोक चित्रों के लिए बहुत विख्यात थी। • चित्रकला उत्कृष्ट रचनाएं हैं तथा बड़ी आंखों, गोल चेहरे, नुकीली नाक और लंबी गर्दन वाली भव्य महिलाओं को चित्रित करती हैं।

Q.192) निम्नलिखित संगठनों को उनके गठन के अनुसार, कालानुक्रमिक रूप से व्यवस्थित करें।

1. इंडियन लीग
2. बंगभाषा प्रकाशिका सभा
3. पूना सार्वजनिक सभा
4. ईस्ट इंडिया एसोसिएशन

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) 2 - 4 - 1 - 3
b) 2 - 4 - 3 - 1
c) 4 - 2 - 1 - 3
d) 4 - 2 - 3 - 1

Q.192) Solution (b)

- 1836: बंगभाषा प्रकाशिका सभा, 1836 में राजा राममोहुन रॉय के सहयोगियों द्वारा सरकार की नीति पर चर्चा करने तथा याचिकाओं और ज्ञापनों के माध्यम से निवारण करने के उद्देश्य से गठित एक राजनीतिक संघ थी।
- 1866: दादाभाई नौरोजी द्वारा लंदन में 1866 में ईस्ट इंडियन एसोसिएशन का आयोजन भारतीय मुद्दों पर चर्चा करने और भारतीय कल्याण को बढ़ावा देने के लिए ब्रिटिश आम जनों को प्रभावित करने के लिए किया गया था।
- 1870: सरकार और लोगों के बीच सेतु के रूप में सेवा के उद्देश्य से पूना में एम जी रानाडे, गणेश वासुदेव जोशी और एस एच चिपलूनकर द्वारा पूना सार्वजनिक सभा का गठन किया गया।

- 1875: इंडियन लीग की स्थापना सिसिर कुमार घोष ने "लोगों में राष्ट्रीयता की भावना को उत्तेजित करने" और राजनीतिक शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से की थी।
- इसलिए सही क्रम बंगभाषा प्रकाशिका सभा - ईस्ट इंडियन एसोसिएशन - पूना सर्वजन सभा - इंडियन लीग है।

Q.193) उन्नीसवीं सदी के अंत तक, भारतीय निर्यात में मुख्य रूप से शामिल थे

1. कच्चा कपास
2. जूट और रेशम
3. तिलहन
4. गेहूँ
5. नील

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1, 2 और 5
b) केवल 1, 2, 4 और 5
c) केवल 1, 2 और 3
d) 1, 2, 3, 4 और 5

Q.193) Solution (d)

- तैयार माल निर्यात करने के बजाय, भारत को कच्चे कपास और कच्चे रेशम जैसे कच्चे माल का निर्यात करने के लिए मजबूर किया गया था, जिसकी ब्रिटिश उद्योगों को तत्काल आवश्यकता थी, या भारत के खाद्यान्न, नील और चाय जैसे वृक्षारोपण उत्पादों की, जिनकी ब्रिटेन में कम आपूर्ति थी।
- 1856 में, भारत ने £ 4,300,000 मूल्य की कच्ची कपास का निर्यात किया, जिसमे केवल £ 810,000 मूल्य की कपास उत्पादित थी, £ 2,900,000 मूल्य का खाद्यान्न, £ 1,730,000 की नील और £ 770,000 मूल्य की कच्ची रेशम का निर्यात किया।
- उन्नीसवीं सदी के अंत तक, भारतीय निर्यात में मुख्य रूप से कच्चे कपास, जूट और रेशम, तिलहन, गेहूं, चमड़े की खाल, नील और चाय शामिल थी।
- 19 वीं शताब्दी में ब्रिटिश नीतियों ने कपास, जूट, मूंगफली, तिलहन, गन्ना, तम्बाकू आदि वाणिज्यिक फसलों की खेती को प्रोत्साहित किया, जो कृषि के व्यावसायीकरण की ओर अग्रसर खाद्यान्न की तुलना में अधिक पारिश्रमिक-संबंधी थे।

Q.194) निम्नलिखित में से कौन 'श्रीमद भगवद गीता रहस्य' और 'वेदोंं का आर्कटिक गृह' पुस्तकों के लेखक थे?

a) अरबिंदो घोष
b) स्वामी दयानंद सरस्वती
c) बाल गंगाधर तिलक
d) एनी बेसेंट

Q.194) Solution (c)

- बाल गंगाधर तिलक एक भारतीय राष्ट्रवादी और एक स्वतंत्रता कार्यकर्ता थे जिनका जन्म 22 जुलाई, 1856 को दक्षिण-पश्चिमी महाराष्ट्र के एक छोटे से तटीय शहर रत्नागिरी में हुआ था। ब्रिटिश औपनिवेशिक अधिकारियों ने उन्हें "भारतीय अशांति का जनक" कहा।

- तिलक ने भारतीय छात्रों के बीच राष्ट्रवादी शिक्षा को प्रेरित करने के उद्देश्य से कॉलेज के सहपाठी, विष्णु शास्त्री चिपलूनकर और गोपाल गणेश आगरकर के साथ डेक्कन एजुकेशनल सोसाइटी की शुरुआत की।
- उनकी शिक्षण गतिविधियों के समानांतर, तिलक ने दो समाचार पत्रों मराठी में 'केसरी' और अंग्रेजी में 'मराठा' की स्थापना की।
- गंगाधर तिलक 1890 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गए। वह कांग्रेस के चरमपंथी गुट का हिस्सा थे तथा बहिष्कार और स्वदेशी आंदोलनों के समर्थक थे।
- वह एनी बेसेंट के साथ अखिल भारतीय होम रूल लीग के संस्थापकों में से एक थे।
- 1903 में, उन्होंने 'वेदों का आर्कटिक गृह' पुस्तक लिखी। इसमें, उन्होंने तर्क दिया कि वेद केवल आर्कटिक में ही रचे जा सकते थे, और आर्यन लोग उन्हें पिछले हिमयुग की शुरुआत के बाद दक्षिण में ले आए। उन्होंने वेदों के सटीक समय को निर्धारित करने के लिए एक नया तरीका प्रस्तावित किया।
- तिलक ने मांडले की जेल में "श्रीमद्भगवद् गीता भाष्य" - भगवद्गीता में 'कर्म योग' का विश्लेषण लिखा, जिसे वेदों और उपनिषदों का एक उपहार माना जाता है।
- उन्हें "लोकमान्य" की उपाधि से सम्मानित किया गया, जिसका अर्थ "लोगों द्वारा स्वीकार किया गया (उनके नेता के रूप में)" है। महात्मा गांधी ने उन्हें "आधुनिक भारत का निर्माता" कहा। तिलक स्वराज के पहले और सबसे मजबूत अधिवक्ताओं में से एक थे।
- उन्हें मराठी में उनके उद्धरण के लिए जाना जाता है: "स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मै इसे लेकर रहूँगा"।

Q.195) निम्नलिखित में से कौन सी घटना सबसे पहले घटित हुई थी?

a) मुक्ति दिवस (Day of Deliverance)
b) राष्ट्रीय अपमान दिवस (National Humiliation Day)
c) एकता और एकजुटता दिवस (Day of Unity and Solidarity)
d) स्वतंत्रता दिवस

Q.195) Solution (c)

एकता और एकजुटता दिवस	16 अक्टूबर 1905	बंगाल विभाजन के बाद रवींद्रनाथ टैगोर ने मनाया।
राष्ट्रीय अपमान दिवस	6 अप्रैल 1919	रौलेट एक्ट , एक 'काले अधिनियम' के समय गांधी जी द्वारा पारित किया गया था।
स्वतंत्रता दिवस	26 जनवरी 1930	लाहौर अधिवेशन के बाद पूर्ण स्वराज का संकल्प।
मुक्ति दिवस	22 दिसंबर 1939	कांग्रेस विधायकों के इस्तीफा देने के बाद जिन्ना ने मुस्लिम लीग के नेतृत्व में पारित किया।
प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस / महान कलकत्ता हत्याएं	16 अगस्त 1946	मुस्लिम लीग द्वारा मुस्लिम शक्ति प्रदर्शन के लिए कैबिनेट मिशन के तहत अलग पाकिस्तान की मांग को नकार दिए जाने पर मनाया गया था।

Q.196) वह एक महान परोपकारी व्यक्ति थे; उन्होंने ट्रिप्लिकेन, तुंगम्बक्कम और नेल्लोर में आयुर्वेदिक अस्पताल आरंभ किए; उन्हें समाज के लिए उनकी सेवा हेतु एनी बेसेंट द्वारा 'धर्ममूर्ति' और ब्रिटिश सरकार द्वारा 'राय बहादुर' की उपाधि से सम्मानित किया गया था। वह थे

a) वीरसलिंगम पंतुलु
b) कलवला कुन्नन चेट्टी
c) रेट्टिमिलाई श्रीनिवासन
d) सी.पी. रामास्वामी अय्यर

Q.196) Solution (b)

- इंडिया पोस्ट ने 24 अगस्त 2019 को कलवला कुन्नान चेट्टी पर एक स्मारक डाक टिकट जारी किया है। कलवला कुन्नन चेट्टी एक महान परोपकारी व्यक्ति थे। उन्होंने समाज के उत्थान के लिए खुद को समर्पित कर दिया। उनका जन्म कलवला परिवार में वर्ष 1869 में हुआ था।
- एनी बेसेंट ने मरणोपरांत श्री कुन्नान चेट्टी को 'धर्ममूर्ति' की उपाधि से सम्मानित किया। ब्रिटिश सरकार द्वारा समाज में उनकी सेवा के लिए "राय बहादुर" का प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया था।
- अपने जीवन काल के दौरान, उन्होंने तिरुवल्लूर और पेरम्बूर में दो स्कूलों की स्थापना की तथा एक संस्कृत महाविद्यालय, लड़कियों के लिए प्राथमिक विद्यालय, माध्यमिक विद्यालय चिन्टद्रिपेट में स्थापित किया और चेन्नई और उसके आसपास के कई स्कूलों को वित्तीय सहायता दी।
- उन्होंने ट्रिप्लिकेन, तुंगमबक्कम और नेल्लोर में आयुर्वेदिक अस्पताल आरंभ किए। आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में वयस्कों के लिए शाम के स्कूल आरंभ करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान था।

Q.197) स्वतंत्रता संग्राम के संदर्भ में, 'दिल्ली चलो आंदोलन' निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?

a) साइमन कमीशन के खिलाफ विरोध
b) सविनय अवज्ञा आंदोलन
c) व्यक्तिगत सत्याग्रह
d) भारत छोड़ो आंदोलन

Q.197) Solution (c)

- व्यक्तिगत सत्याग्रह: 1940 में, अगस्त प्रस्ताव के प्रतिउत्तर में, गांधीजी ने प्रत्येक क्षेत्र में कुछ चुने हुए व्यक्तियों द्वारा व्यक्तिगत आधार पर एक सीमित सत्याग्रह, अर्थात् व्यक्तिगत सत्याग्रह आरंभ करने का फैसला किया था।
- सत्याग्रही की मांग युद्ध-विरोधी घोषणा के माध्यम से युद्ध के खिलाफ बोलने की स्वतंत्रता थी। यदि सरकार ने सत्याग्रही को गिरफ्तार नहीं किया, तो वह न केवल इसे दोहराएंगे, बल्कि गांवों में ले जायेंगे और दिल्ली की ओर मार्च आरंभ करेंगे, इस तरह एक आंदोलन को तेज करेंगे जिसे "दिल्ली चलो आंदोलन" के रूप में जाना जाता है।
- विनोबा भावे पहले सत्याग्रह और नेहरू दूसरे थे।

Q.198) आधुनिक इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित प्रस्तावों पर विचार करें:

1. मौलिक अधिकार
2. राष्ट्रीय शिक्षा परिषद
3. राष्ट्रीय आर्थिक कार्यक्रम

निम्नलिखित में से कौन सा संकल्प 1931 में कराची में आयोजित कांग्रेस के एक विशेष सत्र में अपनाया गया था?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2 और 3
c) केवल 1
d) केवल 1 और 3

Q.198) Solution (d)

- मार्च 1931 में, कांग्रेस का एक विशेष सत्र कराची में (सरदार पटेल की अध्यक्षता में) गांधी-इरविन समझौते का समर्थन करने के लिए आयोजित किया गया था।

कराची में कांग्रेस का संकल्प:

1. राजनीतिक हिंसा से स्वयं को अलग करने और उसे अस्वीकृत करते हुए, कांग्रेस ने तीनों शहीदों की 'बहादुरी' और 'बलिदान' की प्रशंसा की।
2. दिल्ली संधि या गांधी-इरविन संधि का समर्थन किया गया।
3. पूर्ण स्वराज का लक्ष्य दोहराया गया।
4. दो संकल्पों को अपनाया गया- एक मौलिक अधिकारों पर और दूसरा राष्ट्रीय आर्थिक कार्यक्रम पर, जिसने सत्र को विशेष रूप से यादगार बना दिया।

मौलिक अधिकारों पर संकल्प की गारंटी -

- नि: शुल्क भाषण और मुक्त प्रेस, संघों का गठन करने का अधिकार, इकट्ठा करने का अधिकार
- सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार, जाति, पंथ और लिंग के आधार पर बिना विभेद किये समान कानूनी अधिकार
- धार्मिक मामलों में राज्य की निष्पक्षता
- मुफ्त और अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा
- संस्कृति, भाषा, अल्पसंख्यकों और भाषाई समूहों की सुरक्षा

राष्ट्रीय आर्थिक कार्यक्रम पर संकल्प शामिल -

- भू-स्वामियों और किसानों के मामले में लगान और राजस्व में पर्याप्त कमी
- कृषि ऋणग्रस्तता से राहत के लिए गैर-आर्थिक जोत के लिए लगान से छूट
- काम की बेहतर स्थितियाँ जिसमें एक जीवित रहने योग्य मजदूरी, काम के सीमित घंटे और औद्योगिक क्षेत्र में महिला श्रमिकों की सुरक्षा शामिल था
- मजदूरों और किसानों का संघ बनाने का अधिकार
- प्रमुख उद्योगों, खानों और परिवहन के साधनों का राज्य स्वामित्व और नियंत्रण

यह पहली बार था जब कांग्रेस ने कहा कि स्वराज जनता के लिए क्या अर्थ होगा- "जनता के शोषण को समाप्त करने हेतु, राजनीतिक स्वतंत्रता में लाखों भूखे रहने वालों के लिए आर्थिक स्वतंत्रता शामिल होनी चाहिए।"

कराची संकल्प बाद के वर्षों में कांग्रेस का मूल राजनीतिक और आर्थिक कार्यक्रम बना रहना था।

राष्ट्रीय शिक्षा परिषद बंगाल में भारतीय राष्ट्रवादियों द्वारा स्थापित एक संगठन था। 1906 में, आईएनसी के कलकत्ता सत्र (दादाभाई नौरोजी की अध्यक्षता में), स्वराज, स्वदेशी, बहिष्कार और राष्ट्रीय शिक्षा पर चार प्रस्ताव पारित किए गए थे। इसलिए कथन 2 गलत है।

Q.199) भारत सरकार अधिनियम, 1935 की निम्नलिखित में से कौन-सी / से प्रमुख विशेषताएं हैं?

1. इसने केंद्र में द्वैधशासन (dyarchy) को अपनाने के लिए प्रावधान किया।
2. इसने वंचित वर्गों और महिलाओं के लिए पृथक निर्वाचक मंडल का प्रावधान प्रदान किया।
3. इसने भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना के लिए प्रावधान प्रदान किया।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.199) Solution (d)

- भारत सरकार अधिनियम, 1935 भारत में पूरी तरह से उत्तरदायी सरकार की दिशा में एक मील का पत्थर साबित किया। यह एक लंबा और विस्तृत दस्तावेज था जिसमें 321 खंड और 10 अनुसूचियां थीं।

अधिनियम की विशेषताएं:

1. इसने इकाइयों के रूप में प्रांतों और रियासतों को मिलाकर एक अखिल भारतीय महासंघ की स्थापना के लिए प्रावधान प्रदान किया। अधिनियम ने केंद्र और इकाइयों के बीच शक्तियों को तीन सूचियों के संदर्भ में विभाजित किया- संघीय सूची (केंद्र के लिए, 59 वस्तुओं के साथ), प्रांतीय सूची (प्रांतों के लिए, 54 वस्तुओं के साथ) और समवर्ती सूची (दोनों के लिए, 36 वस्तुओं के साथ)। वायसराय को अवशेष शक्तियां दी गईं। हालाँकि, संघ कभी अस्तित्व में नहीं आया क्योंकि रियासतें इसमें शामिल नहीं हुईं।
2. इसने प्रांतों में द्वैधशासन को समाप्त कर दिया तथा इसके स्थान पर 'प्रांतीय स्वायत्तता' की शुरुआत की। प्रांतों को उनके परिभाषित क्षेत्रों में प्रशासन की स्वायत्त इकाइयों के रूप में कार्य करने की अनुमति थी। इसके अलावा, अधिनियम ने प्रांतों में उत्तरदायी सरकारों को पेश किया, अर्थात, गवर्नर को प्रांतीय विधायिका के प्रति उत्तरदायी मंत्रियों की सलाह के साथ कार्य करने की आवश्यकता थी। यह 1937 में लागू हुआ और 1939 में समाप्त कर दिया गया।
3. इसने केंद्र में द्वैधशासन को अपनाने के लिए प्रावधान किया। नतीजतन, संघीय विषयों को आरक्षित विषयों और स्थानांतरित विषयों में विभाजित किया गया था। हालाँकि, अधिनियम का यह प्रावधान लागू नहीं हुआ।
4. इसने ग्यारह प्रांतों में से छह में द्विसदनीयता का परिचय दिया। इस प्रकार, बंगाल, बॉम्बे, मद्रास, बिहार, असम और संयुक्त प्रांत की विधानसभाओं को एक विधान परिषद (उच्च सदन) और एक विधान सभा (निम्न सदन) से युक्त द्विसदनीय बनाया गया। हालांकि, उन पर कई प्रतिबंध लगाए गए थे।
5. इसने वंचित वर्गों (अनुसूचित जातियों), महिलाओं और श्रमिकों (श्रमिकों) के लिए पृथक निर्वाचक मंडल प्रदान करके सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांत को आगे बढ़ाया।
6. इसने 1858 के भारत सरकार अधिनियम द्वारा स्थापित भारत की परिषद को समाप्त कर दिया। भारत के राज्य सचिव को सलाहकारों की एक टीम प्रदान की गई।

7. इसने मताधिकार का विस्तार किया। कुल आबादी के लगभग 10 फीसदी लोगों को मतदान का अधिकार मिला।
8. इसने देश की मुद्रा और ऋण को नियंत्रित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना का प्रावधान किया।
9. इसने न केवल एक संघीय लोक सेवा आयोग की स्थापना की बल्कि दो या दो अन्य प्रांतों के लिए एक प्रांतीय लोक सेवा आयोग और संयुक्त लोक सेवा आयोग की स्थापना की।
10. इसमें एक संघीय न्यायालय की स्थापना के लिए प्रावधान प्रदान किया गया था, जिसे 1937 में स्थापित किया गया था।
11. सिंध और उड़ीसा के नए प्रांत बनाए गए।

Q.200) निम्नलिखित घटनाओं पर विचार करें:

1. भिलाई इस्पात संयंत्र की स्थापना पूर्व सोवियत संघ की सहायता से की गई।
2. गुट निरपेक्ष आंदोलन (NAM) का पहला शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया।
3. संविधान को 'प्रिवी पर्स' के उन्मूलन के लिए वैधानिक बाधाओं को हटाने के लिए संशोधित किया गया।
4. द्विभाषी राज्य बंबई को मराठी और गुजराती बोलने वालों के लिए अलग-अलग राज्यों में विभाजित किया गया।

उपरोक्त घटनाओं में से कौन सा सही कालानुक्रमिक अनुक्रम है?

a) 2 - 4 - 1 - 3
b) 1 - 4 - 2 - 3
c) 2 - 3 - 1 - 4
d) 1 - 3 - 2 - 4

Q.200) Solution (b)

- भिलाई इस्पात संयंत्र की स्थापना 1959 में पूर्व सोवियत संघ के सहयोग से की गई थी। छत्तीसगढ़ के पिछड़े ग्रामीण क्षेत्र में स्थित, इसे स्वतंत्रता के बाद आधुनिक भारत के विकास के एक महत्वपूर्ण संकेत के रूप में देखा जाने लगा।
- 1 अक्टूबर 1953 को आंध्र प्रदेश के निर्माण के बाद, अन्य भाषाई समुदायों ने भी अपने अलग राज्यों की मांग की। एक राज्य पुनर्गठन आयोग की स्थापना की गई, जिसने 1956 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें जिले और प्रांतीय सीमाओं को क्रमशः असम, बंगाली, उड़िया, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और तेलुगु बोलने वालों के सीमित प्रांत बनाने की सिफारिश की गई थी। 1960 में, द्विभाषी राज्य बंबई मराठी और गुजराती बोलने वालों के लिए अलग-अलग राज्यों में विभाजित किया गया था।
- 1955 में इंडोनेशियाई शहर बांडुंग में आयोजित एफ्रो-एशियाई सम्मेलन, जिसे आमतौर पर बांडुंग सम्मेलन के रूप में जाना जाता है, ने नए स्वतंत्र एशियाई और अफ्रीकी देशों के साथ भारत के जुड़ाव को चिन्हित किया। बांडुंग सम्मेलन ने बाद में गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM) की स्थापना की। NAM का पहला शिखर सम्मेलन सितंबर 1961 में बेलग्रेड में आयोजित किया गया था। नेहरू NAM के सह-संस्थापक थे।
- 1971 के चुनाव में इंदिरा गांधी की भारी जीत के बाद, संविधान में 'प्रिवी पर्स' के उन्मूलन के लिए वैधानिक बाधाओं को हटाने के लिए संशोधन किया गया था। 26 वें संशोधन अधिनियम, 1971 ने रियासतों के पूर्व शासकों के प्रिवी पर्स और विशेषाधिकारों को समाप्त कर दिया।
- इसलिए विकल्प (ब) सही अनुक्रम है।

Copyright © by IASbaba

All rights are reserved. No part of this document may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior permission of IASbaba.